2 गज दूरी मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

website : www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-6 | अंक-1 जुलाई-अगस्त-2022 पृष्ठ-80 मूल्य : ₹ 20.00

देश की पहली आदिवासी महिला महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

" Congratulations & best wishes to "Kumawat India" on competing 5 years publications"

Late Shri Phool Chand ji Marodia

Late Smt.Kesari Devi Marodia

A tribute to our parents
who showed us the path of success.

COLOURS

INTERNATIONAL SCHOOL

(The most talked about Pre-primary & Primary Specialist in Your Reach)

Play Group to Grade VIII

Shades of Brilliance...

Rajesh Marodia
Director

Kavita Marodia
Director

SC-71, O-Phase-11, 200 Ft. Sector Road, Narayan Vihar, Jaipur

9799476298 | narayanviharcolours@gmail.com | www.coloursnvschool.com

DELHI PUBIC SCHOOL

CBSE Affiliation

Kavita Marodia
Director

Ghan Shyam Sharma
Director

P.G. to XII

Branch Office : Gudha Road, Bandikui, District Dausa, Rajasthan | M : 89551924288, 01420-294358
City Office : Royal Place, Bandikui Railway Station Road, Bandikui, Rajasthan-303313

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के 5 वर्ष पूर्ण होने तथा श्री जयसिंह कुमावत जिला मंत्री व संदीप कुमावत

जिला कार्यकारिणी सदस्य

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर

बनाये जाने पर

हार्दिक बधाई

जयसिंह कुमावत
जिला मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

संदीप कुमावत
जिला कार्यकारिणी सदस्य भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

शुभेच्छुः

टीम चेतन धुंधारिया

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने,

श्री जयसिंह कुमावत (गुड़ीवाल)

के भाजपा जयपुर शहर ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री बनने

तथा **76वें स्वतंत्रता दिवस** की

हार्दिक बधाई

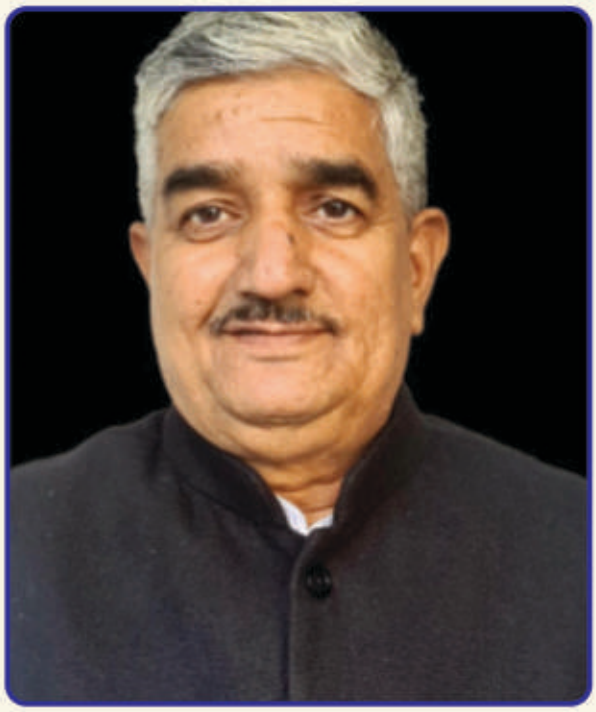

विमल कुमावत

जयपुर शहर उपाध्यक्ष,
भारतीय जनता पार्टी एवं
पूर्व उपमहापौर जयपुर नगर निगम
मो. 9928193094

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

प्रत्येक कर्म का कोई न कोई कर्ता होता है तथा किए गए कर्म के ऊपर परिणाम देने के लिए एक अधिष्ठाता भी होता है। परिवारों की व्यवस्था घर के मुखिया के हाथ में, समाजों की व्यवस्था उनके विभिन्न संगठनों और समितियों के हाथ में, तो राष्ट्रों की व्यवस्था राष्ट्राध्यक्षों के हाथ में होती है। जिनके पास जैसी शक्तियां होती है उन्हीं के अनुरुप उनके अधिकार व दायित्व होते हैं। भारत की आजादी को 75 वर्ष पूर्ण होने पर देश में 12 मार्च, 2021 से अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जो 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। इसका उद्देश्य गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों एवं उपलब्धियों के बारे में आम जन को जानकारी देकर जागरूक करना है। हमने हर घर तिरंगा लगाकर राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सद्भाव का परिचय दिया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के प्रकाशन को 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में ट्रस्ट ने 5 वर्षीय विशेषांक प्रकाशित करने का निर्णय लिया। मैं, 3 वर्ष 6 माह पहले 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के साथ जुड़ा हूं। मुझे सदस्य बनाने आए महानुभावों से मैंने पूछा कि समाज में अन्य पत्रिका प्रकाशित होती है तो इसकी क्या आवश्यकता है? उन्होंने मुझे राजस्थान में दैनिक भास्कर के प्रकाशन से पहले व बाद की राजस्थान पत्रिका की स्थिति के बारे मे सहज भाव से बताया और पत्र-पत्रिकाओं में प्रतिस्पर्धा से आये परिणामों को बताया, तो मैं सन्तुष्ट हो तुरंत सदस्य बन गया। विगत 5 वर्षों में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के प्रथम अंक अगस्त 2017 से गतांक जून 2022 के प्रकाशित अंकों को देखने पर एहसास हो जाएगा कि हर अंक में निखार आता रहा। ट्रस्ट के ट्रस्टियों सहित आज पत्रिका के विशिष्ट संरक्षक 143 व संरक्षक सदस्य 127 सहित अन्य सदस्यों का भरा पूरा परिवार है। कुछ माननीय ट्रस्टियों का कार्यकाल पूरा होने व अन्य कारणों से ट्रस्टी नहीं रहें। कोरोना के दु:खद काल में प्रिय ट्रस्टी श्री विनोद कुमार बालोदिया के असामयिक निधन से सभी को बहुत दु:ख व अपूरणीय क्षति हुई। कोरोना के भयावह समय में सभी कार्य लगभग ठप हो गए थे फिर भी पत्रिका नियमित प्रकाशित होती रही तथा पाठकों को ई-पत्रिका भेजी गयी। पत्रिका के 5 वर्ष के गौरवपूर्ण इतिहास में 2 विशेषांक और 3 समारोह आयोजित किये गये है। जनवरी 2018 में खिलाडियों व जादूगर आंचल कुमावत का सम्मान, 4 नवंबर 2018 को पत्रिका के अक्टूबर-नवंबर 2018 अंक शिक्षा व राजनीति विशेषांक का विमोचन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में मेजर जनरल सेवानिवृत जे के मारवाल (VSM), बाबूलाल मारोठिया शिल्प गुरु, मुकेश कुमार बोराज (उदयीमान लेखक), अमृत सिरोहिया (जेम्स कार्विंग में नेशनल अवॉर्ड) एवं दीपक कुमावत (योग में गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दो रिकॉर्ड धारक) आदि अतिथियों को माल्यार्पण कर सम्मान किया व स्मृति चिन्ह भेंट किये। 'कुमावत इंडिया' महिला क्लब, सहयोगी संस्था द्वारा 23 मार्च 2019 को होली मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें समाज की गणमान्य महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अगस्त-सितंबर 2019 का अंक स्वतंत्रता सेनानी विशेषांक के रूप में प्रकाशित हुआ। 15 मार्च 2020 को होली मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ जिसमें पद्मश्री श्री सूंडाराम कुमावत कृषि वैज्ञानिक (दांता), श्री मातूराम कुमावत वरिष्ठ मूर्तिकार (पिलानी), पवन कुमावत अंतर्राष्ट्रीय वेटलिफ्टर तथा अंशिका कुमावत बैडमिंटन खिलाडी का सम्मान किया गया।

प्रत्येक माह अविवाहित युवक-युवतियों की सूची व समाज के दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि प्रकाशित की जाती है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 5 वर्षों में अनेक जन उपयोगी व रोचक लेख व रचनाएं तथा सामाजिक समाचारों आदि का प्रकाशन किया है। इन पांच वर्षों के श्रेष्ठ प्रकाशनों में वर्तमान अध्यक्ष रमेश कुमावत (गैदर), हेमचंद खडगटा, सी एम कुमावत, जयसिंह गुडीवाल तथा राज ब्लाक्स का विशेष योगदान रहा है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। पत्रिका के प्रकाशन में धनराशि की बहुत आवश्यकता रहती है, जिसे पूरा करने में विज्ञापनों का अहम रोल होता है, इसके लिए विज्ञापनदाताओं को बहुत बहुत धन्यवाद है। नियमित विज्ञापन देने के लिए शुभ लक्ष्मी क्रेन एण्ड इंजीनियर्स, कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट, सीएमटी आर्ट्स इण्डिया प्रा.लि., राज ब्लॉक प्रिन्टर्स, टीम चेतन धून्धारिया आदि को विशेष रूप से धन्यवाद। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आशा करता हैं कि इनका सहयोग इसी प्रकार से मिलता रहेगा। प्रकाशन में बहुत ध्यान रखने के बावजूद अशुद्धियां रह जाती है किसी लेख विशेष के कारण भी कभी किसी को असहमति हो सकती है किंतु हमारी भावनाएं किसी भी प्रकार से किसी व्यक्ति को ठेस पहुंचाने की नहीं है। आशा करते हैं कि आपका प्यार व सहयोग इसी प्रकार हमें मिलता रहेगा। **जय हिन्द!**

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

कुमावत प्रगति ट्रस्ट (रजि.)

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)
मुख्य संरक्षक

रमेश कुमावत (गेदर)
अध्यक्ष

रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट
उपाध्यक्ष

श्रीमती भारती तोंदवाल
सचिव

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
कोषाध्यक्ष

सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)
ट्रस्टी एवं प्रकाशक

हेमचन्द खड़गटा
ट्रस्टी

मनोज सिरस्वा
ट्रस्टी

रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)
ट्रस्टी एवं सम्पादक

जयकिशन सोकिल
ट्रस्टी

चेतन बालोदिया
ट्रस्टी

गिरधारी लाल सिंघनवाल
सलाहकार

कुमावत प्रगति ट्रस्ट (रजि.)

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार के सम्पादक मण्डल एवं व्यवस्थापक मण्डल सदस्य

जयसिंह गुड़ीवाल
सह-सम्पादक

गौरव अजमेरा

प्रमोद कुण्डलवाल

मनीष कुमावत

खेमचंद खड़गटा

महेश चन्द जलान्धरा

लालचन्द धुंधारिया

सुरेन्द्र मारोठिया

राजेश धुंधारिया

राजेश कुमावत (मरोडिया)

श्रीमती राजबाला बिर्थला

प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़

अशोक कुमावत

श्रीमती शशि कला बालोदिया।

मुकेश कारगवाल

Subhkaran G. Kirodiwal
Mob. : 9898097444

Ashutosh S. Kirodiwal
8758021222

GENIUS INTERNATIONAL
AMBICA DEVELOPERS
GENIUS TEXTILES
901 to 906, 9th Floor, Opp. Shivanjali Row House Patel Wadi No. 3, Lal Darwaja, Surat-395004

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

Global Earth Engineering Services Pvt. Ltd

Vinod kumar
Director

- Land Survey, CAD Designing
- Total Station Survey
- DGPS & GIS Survey
- Drone & LiDAR Survey
- Topographical and Contour Survey
- Bathymetry Survey
- Quantity Calculation
- Preparation of Estimates
- Building Planning

Manoj Kumawat
Managing Director

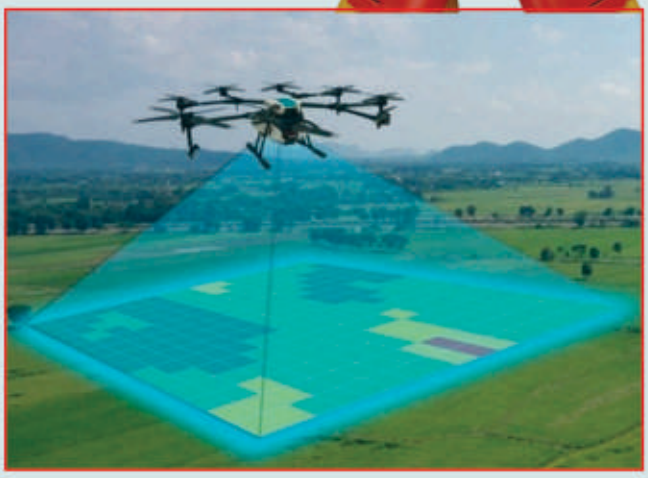

201, Sanjay Tower, Behind Laxmi Mandir, Tonk Road, Jaipur, Raj – 302015
Email :globalearthjaipur@gmail.com
M. 91-9784606761, 9636345567, 0141-4916870

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारी लाड़ली

कु. खुशी कुमावत (मारवाल)

सुपुत्री डॉ. हेमा एवं नरेश कुमावत

(डेंटल सर्जन) (एसडीई BSNL)

को CBSE 12वीं बोर्ड में 94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष,
हार्दिक बधाई
एवं
उत्तरोत्तर प्रगति की
मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

दादा-दादाजी : रुपचंद कुमावत-पार्वती देवी

नाना-नानी जी : डॉ. आर.एल. वर्मा-मनोहर देवी

बड़े पापा-बड़ी मम्मी : महेश चंद कुमावत-शालिनी

ताऊ-ताई जी : गीतेश कुमावत-हर्षा

भाई : हिरेन, कनिष्क, तनिष्क , बहिन : निशी, कृषा एवं समस्त मारवाल परिवार

कुमावत डेंटल हॉस्पिटल-9414400400

368, सूर्यनगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर (राज.)

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारी लाड़ली

कु. दिविता वर्मा

सुपुत्री मेघना एवं दिलीप वर्मा

को CBSE 10वीं बोर्ड में 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष,
हार्दिक बधाई
एवं
उत्तरोत्तर प्रगति की
मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

दादी-दादा जी : रजनी वर्मा-मेजर बीएल वर्मा

नानी-नाना जी : सुनीता- राम प्रकाश कुमावत

जलांधरा एवं मारवाल परिवार

DIVERSE WEB STRATEGY PVT. LTD.

B-1, Hawa Sadak, Civil Lines, Jaipur

Squaroid Constructions

A comlete unique construction Activity
Since 40 years
By Late Shri Suwa Lal Marothiya
(Thekedar Ji) Phulera Wale

Gopal Kumawat
9829158241
Sitaram Kumawat
9928314836

Ar. Satyam Kumawat
7737220731

Office :
51-A, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Res.:
44-B, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Email : gopalsquaroid@gmail.com | gopal.kumawat011968@gmail.com

'पद्मश्री' से अलंकृत कुमावत विभूतियां

स्व. श्री राम प्रकाश गहलोत (धनारिया)

जयपुर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट श्री राम प्रकाश गहलोत वर्ष 1948 से 1959 तक PWD दिल्ली के सीनियर आर्किटेक्ट रहे। आप द्वारा अत्यधिक कम समय में 'विज्ञान भवन' दिल्ली की ईमारत का बेहतरीन डिजाइन बनाने के लिए वर्ष 1957 में **भारत सरकार ने इन्हें 'पद्मश्री' से अलंकृत किया था।** श्री गहलोत वर्ष 1958 में युनेस्को हैडक्वाटर के उद्घाटन के अवसर पर भारत सरकार के प्रतिनिधि बना कर समारोह में भेजे गये। आपका स्वर्गवास सन् 1983 में हुआ।

स्व. पुरुषोत्तम दास कैकटिया, पखावज वादक नाथद्वारा (1907-1990)

इन्हें वर्ष **1984 में भारत सरकार ने पद्मश्री से अलंकृत** किया। इससे पूर्व आपको वर्ष 1971 में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी साहित्य कला परिषद, दिल्ली तथा राष्ट्रपति पुरस्कार 1979 से सम्मानित किया जा चुका था। आपने 25 वर्ष तक नाथद्वारा में भगवान 'श्रीनाथ जी' के मंदिर में पखावज वादन कर सेवा की। आपने वर्ष 1957 में गुणीजनों के आग्रह पर भारतीय कला केन्द्र दिल्ली में 'पखावज गुरु' का पदग्रहण किया व छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। देश-विदेश में 'पखावज वादन' कार्यक्रमों में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। आकाशवाणी एवं टेलीविजन पर अनेक कार्यक्रमों में पखावज वादन की प्रस्तुतियां दी। आपकी ताल और लय पर अनूठा नियंत्रण देखते ही बनता था।

श्री सूण्डा राम वर्मा, कृषि वैज्ञानिक

दांता (सीकर) के निवासी प्रगतिशील कृषक एवं वैज्ञानिक श्री सूण्डाराम वर्मा ने मरुस्थलीय क्षेत्र में एक लीटर पानी से पौधे उगाने की तकनीक विकसित कर 50 हजार पौध लगाये हैं। इनको 'जगजीवन राम किसान अवार्ड', 3 वर्ष में 7 फसलें लेने के लिए आदर्श फसल चक्र निर्माण के लिए दिया गया। आपने राजस्थान की 15 फसलों के 700 से अधिक देशी प्रजातियां एकत्र कर नेशनल जीन बैंक व कृषि विद्यालयों को 200-200 जनन द्रव्य देकर संरक्षित कराया। **वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा इन्हें 'पद्मश्री' से नवाजा गया था।**

राष्ट्रपति पुलिस पदक विजेता

रामनिवास चेजारा (खोरानिया)

पुलिस निरीक्षक को माननीय राष्ट्रपति की ओर से वर्ष 2018 में उत्कृष्ट, कर्तव्य परायणता एवं साहसिक सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। आप राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के निजी सुरक्षा अधिकारी के रूप में तैनात हैं। आपको उत्कृष्ट सेवाओं के फलस्वरूप गेलेन्ट्री पदोन्नति भी दी गई थी।

अरविन्द कुमार कुमावत

आप तिगरिया, तहसील चौमूं, जिला जयपुर के निवासी हैं। मानव तस्करी विरोधी यूनिट, जयपुर उत्तर में रहकर 909 बाल श्रमिकों को मुक्त कराने तथा नकली ग्रीस ऑयल फैक्ट्री पकड़ने के लिए गैलेन्ट्री पदोन्नति मिली तथा 15 अगस्त, 2019 को मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।

कमलेश कुमार वर्मा (बसवाल)

श्री कमलेश कुमार वर्मा द्वारा स्टेट क्राउम रिकॉर्ड्स ब्यूरो राजस्थान में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए वर्ष 2018 में माननीय राष्ट्रपति की ओर से राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया था।

राज्य प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

रामस्वरूप बासनीवाल

ग्राम गोकुलपुरा, कालख, जोबनेर, जयपुर के श्री रामस्वरूप बासनीवाल राजस्थान पुलिस की राज्य विशेष शाखा में सिपाही पद पर भर्ती हुए। इन्हें 10 वर्ष सवा पूर्ण करने पर उत्तम सेवा चिह्न से वर्ष 2010 में सम्मानित किया गया तथा वर्ष 2019 में अति उत्तम सेवा चिह्न, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर पुनः सम्मानित किया गया।

समाज के स्वतंत्रता सेनानी

भागीरथ कुमावत

इंदौर के होलकर राज्य की पैदल सेना में भागीरथ कुमावत भी सेवारत थे। वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ये विद्रोही सेना के साथ दिल्ली पहुंचे और मुगल सम्राट से भेंट की। मुगल सम्राट का भेजा एक खरीता लेकर जब वे इंदौर जा रहे थे तो अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ लिया तथा उन्हें फांसी दे दी गई।

स्व. चम्पालाल गोले

खरगोन के इस सरकारी शिक्षक ने नौकरी छोड़ स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। इन्होंने अपनी आठ बीघा जमीन भी विनोबा भावे के भूदान आन्दोलन में दान कर दी। ये स्वतंत्रता सेनानी विश्वनाथ सखाराम खोड़े, काशीनाथ त्रिवेदी एवं मुन्नालाल आर्य के निर्देशानुसार जेल के बाहर रहकर आन्दोलन को सक्रिय योगदान देते रहे।

स्व. शोभाराम जी कठुमरा, अलवर

गांधी जी के भारत छोड़ो आंदोलन 1942 में करो या मरो के आह्वान पर अपनी वकालत छोड़कर श्री शोभाराम स्वतंत्रता आन्दोलन में

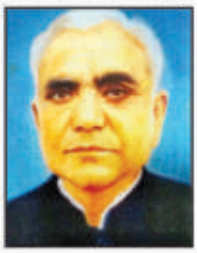

कुद पड़े। गांधीजी के द्वारा पूना में 21 दिन की भूख हड़ताल करने की घोषणा का पता लगने पर 8 दिन बाद शोभाराम जी ने 13 दिन तक भूख हड़ताल की। आपने मत्स्य प्रदेश में प्रजामण्डल का गठन किया तथा मत्स्य प्रदेश के प्रधानमंत्री बने।

आप सांसद बने तथा राजस्थान में केबिनेट मंत्री के पद पर अपनी सेवाएं दी। आपका महाप्रयाण 23 मार्च, 1984 को हृदयाघात के कारण हुआ।

चिरंजीलाल कठुमरा, अलवर

आप भारत छोड़ो आन्दोलन में 18 वर्ष की उम्र में अपनी पढ़ाई छोड़कर शामिल हो गए। आप क्रांतिकारी गतिविधियों से भी जुड़े रहे। आपको वर्ष 1942 में गिरफ्तार कर तीन वर्ष कठोर कारावास की सजा दी गई। आप वर्ष 1945 में रिहा हुए तथा महात्मा गांधी जब हरिजन बस्ती पंचकुई के पास ठहरे थे तो आपको एक माह तक उनके सानिध्य में रहने का सौभाग्य मिला।

प्रभुदयाल कठुमरा

आप शहीद भगतसिंह के निकट सहयोगी पं. भवानी सहाय शर्मा

के सम्पर्क में आए और क्रांतिकारी गतिविधियों में जुड़ गए। आप अलवर जिला विद्यार्थी कांग्रेस के उपाध्यक्ष के पद पर रहे। अंग्रेजी शासन के दमन और जागीरदारों के अत्याचारों से दु:खी होकर आप स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े। उत्तरदायी शासन की मांग को लेकर चले आन्दोलन में आपको पकड़कर जेल भेज दिया गया। परन्तु माफी नहीं मांगी।

कैलाश कुमावत खरनारिया, गुलाबपुरा (राजस्थान)

आपका जन्म बड़ नगर मध्य प्रदेश में हुआ। किन्तु आप अपने नाना श्री नन्दराम गैदर के गोद आ गए थे। आपने अपना कर्मक्षेत्र मेवाड़ को बनाया जहां माणिक्य लाल वर्मा, मोहनलाल सुखाड़िया तथा भवानी शंकर नन्दवाना के सम्पर्क में रहे। जागीरदारी प्रथा के विरोध में आपने सत्याग्रह किया तथा आप स्वतंत्रता आन्दोलन में जेल भी गए। वर्ष 1947 में आजादी के बाद आप दक्षिण भारत के वेल्लोर चले जहां आपने एक रेस्टोरेन्ट एवं होटल व्यवसाय चलाया। आपके सुपुत्र श्री सतीश कुमावत जयपुर में होटल कंचनदीप तथा कंचन केसरी रिसोर्ट के संचालक हैं।

सेवाराम कुमावत, जोबनेर

आपका जन्म श्री नानूराम जी कुमावत दम्बीवाल कृषक जोबनेर के यहां हुआ। आप जोबनेर से जयपुर आ गए तथा अंग्रेजों तथा जागीरदारों के अत्याचारों से दु:खी होकर स्वतंत्रता आन्दोलन तथा प्रजामण्डल आन्दोलन में सम्मिलित हुए। वर्ष 1942 में आप भारत छोड़ों आन्दोलन में अंग्रेजों के द्वारा पकड़े गए तथा उन्होंने आपके शरीर पर अनेक स्थाई चोंटे दीं किन्तु आप अपने लक्ष्य पर अडिग रहे।

श्री हरिसिंह आर्य, जयपुर

आपकी शिक्षा-दिक्षा आर्य समाज अजमेर के दयानन्द आश्रम में हुई। सन् 1936 में हैदराबाद के निजाम के अत्याचारों का विरोध करने के लिए आप हैदराबाद गए तथा सत्याग्रह किया। जहां आपको गिरफ्तार किया गया। आप 'वन्दे मातरम' का नारा लगाते रहे तथा निजाम के सामने नहीं झुके। आपको गिरफ्तार कर काल

कोठरी में डालकर बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया गया। जिसके विरोध में आपने आमरण अनशन प्रारम्भ कर दिया। आखिर निजाम एव अंग्रेज झुके और इन्हें रिहा कर अस्पताल में भर्ती कराया। आपको 1951 में स्वर्गवास हो गया। वर्ष 1957 भारत में के राष्ट्रपति द्वारा आपको स्वतंत्रता सेनानी का सम्मान व पेंशन दी गई।

कँवरलाल 'जीवन'

आपका जन्म बड़ा नया गांव बूंदी में हुआ। आप मेघावी छात्र थे परन्तु राजनीति में रूझान के कारण बीच में ही अपनी शिक्षा अधूरी छोड़ दी। वर्ष 1932 में मित्र मण्डल की स्थापना की। जिसका उद्देश्य था अंग्रेजों से भारत को आजाद कराना। आप महात्मा गांधी से प्रेरित थे। प्रजामण्डल आन्दोलन से जुड़े व इसमें प्रभात फेरियां निकालना तथा लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। वर्ष 1945 में कानून तोड़ने पर 7 दिन जेल की यातना सही। इन्होंने स्वतंत्रता सेनानी को देय पेंशन को लेने से इनकार कर दिया।

शिवाजी राव माधवराव

सातारकर (मालवाल), पूणे

आप जमनालाल बजाज, सरोजनी नायडू तथा सी.वी. पाटिल के नेतृत्व में वर्ष 1930 में दांडी मार्च में महात्मा गांधी के साथ नमक सत्याग्रह में कुद पड़े। घरसाना में हुए लाठीचार्ज के कारण इनके शरीर पद 25 जगह चोट आई, एक आंख खत्म हो गई तथा हाथ की हथेली की हड्डियां टूट गई। इन्हें कपड़े उतरवाकर तीन बार नमक के पानी में डुबोकर यातनाएं दी गई। किन्तु ये टस से मस नहीं हुए। अस्पताल में भर्ती कराएं गए जहां स्वयं महात्मा गांधी ने आकर उन्हें सांत्वना दी। ठीक होने पर ये पुन: आन्दोलन में कुद पड़े।

कन्हैयालाल जलान्धरा

अंग्रेजों भारत छोड़ों आन्दोलन 1942 में आप नाथद्वारा के 56 स्वतंत्रता सेनानियों के साथ तीन महीने राजनगर जेल में रहे जहां इन्हें कष्टमय व असहनीय यातनाएं दी गई।

सीतारामजी कामे

आप बिल्डिंग कान्ट्रेक्टर थे। आर्य समाज की प्रेरणा से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और हैदराबाद मुक्ति संग्राम में सम्मिलित हुए। 1942 में इन्हें छह मास औरंगाबाद के कारावास में भुगतना पड़ा।

श्री दत्तात्रेय सखाराम नाईक, पुणे

वर्ष 1942 में पीडब्ल्यूडी की नौकरी करते हुए अपनी नियुक्ति येरवड़ा जेल में गवंडी का काम करने की लगवा ली क्योंकि वहां आजादी के वीर सिपाही बन्द थे। उनको दी जाने वाली यातनाओं की खबर उनके परिवारों को श्री नाईक ही दिया करते थे। ये कैदियों की चिट्टी पत्रियों का आदान-प्रदान गोपनीय रूप से करते रहे।

श्री शाहू पंढरीनाथ नाईक

सन् 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के समय 16 वर्ष की उम्र में स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। ये आगे रहकर 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा लगाते थे। पुलिस की घेराबन्दी तोड़कर तिरंगा लहराने का साहस किया। इन्हें पकड़ लिया गया किन्तु उम्र छोटी होने के कारण छोड़ दिया गया किन्तु आजाद होने तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े रहे।

स्व. श्री कस्तूरचंद वर्मा, नीमिवाल

सवाईमाधोपुर से आपने पढ़ाई कर पुस्तक बेचने का व्यवसाय किया। समाज सेवा एवं संघर्ष की भावना के कारण आप 1939 में स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े। आपने जागीरदारी प्रथा, जबरन लगान वसूली, बेगार व अत्याचारों का विरोध करते हुए प्रजा सरकार की मांग की। वर्ष 1939 में सवाई माधोपुर में पहला जुलूस निकाला, लाठीचार्ज हुआ ये तिरंगा लिये आगे चल रहे थे। इन्हें गिरफ्तार कर चार महीने की सजा दी तथा जेल में अनेक यातनाएं दी।

सरस्वतीबाई माधवराज सातारकर

मालवाल पूणे की **प्रथम स्वतंत्रता सेनानी** थी। वर्ष 1942 में स्वतंत्रता संग्राम में जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानियों को घर से खाना मंगवाने की अनुमति थी। इसकी जिम्मेदारी स्व. सरस्वतीबाई द्वारा उठाई गई। ये कैदियों को खाना पहुंचाती थी। इनका विशेष काम यह था कि रोटी की परत के अन्दर स्वतंत्रता सेनानियों के महत्वपूर्ण संदेशों को छिपाकर पहुंचाना। इनके पुत्र संभाजीराव अण्डे की टोकरी में कुछ अण्डे साफ करके उनमें नेताओं के महत्वपूर्ण संदेश रख देते थे। अण्डे बेचने के बहाने वे इन्हें भूमिगत स्वतंत्रता सेनानियों को पहुंचा देती थी। इनके कुछ पत्र पकड़े गए तो इन्हें जेल की सजा भुगतनी पड़ी।

श्रीमती विठाबाई बागोरे

नान्दगांव के स्व. श्री महादू हिरामण बागोरे कुमावत अपने जीवनकाल में स्वतंत्रता सेनानी थे। इनकी पत्नी इनके साथ आजादी के संघर्ष में बराबर सहयोग करती थी एवं अपने पति का मनोबल बढ़ाती थी।

अन्य स्वतंत्रता सेनानी

- स्व. त्र्यम्बकबराव माधवराव सातारकर (महाराष्ट्र)
- स्व. श्रीमती दुर्गाबाई शिवाजीराव मालवाल (महाराष्ट्र)
- स्व. नेमीनाथ ग्यानवा-पुणे (महाराष्ट्र)
- स्व. शाहू पंढरीनाथ-मुम्बई (महाराष्ट्र)
- स्व. एकनाथ किशन कुमावत अनावड़े-चालीसगांव (महाराष्ट्र)
- स्व. लखानाथू कुमावत कारवाल-नन्दगांव (महाराष्ट्र)
- स्व. आशाराम पांडुरंग कुमावत-गंगापुर (महाराष्ट्र)
- स्व. मुरलीधर काशीनाथ कुमावत-गंगापुर (महाराष्ट्र)
- स्व. पंढरीनाथ आत्माराम कुमावत-गंगापुर (महाराष्ट्र)
- स्व. प्रहलाद गणपत अनावड़े कंधार (नांदेड़) (महाराष्ट्र)
- स्व. लक्ष्मण सिंह बोहरा, सिहोर, म.प्र.
- स्व. सन्तराम तुकाराम कारवाल ताखड़े (नांदेड़)(महाराष्ट्र)
- स्व. चौथमल गैदर करनोस (अजमेर)(राजस्थान)

समाज के शहीद

शहीद अजय कुमावत

जाखल गांव, गुढ़ा गौड़जी, नवलगढ़, झुंझुनूं निवासी वर्ष 2020 में लेह लद्दाख में ग्लेशियर पर चढ़ाई के दौरान खराब मौसम के कारण शहीद हो गये थे।

शहीद महेश कुमार कुमावत

आप साईवाड़, शाहपुरा, जयपुर के निवासी हैं तथा बचपन से ही वीरता एवं संघर्ष के गुणों से परिपूर्ण थे एवं देश सेवा का जज्बा था। वर्ष 1987 में भारतीय सीमा सुरक्षा बल की सेवा में आए तथा गुजरात, राजस्थान, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर में सेवाएं देते हुए हैडकांस्टेबल पद पर पदोन्नत हुए। 13 मार्च, 2003 को त्रिपुरा में महारानी चेहरा प्रान्त में उग्रवादियों से लोहा लेते हुए अदम्य साहस, वीरता एवं शौर्य का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

शहीद सीताराम कुमावत

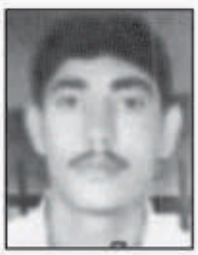

पलसाना, सीकर के सीताराम कुमावत बास्केटबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी होने के नाते आपका चयन खेल कोटे से सेना में वर्ष 1993 में हुआ। कारगिल युद्ध के दौरान आप 18 ग्रेनेडियर की टीम में द्रास सेक्टर में अदम्य साहस व शौर्य का परिचय देते हुए दुश्मन की तीन चौकियों को तबाह करते हुए आगे बढ़े किन्तु पलसाना का यह सपूत उस समय वीरगति को प्राप्त हुआ।

शहीद भँवरसिंह कुमावत
51 साल बाद प्रतिमा अनावरण

श्री भँवरसिह मात्र 18 वर्ष की आयु में 17 सितम्बर 1965 को राष्ट्रीय सुरक्षा की भावना से ओतप्रोत होकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भारतीय सेना की उसी 7th राजपुताना राइफल्स की यूनिट हिस्सा बने।

इन्होंने भारत पाक युद्ध 1971 में अपने अदम्य साहस का परिचय दिया तथा 31 अक्टूबर 1971 को वे वीरगति को प्राप्त हुए।

6 जुलाई 2022 को ग्रामवासियों की उपस्थिति में हॉस्पिटल चोराहा के पास इनकी मूर्ति का अनावरण माननीय प्रेम सिंह जी बाजोर के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

संजय छापोला शहीद

चुरू जिले की तारानगर तहसील के गांव देवगढ़ निवासी, समाज की शान बीएसएफ जवान संजय छापोला भारत माता की रक्षा करते हुये वर्ष 2021 में शहीद हो गये।

लोकेश कुमावत शहीद

रतलाम के लोकेश कुमावत सेना की इम्फाल यूनिट में थे। ये वर्ष 2021 में मातृभूमि की सेवा करते हुए शहीद हुए हैं।

मैं जला हुआ राख नहीं, अमर दीप हूँ
जो मिट गया वतन पर, मैं वो शहीद हूँ
जय हिन्द जय भारत

भारतीय सेना में कुमावत

मेजर जनरल जितेन्द्र कुमार मारवाल

आप द्वारा चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पूना में ट्रेनिंग के लिए गए तथा भारतीय रक्षा अकादमी देहरादून में सैकण्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर वर्ष 1981 में सम्मिलित हुए। श्रीलंका शांति सेना, जम्मू-कश्मीर तथा सेना मुख्यालय आदि में आप पदस्थापित रहकर उत्कर्ष्ट सेवाएं दी। इस कारण आपको विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किया गया। आप सेना मुख्यालय से अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल रिक्रूटिंग के पद से जुलाई 2018 में सेवानिवृत्त हुए। आपका एक पुत्र **अभिनव मारवाल सेना में मेजर के पद पर सेवाएं दे रहे हैं।**

कर्नल चन्द्र प्रकाश वर्मा खरनारिया

आप वर्ष 1966 में आर्मी में चयनित हुए और चेन्नई में ट्रेनिंग कर वर्ष 1967 में ऑफिसर बने। आप भारत में अनेक महत्वपूर्ण सेना क्षेत्रों में पदस्थापित रहे। आप वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में शकरगढ़ में पाकिस्तानी भीषण बमबारी के दौरान अपने अदम्य साहस एवं शौर्य का परिचय देकर अपने कर्तव्य को अंजमा दिया। आप 30 सितम्बर 1998 में सेना की 32 साल नौकरी कर 1998 में सेवानिवृत्त हुए इस दौरान सराहनीय सेवाओं के लिए आपको 9 मेडल भी मिले। आप स्व. श्री नवरत्न वर्मा RAS के पुत्र हैं।

कर्नल विकास कुमावत

ग्राम मारोठ, नावां, जिला नागौर के विकास कुमावत सेना में कर्नल पद पर हैं। आप भारत-चीन सीमा (LAC) पर तैनान रहे हैं। आपके पिता श्री भागचन्द कुमावत सेना से सेवानिवृत्त हैं तथा **छोटे भाई वैभव कुमावत भारतीय थल सेना में सेवारत हैं।**

श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत,

सीनियर नॉन कमीशंड ऑफिसर

आप पचार जिला सीकर के हैं। आप एयर फोर्स में 15 वर्ष सेवा करने के बाद 1994 में सीनियर नॉन कमीशंड ऑफिसर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। वर्ष 1996 में राजस्थान राज्य विद्युत मंडल में जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्त हुए तथा 25 साल बाद जयपुर डिस्कॉम से सहायक अभियंता पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। आपमें संगठन व नेतृत्व के विशेष गुण है। आप विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए हैं जिनमें 1. एयर फोर्स एसोसिएशन, राजस्थान के संस्थापक अध्यक्ष, 2. पचार एकता मंच जयपुर के अध्यक्ष, 3. पावर सेक्टर्स कुमावत के संयोजक, 4. जयपुर डिस्कॉम इंजीनियर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं।

श्री राजकुमार फौजी

श्री राजकुमार कुमावत ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) एवं RAF में 21 वर्ष सेवाएं दी हैं। वर्ष 1988 में आपने CRPF ज्वाइन की तथा पंजाब, नागालैण्ड, आसाम, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश व कश्मीर में आतंकवाद व नस्लवाद के खात्मे के लिए आपने सराहनीय सेवाएं की, इस कारण आपको RAF दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन व जन्तर मंतर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर ड्यूटी देने का अवसर मिला। आप CRPF से वर्ष 2009 में हैड कांस्टेबल के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात् आप समाजसेवा की ओर अग्रसर हुए। आप जगदम्बा नवयुवक मण्डल के संयोजक हैं, शिव बालाजी गौसेवा समिति नागौर के जिला संरक्षक एवं राजस्थान युवा शक्ति समाज से सम्बन्ध है।

लेफ्टीनेंट प्रयास

पाली क्षेत्र के सांडेराव गांव के श्री प्रयास पुत्र श्री घीसूलाल ओटाजी मालवीया कुमावत भारतीय सेना में लेफ्टीनेंट के पद पर थल सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

स्व. श्री रामेश्वर बासनीवाल

आप जोबनेर के पास कालख के रहने वाले थे। आप इण्डियन एयर फोर्स में इंजन ट्रेड में वारंट ऑफिसर के पद पर रहे। अपने सेवाकाल में आप चेरापुंजी, रांची, चेन्नई, चण्डीगढ़, बैंगलोर, आगरा, बागडोगरा, जामनगर, बीदर आदि स्थानों पर रहे। इसके बाद आपने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली तथा सामाजिक कार्यों में समर्पित हो गए। आपका 11 मई, 2011 को निधन हो गया।

समाज के शिक्षक

श्री बसन्तीलाल वोरा

श्री बसन्तीलाल वोरा निवासी उदयपुर की शिक्षक के रूप में नियुक्ति वर्ष 1923 में सहरयार सरकारी हाई स्कूल, सिहोर (मध्य प्रदेश) में हुई। जहां सेवानिवृत्ति वर्ष 1960 तक निरन्तर एक ही स्कूल में अपनी सेवाएं दी। ये ड्राईंग तथा एनाडामी एवं फिजियोलॉजी विषय के शिक्षक थे। इन्हें फोटोग्राफी का शौक था तथा इन्होंने प्रमुख हस्तियों तथा प्रबुद्ध समाजजनों के छायाचित्र खिंचें थे। इसके साथ ही वे आयुर्वेद के ज्ञाता थे तथा अनेक जटिल रोगियों का ईलाज इनके द्वारा किया गया। माननीय राज्यपाल मध्य प्रदेश द्वारा इन्हें योग्य शिक्षक के लिए सम्मानित भी किया था। सेवानिवृत्ति के बाद आप उदयपुर आकर रहने लगे तथा सामाजिक सेवा में जीवन पर्यन्त लगे रहे।

स्व.प्रो. बी.एल. लूनिया

आप प्रसिद्ध इतिहासविद् रहे हैं। आप द्वारा इतिहास पर लिखी 18 पुस्तकें विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित है। आप होलकर महाविद्यालय, इन्दौर के प्राचार्य रहे हैं। एक अच्छे शिक्षक व इतिहासकार के रूप में विख्यात लूनिया जी का कुमावत समाज ही नहीं अपितु सर्वसमाज आदर करता था। इनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थाएं- मालव शिक्षा मण्डल तथा मालवय शिक्षा विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय आदि इन्दौर में आज भी शिक्षा प्रदान कर रही है।

स्व. श्री श्यामलाल वर्मा

श्री श्यामलाल वर्मा ने उदयपुर में आलोक स्कूल की स्थापना की जो शिक्षण क्षेत्र में प्रतिष्ठित विद्यालय है। आपने गरीब व योग्य बच्चों के जीवन को संवारकर एक सच्चे शिक्षक का कार्य किया था। वर्ष 1984 में माननीय राष्ट्रपति ज्ञानी जेल सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार देकर के सम्मानित किया। आलोक शिक्षण संस्थान राजस्थान के 20 श्रेष्ठ विद्यालयों में चयनित किया गया। उदयपुर में एक शिक्षक के रूप में आपको सदैव याद किया जाएगा।

स्व. श्री श्रीराम वर्मा, दिल्ली

आप मैकेनिकल इंजीनियर थे तथा तकनीकी शिक्षण संस्थान दिल्ली

में अध्यापन का कार्य किया। आप विश्व हिन्दू परिषद में सक्रिय रहकर सेवा भारती में शिक्षण केन्द्र का सफल संचालन किया। आप अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहे। वर्ष 1979 तथा 2005 में महासभा का दिल्ली में विशाल सम्मेलन आयोजित करवाया। उन्हें दिल्ली क्षेत्र में कुमावत जाति को राजकुमार के नाम से प्रचलित करने का श्रेय है। 24 सितम्बर, 2019 को आपका निधन हो गया।

स्व. श्री पूरणचन्द कुमावत

जयपुर शहर के जाने माने शिक्षाविद् पूरण चन्द कुमावत का गत दिनों निधन हो गया। कुमावत अनेक शिक्षा संस्थाओं के संस्थापक और पदाधिकारी रहे हैं जिनमें स्वामी विवेकानन्द बालिका सीनियर माध्यमिक विद्यालय, रोशनलाल बालिका सीनियर माध्यमिक विद्यालय, विवेकानन्द बाल विद्यालय, लाईसीएम विद्यापीठ सीनियर माध्यमिक विद्यालय आदि हैं। इनके पुत्र अरुण कुमावत प्रदेश कांग्रेस एवं सुनील कुमावत बीजेपी में प्रदेश स्तर के पदाधिकारी हैं।

श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल

आप उदयपुर निवासी हैं, वर्ष 1972 में 13 विद्यार्थियों के साथ ज्योति बाल विद्यालय की स्थापना की यह पौधा अब वटवृक्ष की तरह बड़ा हो गया है, इसमें 5 विद्यालय, एस.टी.सी. विद्यालय तथा बी.एड. महाविद्यालय संचालित हो रहे हैं। ज्योति शिक्षण संस्थान में 2800 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। ज्योति उच्च माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान, कला तथा वाणिज्य वर्ग में अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम में पढ़ाया जाता है तथा रिजल्ट 100 प्रतिशत रहता है। ज्योति पब्लिक स्कूल, ज्योति बी.एड. कॉलेज व ज्योति एस.टी.सी. कॉलेज की स्थापना कर शिक्षक प्रशिक्षण में स्वच्छ छवि बनाई है। 27नवम्बर, 2022 को संस्था के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती कार्यक्रम मनाया जाएगा। आप प्रमुख समाजसेवी हैं तथा कुमावत इंडिया पत्रिका के सलाहकार भी है।

श्री मूलचन्द वर्मा घोड़ेला (फुलेरा वाले)

बहुमुखी प्रतिभा एवं विलक्षण व्यक्तित्व के धनी श्री मूलचन्द जी वर्मा का लगभग 65 वर्ष पूर्व स्व. श्री जीवणराम जी घोड़ेला माता श्रीमती चारोली देवी के परिवार में, ढाणी नागान, फुलेरा में जन्म

हुआ। पिताजी भवन निर्माण के निपूर्ण मिस्त्री थे।

ये अल्प पारिश्रमिक में समाज के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा देते थे। इन्होंने सचिवालय में लिपिक पद से सेवा प्रारम्भ की तथा शासन उपसचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। नौकरी करते हुए आप आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवार के बच्चों को पढ़ाते रहे। आपके पढ़ाये हुए छात्र डाक्टर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, एम.बी.ए. आदि डिग्री लेकर देश विदेश में अच्छे पैकेज में नौकरी कर रहे हैं।

डॉ. सागरमल कुमावत

दांतारामगढ़ क्षेत्र पचार के डॉक्टर सागरमल कुमावत कृषि महाविद्यालय मंडावा (झुन्झुनू) में डीन के पद पर नियुक्त है। इससे पूर्व डॉ. कुमावत स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में आचार्य शल्य विज्ञान के पद पर कार्यरत थे।

डॉ. कुमावत पढ़ाई में सदैव अव्वल रहे हैं, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से इन्हें उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति भी दी गई थी। स्नातकोतर शिक्षा में डॉ. कुमावत ने गोल्ड मेडल हासिल किया था वहीं तहसील स्तरीय कुमावत समाज द्वारा डॉक्टर सागर मल कुमावत को समाजरत्न से भी नवाजा जा चुका है। प्रारम्भिक शिक्षा डॉ. कुमावत ने अपने पैतृक गांव पचार से ही प्राप्त की व उच्च शिक्षा जोबनेर उदयपुर से प्राप्त की। डॉ. कुमावत किसान पृष्ठभूमि से संबंध रखने के कारण हमेशा से ही कृषि शिक्षा में रूचि रखते रहे हैं।

श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)

आप 33 वर्ष तक अग्रवाल महाविद्यालय में शिक्षक रहे तथा प्रधानाचार्य भी बने। उस समय शिक्षा क्षेत्र में समाज के बहुत ही कम लोग थे। आप शिक्षण कार्य के साथ-साथ समाज सेवा में भी श्री नवरतन वर्मा RAS के साथ कार्य किया। वर्ष 1966 से लगभग 35 वर्ष तक समाज की पत्र-पत्रिकाओं का लेखन और प्रकाशन का कार्य किया। आप वर्तमान में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के संस्थापक ट्रस्टी तथा मुख्य संरक्षक हैं।

श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल)
MA, B Ed.

आप राजकीय विद्यालय में शिक्षिका है। आपको नगरपालिका, चाकसू, जयपुर द्वारा श्रेष्ठ शिक्षिका सम्मान से नवाजा गया है। आप कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर की उपाध्यक्ष है तथा कुमावत इंडिया पत्रिका की सचिव हैं। आपकी रुचि लेखन व मंच संचालन में रही है, जिसे आप खूबसूरती से सफलता पूर्वक निभाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

प्रोफेसर श्री बालकृष्ण कुमावत

आप वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे हैं। आपने 43 पुस्तकें लिखी हैं। रामचरित मानस एवं गीता पर आपका ज्ञान एवं उद्बोधन बड़ा ही अनुपम एवं मंत्र मुग्ध कर देने वाला होता है। आपने सेवानिवृत्ति के बाद धर्म एवं अध्यात्म पर 5 पुस्तकों अमृत निर्झर, अमृत गंगा, अमृत सागर, नीति मयूख लिखी जो अलौकिक मार्ग की ओर प्रशस्त करती हैं। आपके अनेक लेख राज्यों व राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। ओ.पी. नैयर ब्राण्ड टोपी पहनना इनकी विशिष्ट पहचान है।

19 नवम्बर, 1937 को एक छोटे से ग्राम मुंडाहेडा, तहसील देवास (बडीपाँती) जिला देवास, म.प्र. में हुआ। आपके जन्म तक आपके गांव में कोई भी व्यक्ति साक्षर नहीं था। एम.कॉम. के पश्चात् आप महाराजवाड़ा स्कूल में अध्यापक बने। फिर 1 दिसम्बर, 1961 को डिग्री कॉलेज, जावरा में व्याख्याता का पद सम्भाला।

सिंहस्थ महापर्व उज्जैन पर स्वामीजी महाराज ने आपको शिविर की व्यवस्था सौंपी जिसे आपने अपने मित्रों व साथियों से सहयोग लेकर सफल बनाया। जब उज्जैन में **'समन्वय परिवार'** की स्थापना की गई उसका बालकृष्ण जी को उपाध्यक्ष बनाया गया। 19 नवम्बर, 2012 को आपके जन्म के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव संयोजन समिति द्वारा **अमृत महोत्सव** मनाया गया जिसमें **'बालकृष्णोदय'** अभिनन्दन ग्रंथ आपको समर्पित किया गया। जो आपकी विद्वता का जीवन्त प्रमाण है।

स्व. श्री भौंरी लाल वर्मा (मास्टर जी)

आपका जन्म 14 सितम्बर, 1914 को श्री भोमाराम देवतवाल के साधारण कृषक परिवार में जयपुर में हुआ। इनके माता-पिता का देहावसान जल्द हो जाने से लालन-पालन दादा-दादी ने किया। मास्टरजी का बचपन कष्ट में व्यतीत हुआ तथा परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी।

वर्ष 1936 में हाई स्कूल परीक्षा वाणिज्य विषय में उत्तीर्ण की तथा उसी वर्ष लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में अध्यापक नियुक्त हुए, जहां आप लगभग 13 वर्ष रहे। अपने जीवन के अनुभवों से सीख कर गरीब छात्रों की मदद की व 'मास्टरजी' नाम से

पहचाने जाने लगे। मास्टरजी ने राजपूताना विश्वविद्यालय वर्तमान राजस्थान विश्वविद्यालय के नियम, उपनियम बनाए तथा उनमें संशोधन भी सार्थक रूप से करते रहे। उनसे कुलपति व कुलसचिव भी सलाह लेते थे। मास्टर जी 14 सितम्बर 1976 को सहायक कुलसचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवा के दौरान आपने अनेक समाज बंधुओं को विश्वविद्यालय में नौकरी पर लगाया था।

मास्टरजी ने वर्ष 1960 में बालनिवास, जयपुर के ट्रस्टियों से मिलकर बाहर से जयपुर आये छात्रों के लिए छात्रावास की स्थापना करायी जिसमें छात्रों की हर तरह से मदद की तथा अनेक होनहार छात्र यहां से निकले जिनका समाज में नाम हुआ। आपने अपने घर में 'श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय' तथा बाल निवास में 'बालजी घोड़ेला पुस्तकालय' स्थापित किया जिससे छात्र नि:शुल्क पुस्तकें लेकर उन्हें पढ़कर लौटा सकते थे। आप बाल निवास तथा सोडाला स्कूल में ट्रस्टी रहे। गरीब व जरूरतमंद छात्रों के प्रति उनके मन में सदैव मदद की इच्छा रहती थी।

मास्टरजी ने एक सच्चे गुरु के रूप में शांत व सुखद शैक्षणिक वातावरण दिया। आप सहृदय समाजसेवक, समर्पित एवं सरल स्वभाव के एक प्रगतिशील चिंतक के रूप में समग्र गुणों से भरपूर व्यक्ति थे। ऐसे कर्मयोगी एवं ऐसी विभूति से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ था। श्री भौंरीलाल देवतवाल का 24 सितम्बर, 1983 को निधन हो गया।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021 परमेश्वर प्रसाद कुमावत को

'राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2021' से श्री परमेश्वर प्रसाद कुमावत (निवासी मुकाम पोस्ट सांगरिया तहसील फुलिया कलां जिला भीलवाड़ा) को शिक्षा जगत में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री कुमावत को यह सम्मान उनके द्वारा विद्यालय के भौतिक विकास, श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, नामांकन वृद्धि, बच्चों में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं कोरोना जागरूकता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं स्वच्छ भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रदान किया गया। श्री कुमावत अच्छे मंच संचालक, कवि, लेखक एवं दिव्य प्रतिभा के धनी हैं । इनका व्यक्तिगत जीवन सहज, सरल, सेवा, समर्पण, संस्कार से परिपूर्ण है। आप एक अच्छे समाजसेवी भी हैं। संस्कृत भाषा के संवर्धन हेतु आप 'संस्कृत भारती' से जुड़कर कई शिविरों का सफल आयोजन कर चुके हैं।

श्रीमती लक्ष्मी कुमावत

ग्राम खरेड़ा, तहसील टोडारायसिंह, जिला टोंक निवासी श्रीमती लक्ष्मी कुमावत पत्नी श्री ओमप्रकाश मांडेला (कुमावत) वर्तमान में राजकीय सेवा में अध्यापिका पद पर कार्यरत हैं। आपने शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं। आपके द्वारा समाज में बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। आप सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाज सेवा में भी कार्यरत हैं। आपको शिक्षा जगत में राज्यपाल द्वारा दूसरी बार गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया है। आप शिक्षा के क्षेत्र में समाज के बच्चों के लिए नवीन संभावनाओं की तलाश में रहती हैं।

श्रीमती ललिता कुमावत अध्यापिका सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शिक्षा विभाग की ओर से 'राजस्थान शिक्षक सम्मान 2021' के तहत श्रीमती ललिता कुमावत को उपखंड अधिकारी लाडनूं श्री अनिल कुमार व उपखंड शिक्षा अधिकारी श्री रामनिवास घोटिया के कर कमलों द्वारा 5100 रुपए नगद व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आप योग के क्षेत्र में भी पूर्व में सम्मानित की जा चुकी हैं।

डॉ. सुनिता कुमावत

आप चित्रकला विषय की राजकीय स्कूल में व्याख्याता हैं। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से चित्रकला विषय में प्रथम श्रेणी से स्नातकोत्तर किया है। किसी भी व्यक्ति का हूबहू चित्र बनाने के साथ यर्थातवादी वस्तु चित्रण की दक्ष कलाकार हैं। कलेक्टर दौसा ने वर्ष 2019, 2020 व 2021 में मतदान दिवस पर कार्टून चित्रों के लिए सम्मानित किया गया। राजस्थान ललितकला अकादमी द्वारा 2018 में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने का प्रशस्ति पत्र दिया गया, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिला परिषद दौसा में वर्ष 2019 में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

पी.डी. कुमावत

आपको राज्य स्तरीय पुरस्कार से उपखण्ड स्तर समारोह में उपजिला कलक्टर द्वारा सम्मानित किया गया है। आप एक शिक्षक के रूप में सेवा देने के साथ-साथ स्काउट एवं गाइड के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं, आप राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित है। आप राज्य मंच संचालक के रूप में राजकीय समारोह तथा खाटूश्याम जी मेले में उत्कृष्ट कार्य करते रहे हैं। आप कुमावत समाज के सामाजिक समारोह में भी मंच संचालन करते रहे हैं।

समाज के राजनीतिज्ञ

श्री गोविन्द सिंह टांक

उदयपुर निवासी श्री गोविन्द सिंह टांक सार्वजनिक निर्माण विभाग से चीफ इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने अपने सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से सेवा की जिसके फलस्वरूप सेवानिवृत्ति के पश्चात आपको राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन (RPSC) के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। जहाँ आपने अभ्यार्थियों का चयन पारदर्शिता के साथ करके एक अलग छवि बनाई।

आपकी योग्यता, कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शी छवि व समाज सेवा के बल पर आप उदयपुर नगर निगम के महापौर पद पर निर्वाचित हुए। आप उदयपुर शहर का विकास तकनीकी आधार पर करते हुए स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का कार्य कर रहे हैं।

श्री नवरतन राजोरिया, एडवोकेट
(पूर्व विधायक, फुलेरा)

विद्यार्थी जीवन से ही नवरतन जी की रुचि सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में रहीं जिसके कारण छात्रसंघ चुनावों में भागीदारी की और विजय प्राप्त कर अपनी पहचान बनाई।

1990 में आप कुमावत क्षत्रिय सभा जयपुर के महामंत्री व अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। 1992 में कानून एवं संगठन मंत्री निर्वाचित हुए ततपश्चात् वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुख्य परामर्शदाता जैसे पदों पर कार्य निर्वाह किया।

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में फुलेरा विधानसभा से 1993, 1997 के उपचुनाव और 1998 के विधानसभा चुनाव में भी अपना भाग्य आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी ओबीसी प्रकोष्ठ राजस्थान के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला और प्रदेश ही नहीं देश भर में अपनी पहचान बनाई। **2003 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में आपने कद्दावर जाट नेता डॉ. हरि सिंह को करारी शिकस्त देकर राजस्थान विधानसभा में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।**

सक्रिय राजनीति में रहते हुए भी नवरतन जी ने सामाजिक कार्य नहीं छोड़ा और कुमावत समाज को जोड़ने और आगे बढ़ाने का कार्य करते रहे।

चेतन कुमावत धुंधारिया

आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से बी.कॉम की शिक्षा ग्रहण की। आप बचपन से ही दयालु, सेवाभावी व मेहनती है। आपकी पत्नी श्रीमती रेणु कुमावत राज्यसेवा में शिक्षिका हैं। आपका पुत्र तनुज कुमावत एम.बी.ए में अध्ययनरत है। जब आप 9 वर्ष के थे, आपके पिताजी के स्वर्गवास हो गया और परिवार की समस्त जिम्मेदारी आपके कंधे पर आ गई। आपने पारिवारिक जिम्मेदारियाँ पूर्ण की। आप **सी.के. हैण्डीक्राफ्ट** के नाम से हैण्डीक्राफ्ट का व्यवसाय कर रहे हैं। आप श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, (रजि.), जयपुर तथा कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जन मंगल सेवा ट्रस्ट, (रजि.) जयपुर के उपाध्यक्ष है।

आप संपूर्ण राजस्थान में अपनी विशिष्ठ छवि बना चुके हैं। आप द्वारा पंच, सरपंच, उप सरपंच तथा नगर निगम चुनावों में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में दिन रात मेहनत कर प्रत्याशियों की जीत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आप **भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष है।** भाजपा ने जो दायित्व आपको सौंपा है आप उसे पूर्ण करने का सतत प्रयास कर रहे हैं।

विमल कुमावत

भाजपा जयपुर शहर के उपाध्यक्ष तथा पूर्व उपमहापौर श्री विमल कुमावत पिछले 30 वर्षों से सक्रिय रूप से राजनीति एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजिस्टर्ड के आप मुख्य सलाहकार हैं। आपकी सादगी और संगठित शक्ति का अनेक स्थानों पर आपने परिचय दिया है। आप सौम्य व्यवहार के धनी हैं।

सुनील कुमावत

आप प्रदेश भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के सह-संयोजक हैं। आप पिछले 25 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता रहे हैं। इस दौरान पार्टी में अनेक पदों को सुशोभित किया है।

सी.पी. कुमावत

जयपुर के एक युवा एवं जुझारू तथा सेवाभावी कांग्रेसी नेता हैं, लालकोठी क्षेत्र से पार्षद प्रत्याशी

रहे हैं। राज्य सरकार ने आपको राजकीय ललितकला महाविद्यालय समिति, जयपुर का सदस्य मनोनीत किया है।

युधिष्ठिर कुमावत

आपने छात्र राजनीति से ही अपने राजनीतिक करियर को शुरू किया। वर्ष 1979 में अध्यक्ष तथा वर्ष 1980 में विश्वविद्यालय छात्रसंघ महासचिव रहे। सक्रिय राजनीति में वर्ष 1987-88 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष बने। 1994 में 23 साल बाद हुए स्थानीय निकाय चुनाव में अहम भूमिका रही और उदयपुर में भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड बना। 1999 में पुन: भाजपा का बोर्ड बना और आप उदयपुर नगर पालिका सभापति निर्वाचित हुए। वर्ष 2004 तक सभापति रहते हुए प्रभावशाली तरीके से उदयपुर शहर में विकास के कार्य कराए। वर्ष 2010 से महासभा के एकीकरण के प्रयास में आपकी भूमिका अग्रणी रही। 27 मार्च, 2022 को अहमदाबाद में महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में महासभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कैलाश घोड़ावड़ , सूरत

आप लगातार तीन बार से भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा गुजरात के युवा प्रदेश अध्यक्ष हैं। आप मृदुभाषी हैं तथा सर्वसमाज के लोगों को एक साथ लेकर चलने की प्रवृति के हैं। भारतीय जनता पार्टी गुजरात के भाषाभाषी सेल के सदस्य है।

कैलाश कुमावत

ग्राम दहमीकलां, बगरू, जयपुर के निवासी पिछले 30-32 सालों से आपका परिवार कांग्रेस के प्रति निष्ठावान रहा है। आप सांगानेर पंचायत समिति के प्रधान रहे हैं। आपकी राजनीतिक सुझ-बूझ, मृदु स्वभाव एवं सबको साथ लेकर चलने की नीति के कारण युवा अवस्था में ही प्रधान जैसे महत्वूपर्ण पद को सुशोभित कर पाए हैं।

गोपाल कुमावत जिला अध्यक्ष बीजेपी, प्रतापगढ़

श्री गोपाल कुमावत एडवोकेट भारतीय जनता पार्टी ने प्रतापगढ़ (राजस्थान) के जिला अध्यक्ष है। आप वर्ष 1980 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े तथा खण्ड कार्यवाहक एवं विस्तारक भी बने। वर्ष 1992 में आपको भारतीय किसान संघ का जिला संगठन मंत्री बनाया गया। आप ग्राम अवलेश्वर के वर्ष 1995-2000 तक सरपंच रहे। भारतीय जनता पार्टी ने ग्रामीण मण्डल प्रतापगढ़ का वर्ष 2005 में अध्यक्ष बनाया।

श्री दिलीप चौधरी (कुमावत)

साँवेर जिला इंदौर मध्यप्रदेश के दिलीप चौधरी (कुमावत) साँवेर नगर युवक कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि रहे है। आप नगर परिषद साँवेर में एल्डरमैन के पद रहे। दूसरी बार फिर विधायक प्रतिनिधि बने। इसके बाद कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष बने, नगर परिषद अध्यक्ष बने तथा उज्जैन से सांसद प्रतिनिधि बने। आपको मध्यप्रदेश खाद्य आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष बनाया गया। इनकी पत्नी भी नगर परिषद अध्यक्ष बनी जिनके प्रतिनिधि के रुप मे इनका कार्यकाल बहुत अच्छा था। इसके साथ साथ ये मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी रहे। वर्तमान में ये मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम जी सिलावट व साँवेर विधायक के प्रतिनिधि और साँवेर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि है।

श्री राजेश कुमावत (धुंधारिया) नगर निगम जयपुर हेरिटेज पार्षद

श्री राजेश कुमावत जो फोटोग्राफी व्यवसाय करते हैं तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल का सदस्य है। आप द्वारा श्रीमती भंवरीदेवी चैरिटेबल सोसायटी का संचालन अनेक वर्षों से आपकी माताजी की स्मृति में कर रहे हैं जिसमें अब तक लगभग 12 बार रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन हो चुका है। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के वार्ड 48 से पार्षद हैं। साथ ही आप भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, उत्तरी-पूर्वी जोन जयपुर शहर के अध्यक्ष हैं।

राजेश कुमावत बालोदिया

आप जयपुर नगर निगम ग्रेटर वार्ड 142 से निर्दलीय पार्षद हैं तथा कांग्रेस से आपको समर्थन प्राप्त था। आप कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर, जयपुर में भी सक्रिय रहकर समाजसेवा का कार्य किया है। आप सरल स्वभाव के धनी हैं।

कपिला कुमावत

आप श्री विजय पाल मारवाल संस्थापक ढूंढाड परिषद की पत्नी हैं तथा वार्ड 59 जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) से भाजपा पार्षद हैं। आप स्नातकोत्तर तक शिक्षित महिला हैं तथा अपने वार्ड के लोगों की सेवा में तत्पर रहती हैं।

जयपुर की निर्माण कला में समाज उस्तकारों का योगदान

(पूर्व इतिहास के पन्नों में आपका नाम गुम हो गया क्षमा प्रार्थी)

स्व. श्री जगन्नाथ जी तांगड़ा (मिस्त्री)

आप पीडब्ल्यूडी में मिस्त्री रहते हुए मेडिकल कॉलेज जयपुर, स्टेच्यू सर्किल का निर्माण, दिल्ली का पार्लियामेंट हाउस आदि का काम आपकी देखरेख में हुआ।

स्व. रोड़ जी खड़गटा (मिस्त्री)

रोड़ जी खड़गटा पुत्र स्व. श्री त्रिलोक जी सरकारी मिस्त्री की देखरेख में लेडी मिलटन हॉस्पिटल जो आजकल जनाना हास्पिटल सांगानेरी गेट है आदि भव्य इमारतों का निर्माण इनकी देखरेख में हुआ।

स्व. श्योनारायण जी देवतवाल (मिस्त्री)

श्योनारायण जी देवतवाल पुत्र स्व. श्री गोपीराम जी संतोकबा दुलर्भजी हॉस्पिटल, जयपुर के फाउण्डर मिस्त्री थे। उन्हीं की देखरेख में इस अस्पताल का निर्माण हुआ। इसके बाद भी ये यहां पर जीवन पर्यन्त अपनी सेवाएं देते रहे।

स्व. श्री मिलाप चन्द खड़गटा (मिस्त्री)

श्री मिलाप चन्द खड़गटा पुत्र स्व. श्री ईश्वर लाल जी खड़गटा, जयपुर की देखरेख में मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज (एमएनआईटी) का निर्माण हुआ। आपकी देखरेख में रिफ्यूजियों के लिए 200 क्वार्टर्स (आदर्श नगर राजापार्क) का निर्माण भी हुआ था।

स्व . श्री सौभागमल खड़गटा (मिस्त्री)

श्री सौभागमल खड़गटा सुपुत्र स्व. श्री गुलाब चन्द जी मोती डूंगरी जयपुर आप राजस्थान विश्वविद्यालय के फाउण्डर मिस्त्री थे तथा आपकी देख-रेख में इस विश्वविद्यालय की इमारतों का निर्माण हुआ था।

स्व. श्री अर्जुन किशोर खण्डारिया (ठेकेदार)

ठेकेदार तो समाज में बहुत हुए हैं, परन्तु स्व. श्री अर्जुन किशोर

खण्डारिया (जयपुर) की बात कुछ और थी। अर्जुन किशोर जी का जन्म पिता श्री गणेश जी तथा माता श्री नारायणजी देवी के परिवार हथरोई, जयपुर में नवरात्री की छठ, अक्टूबर 1931 में हुआ। स्कूल की पढ़ाई मीडिल स्तर तक ही कर पाये और कारीगरी सीखकर PWD में मिस्त्री के पद पर कार्य किया। फिर सन् 1953 में 'C' क्लास में रजिस्ट्रेशन कराकर ठेकेदारी के कार्य में आ गये। इन्होंने 15-20 बड़ी-बड़ी सरकारी इमारतें बनाई। फिर 'A' क्लास में रजिस्ट्रेशन कराकर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में कार्य किया। यहां कारीगरों को स्वयं का कार्य देकर ठेकेदार बना दिया। इनमें कुछ नाम इस प्रकार है सर्वश्री मोहन लाल सिरस्वा, प्रभुनारायण देवतवाल, बुदरमल, जोधाराम सिरस्वा, जोबनेर के श्री चौथमल आदि-आदि। इनमें से चार ठेकेदार शक्ति नगर टोक रोड पर चार भव्य निवास बनाकर वर्षों से रहे हैं।

एक बार दिपावली पूर्व आपके वार्ड के कर्मचारियों को बोनस/रुपया नहीं दिया तो आपने अपने पास से रुपया देकर सहयोग किया।

सामाजिक योगदान : आप समाज में दानवीर कर्ण के रूप में जाने जाते हैं। समाज की दो धर्मशालाएं भन्दे बालाजी तथा डिग्गी धर्मशालाओं में अपने परिवार के नाम से 2 बड़े कमरे बनाये तथा अन्य ठेकेदारों से सहयोग दिलवाया। कुमावत स्कूल सोडाला में सबसे ज्यादा आर्थिक सहयोग किया। पुष्कर मन्दिर में पास की जमीन खरीदने के लिये स्व. श्री मालीराम वर्मा CA के निवास पर 15-20 हजार का नकद सहयोग दिया, श्री नवरतन राजोरिया को फुलेरा चुनाव में लाखों रुपए का नकद सहयोग किया।

श्री भींवाराम श्री पन्नालाल कुमावत

कुमावत समाज में 25-30 वर्ष से श्री भींवाराम व श्री पन्नालाल दोनों भाईयों ने भवन निर्माण ठेकेदारी में बड़ा नाम कमाया है साथ ही भामाशाह के रूप में समाज को सहयोग देने में भी पीछे नहीं रहे हैं।

दोनों भाईयों ने सन् 1981-82 में मैसर्स भींवाराम पन्नालाल कंस्ट्रक्शन कम्पनी बनाकर भवन निर्माण की ठेकेदारी का कार्य किया फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आपकी कम्पनी को

बहुमंजिला भवन एवं मल्टीप्लैक्स निर्माण में राजस्थान में विशेषज्ञता प्राप्त है। आपके द्वारा समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ अब तक सभी निर्माण कार्य पूरे किये गये हैं। वर्तमान में समाज के अनेक कारीगर, मजदूर, इंजीनियर आपके यहां कार्यरत हैं। आपका ऑफिस एलिमेंट मॉल, डीसीएम अजमेर रोड, जयपुर में है।

स्व. श्री मांगीलाल कच्छावा ठेकेदार, जयपुर

जयपुर के पुराने ठेकेदारों में सबसे ऊपर स्व. मांगीलाल जी ठेकेदार का नाम आता है। उन्होंने लिलीपूल रेजीडेंसी, महाराजा कॉलेज, महारानी कॉलेज, एम.जी.डी. स्कूल, एस.एम.एस. हॉस्पिटल, सूचना केन्द्र, रामबाग पैलेस जैसे भवनों का निर्माण कराया जो आज भी जस के तस हैं तथा जयपुर की शोभा बढ़ा रहे हैं। इनके द्वारा एन.बी.सी. फैक्ट्री, कमानी हाउस, मिलिट्री एरिया, सड़कें, पुल, बांध आदि का निर्माण कराकर कुमावत समाज का गौरव बढ़ाया था। **तत्कालीन महाराजा सवाई मानसिंह ने रामबाग पैलेस के निर्माण के लिए इन्हें सोने के कड़े व गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया था। इनको महाराज सवाई मानसिंह ने सेठ की उपाधि से नवाजा था।** अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की 1946 में पुष्कर सम्मेलन में स्थापना हुई तो वे इसके संस्थापक अध्यक्ष बनाये गये। सिविल लाइन्स में भगत वाटिका तथा एम.आई. रोड पर भगत भवन इनकी सम्पत्ति थे।

स्व. श्री भूरामल ठेकेदार (श्री माधोपुर व उदयपुर)

श्री माधोपुर, सीकर के श्री भूरामल जी घोड़ेला ठेकेदार प्रारम्भ में सांभर, खेतड़ी में तथा रेलवे का कार्य करते थे तथा धन के साथ यश भी कमाया। उन्होंने श्री माधोपुर में एक बगीची में शिव मंदिर बनवाया तथा एक गौशाला बनवायी। यहां 4-5 बीघा भूमि दानकर ब्रह्मचर्य बाबा का आश्रम बनवाया। इनकी बनाई स्वयं की एक सुन्दर हवेली श्री माधोपुर की शान थी। ब्रह्मचारी बाबा के आशीर्वाद से ये दक्षिण में उदयपुर चले गये वहां पर मीरा गर्ल्स कॉलेज, मावली और उदयपुर की रेल लाईन बिछाने का कार्य, रेलवे ट्रेनिंग स्कूल PWD की सड़के आदि का कार्य किया। यहां इनकी ठेकेदारी का कार्य बहुत चमका तथा तत्कालीन राजपरिवार से भी इनका सम्बन्ध रहा। समाज के अनेक लोगों को इन्होंने उदयपुर बुला लिया जहां उन्हें पहले मिस्त्री तथा बाद में ठेकेदारी का कार्य सौंपा।

विद्याधर मोरवाल बी.ई. (सिविल)

आप अंधेरी मुम्बई निवासी हैं। आपकी एक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी है जिसने अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्टस पूर्ण किए हैं। साथ ही आप सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। आप कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन, मुम्बई के अध्यक्ष हैं, भारत विकास परिषद जे.बी. नगर मुम्बई के सचिव रहे हैं तथा अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं के संदस्य हैं।

पुरस्कृत हस्तशिल्पकार

बाबूलाल सिरोहिया (पहलवान जी)

हस्तकला क्षेत्र के इस उम्दा शिल्पकार का जन्म भारत की आजादी 15 अगस्त 1947 के दिन हुआ था। आपने झोटवाड़ा जयपुर में हस्तकला सीखकर इस क्षेत्र में अलग पहचान बनाई। आपके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1985 में राज्यस्तरीय पुरस्कार, वर्ष 1991 में राष्ट्रपति पुरस्कार तथा वर्ष 1996 में बहरीन से हिन्द रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गिरधारीलाल कुमावत सिरोहिया

आपने 15 वर्ष की अल्प आयु में हाथि दांत पर हस्तकला करने का कार्य प्रारम्भ किया। आप रामायण, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, महात्मा गांधीतथा जवाहर लाल नेहरू की मुंह बोलती कलाकृतियां बनाने के माहिर कलाकार थे। इन्हें 45 वर्ष पूर्व राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

निडर बालिका देविका

26 नवम्बर, 2008 को मुम्बई आतंकी हमले के दोषी अजमल कसाब की पहचान कर कोर्ट में गवाही देने वाली 9 वर्षीया निडर बालिका, कुमावत समाज की **देविका** थी। जिसके पांव में गोली लगी थी। यद्यपि इससे अजमल कसाब को सजा हुई परन्तु आर्थिक व मानसिक वेदना देविका के परिवार को झेलनी पड़ी, स्कूल देविका को स्कूल में प्रवेश देने से डरने लगे, देविका के लिए अनेक सरकारी वादे किये पर ये पूरे नहीं हुए। एक बहादुर व निडर बालिका के परिवार को रहने व खाने के पर्याप्त साधन नहीं रहे। अल्प सरकारी आर्थिक मदद तो उसके इलाज में ही पूरी हो गई।

क्या सरकारी अनदेखी से फिर कोई आतंकियों व अपराधियों के खिलाफ गवाही देना चाहेगा ? यह हमारी सरकारों के लिए सोचनीय है।

समाज के आर्टिस्ट

डॉ. नाथूलाल वर्मा (केकट्या)

5 जून, 1946 में डॉ. नाथूलाल वर्मा का जन्म जयपुर के श्री फूलचन्द केकट्या के साधारण परिवार में हुआ। बाल्यकाल से ही आपकी रुचि चित्रकला में थी। आपने पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत के सानिध्य में चित्रकला की शिक्षा ग्रहण की। उनके शिष्यत्व में पारम्परिक लघु चित्रण, भित्ति चित्रण, पिछवाई चित्रण आदि सीखा। आपके बनाये 16 भित्ती चित्र जो टिहरी सुजानपुर के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की अनुकृत्तियां ललितकला अकादमी में संरक्षित हैं। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से चित्रकला में स्नातकोत्तर किया। इसके बाद ''राजस्थान की विभिन्न चित्रण विधियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन'' पर 1989 में राजस्थान विश्वविद्यालय से PhD की। इसके बाद आप यहां सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दी। आपने रामायण, अभिज्ञान शाकुन्तलम, कुमार सम्भव, मेघदूत रागमाला आदि पर आधारित मौलिक रचनाएं की हैं। रंगों के उपयुक्त चयन तथा लाल, नीले चटक रंगों का प्रयोग बड़ी ही सात्विकता से करते हैं। आपने नाटक-नाटिका, राधा-कृष्ण, प्रेम-विरह तथा प्रकृति सौन्दर्य का कुशलता से अलौकिक चित्रण किया है। आपको 1983 में राष्ट्रीय स्तर का मैरिट अवार्ड मिला। वर्ष 1989, 1990, 1991 तथा 1994 में कालीदास की कृतियों पर चित्रण के लिए कालीदास अकादमी उज्जैन से पुरस्कृत किया गया। फाइन आर्ट सोसायटी, नई दिल्ली ने भी 1990, 1991 एवं 1994 में पुरस्कृत किया। मेघदूत पर आधारित श्रेष्ठ कृति 'अलकापुरी' पर वर्ष 2000 में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तथा 'रागमाला' आधारित कृतियों पर वरिष्ठ फेलोशिप से सम्मानित किया गया। वर्ष 2004 में मेवाड़ फाउण्डेशन उदयपुर से महाराणा सज्जन सिंह पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में महाराजा सवाई जगतसिंह अवार्ड, जयपुर से सम्मानित किया गया।

डॉ. हेमलता कुमावत

आपने चित्रकला विषय में वर्ष 1979 में स्नातकोत्तर किया व राज. विश्वविद्यालय में उत्तीर्ण हो गोल्ड मैडल लिया। आपका वर्ष 1968 में व्याख्याता पद पर RPSC से चयन हुआ। आपने ''बूंदी के भित्ति चित्र-विषय वस्तु का चित्राधीन मूल्यांकन'' विषय पर बरेली से डॉक्टर ऑफ फिलोसफी की डिग्री ली है। इनके मूर्त एवं अमूर्त चित्र गांवों का यथार्थ चित्रणकरते हैं। **इनके चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन 1984 में राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने किया था।**

बाबू लाल मारोठिया को 'राजस्थान हस्तशिल्प रत्न' अवार्ड से सम्मानित

आप राजस्थान में 4 दशकों से कला साधना कर रहे है। आपने 10 वर्ष की उम्र में ही कैनवास पर ब्रुश व रंगों से अपना जादू दिखाना शुरू किया। आपने अपने पिता तथा स्वर्गीय पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में काम किया। छोटी उम्र में ही नवलगढ़ हाउस पेंटिंग कम्युनिटी का हिस्सा बन गए थे। मिनिएचर पेंटिंग उनकी खासियत थी, पर काम करना शुरू किया। इन्हे वर्ष 1998 में जयपुर के सिटी पैलेस के गुणीजन खाने से जुड़ने का अवसर मिला यह सिलसिला अनवरत चलता रहा। देश-विदेश में उनकी कला की कद्र होने लगी। मौलिक कल्पनाशीलता और रचनात्मकता ही श्री बाबूलाल मारोठिया की विशेषता है। दसवीं उत्तीर्ण करने के बाद आपने पेंटिंग के प्रति ही स्वयं को समर्पित कर दिया। मारोठिया ने मिनिएचर पेंटिंग की सभी विधाओं पर काम करना शुरू किया। खासकर जोधपुर, कोटा, बूंदी और जयपुर शैली। ये कांगड़ा, बसोली, मालवा व अन्य भारतीय चित्र शैलियों में लघु चित्र बनाने के लिए विख्यात है। श्री मारोठिया ने अमेरिका, ग्रीस, सिंगापुर, वेनेजुएला, जर्मनी, मलेशिया, फ्रांस, ईटली इत्यादि देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर कुमावत समाज एवं भारत का नाम रोशन किया है। आपको भारत सरकार ने 'शिल्प गुरु' अवार्ड से सम्मानित किया था। आप 'राजस्थान हस्तशिल्प रत्न अवार्ड' से सम्मानित किये जा चुके हैं। श्री बाबूलाल मारोठिया के भ्राता श्री बद्रीलाल मारोठिया को वर्ष 2001 में तथा दूसरे भ्राता श्री हरीनारायण मारोठिया को वर्ष 1998 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

स्व. श्री महादेव जी बाबा

खण्डेला सीकर, ये आराईस, चित्रावण, सांभर के चितेरे थे। ये पद्मश्री स्व. श्री कृपालसिंह शेखावत के गुरु थे। मऊ की हवेली में गणेश, चूहे, शिव-पार्वती, ढोला मारू तथा दीवार पर केचले का जीवंत चित्र उनकी हमेशा याद दिलाता रहेगा।

स्व. श्री गोपीराम कैकटिया (हालुका)

इन्होंने इंग्लैण्ड में चित्रकारी प्रदर्शनी 1924 में भाग लिया तथा इनके बनाये चित्र को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। पानी पीते हुए चीते का चित्रण बहुत ही आकर्षित करता है। भरतपुर व अलवर महाराज के यहां भी चित्र बनाये।

स्व. श्री लाल चन्द गहलोत : आर्कीटेक्ट एवं चित्रकार

स्व. श्री सौभागमल गहलोत : आर्कीटेक्ट एवं चित्रकार

स्व. श्री उदयराम घोड़ेला : फोटोग्राफी एवं व्यक्ति चित्र

श्री चतर सिंह बबेरवाल, उदयपुर

इनकी बनाई अनेक कलाकृतियां न्यूयार्क, फ्रांस, जर्मनी, जापान, हालैण्ड आदि कलादीर्घाओं में प्रदर्शित की गयी। ये वेस्टर्न, फाइन आर्ट, व्यक्ति चित्र आदि विधाओं का चित्रण करते थे। इन्हें राष्ट्रीय ललितकला अकादमी द्वारा 1995 व तूलिका कला परिषद द्वारा सम्मानित किया गया था।

श्री गोपाल सिंह खोवाल, जयपुर

आप चित्रकला की पारिवारिक पृष्ठभूमि और स्वयं के नैसर्गिक रूझान से प्रेरित होकर चित्रकला की, इनके पिता भी चित्रकार रहे तथा इनके पुत्र श्री भानु प्रताप भी इस क्षेत्र में हैं। आपने विभिन्न हिन्दु व जैन मंदिरों में अपनी कला को उत्कीर्ण किया है। ये पारम्परिक मिनीऐचर एवं भित्ति चित्रणमें दक्ष आर्टिस्ट थे।

श्री जगदीश कुमावत, उदयपुर

इनकी रेखा चित्र बनाने एवं छाया प्रकाश को दर्शाने में प्रारम्भ से रुचि रही। मृणशिल्प में रुचि होने से चित्रकला में विश्वविद्यालय से डिग्री ली। इसे बाद राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्तर कोरिया के व्यांगयांग में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ललितकला युवा प्रदर्शनी में वहां प्रथम स्थान पर रहने पर वहां के राष्ट्रपति ने स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। इन्हें 2 बार महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन का 'राजसिंह पुरस्कार' मिल चुका है। आप अनेक आर्ट प्रदर्शनियों में भाग ले चुके हैं।

डॉ. नरेन्द्र कुमार सारड़ीवाल

नरेना जिला जयपुर के पारम्परिक चित्रकला परिवार में जन्मे। इन्होंने 1990 में चित्रकला में MA किया। वर्ष 1992 में ''चूरू जिले के भित्ति चित्र-एक अध्ययन'' विषय पर PhD की। आप वर्ष 1992 में ''जयपुर समारोह समिति'' द्वारा सम्मानित हो चुके हैं। आप राजकीय स्नातकोत्तर डूंगरपुर महाविद्यालय, बीकानेर में चित्रकला विभाग के व्याख्याता रह कर कलासृजन करते रहे हैं।

स्व. श्री सीताराम मारवाल, कुचामन

आप सोने की कलम से चित्रों में हीरे की कणिकाओं के संयोजन के दक्ष चित्रकार थे। अनेक जैन मंदिरों में आकर्षक चित्रण से प्रभावित हो सौराष्ट्र-गुजरात आमंत्रण पर वहां जाकर भी चित्रण किया। राधाकृष्ण, कृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता ज्ञान आदि मनलुभावन चित्र आप द्वारा बनाये गये जो अमिट छवि हैं।

श्री सुधीर वर्मा सांभर लेक

बाल्याकला से ही पिता श्री कन्हैयालाल वर्मा की चित्रकारी से आकृष्ट होकर पिता के संरक्षण में चित्रकारी करते रहे। वर्ष 1984 में चित्रकला में MA करने परम्परागत चित्र शैली, नायक नायिका का प्रणय का सुन्दर चित्रण किया। **इन्हें वर्ष 1985 व 1987 में कालीदास अकादमी, उज्जैन से सम्मान मिला।** राजस्थानी ढोला-मारु चित्रण पर ऑल इण्डिया फाइन आर्ट एण्ड क्राफ्ट सोसायटी, 1989, शिवपार्वती रमण चित्र पर राजस्थान ललित कला अकादमी से 1994 में पुरस्कृत किये गये। इनके बनाये गये नारी के चित्रों में लावण्यता व कमनयीता का अनोखा संयोजन होता है। ये लहरिया, चुनरी का प्रयोग कर चित्रों में राजस्थानी पुट देने का प्रयास करते हैं।

श्री लादूराम अजमेरा, जयपुर

आपने 13 वर्ष की उम्र से गोपी जी घोड़ेला के सानिध्य में चित्रांकन सीखा। पुंगलियों की हवेली, सिटी पैलेस के दीवान खाने में आराईस व सोने की वर्क की छपाई, हल्दियों के रास्ते में जैन मंदिर तथा दादा बाड़ी में चित्रण किया। आप ऑयल पेंटिंग, सोने की छपाई, कांच की जड़ाई आदि के प्रवीण आर्टिस्ट थे तथा 94 वर्ष की आयु में भी चित्रांकन करते थे।

स्व. श्री देवेन्द्र दाहिमा, उदयपुर

आपने एम.ए. (ड्राइंग) से किया। इनके चित्रों में जीर्णशीर्ण घर की दीवारें, छप्पर, दरवाजे व खिड़कियां होती थी। ये जल रंग व पेस्टल रंगों का प्रयोग करते थे। इन्हें वर्ष 1976 में राज्य स्तरीय वाटर कलर प्रतियोगिता व पेस्टल रंगों के अनूठे प्रयोग के लिए पुरस्कृत किया

गया। आर्ट सर्कल उदयपुर ने भी वर्ष 1976 में सम्मानित किया। वर्ष 1999 में इनके बनाये पोस्टर्स को भारतीय पोस्टर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ चुना गया।

डॉ. ममता रोकणा

आपका जन्म 28 मार्च, 1969 में श्री दुर्गा लाल कुसुम्बीवाल आर्किटेक्ट के परिवार में जयपुर में हुआ। आपने यूजीसी द्वारा आयोजित एन.ई.टी. राष्ट्रीय प्राध्यापक पात्रता परीक्षा 1991 उत्तीर्ण की। RPSC से व्याख्याता पद पर वर्ष 1992 में राजकीय महाविद्यालय बूंदी में व्याख्याता नियुक्त हुई। वर्ष 2003 में राजस्थान विश्वविद्यालय से ''जयपुर अंचल के हस्तशिल्पियों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन'' विषय में PhD की। आपको राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता 1988 (प्रदेश कांग्रेस नशाविरोधी प्रकोष्ठ) में राष्ट्रपति आर. वैंकटरमण के हाथों सम्मानित किया गया। ये अनेक राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं व पुरस्कृत हुई हैं। आप नारी मुखाकृतियों का दक्षता से चित्रण करती हैं।

विजय वर्मा

गुढ़ागौड़जी, झुंझुनूं के श्री विजय वर्मा (तेरपुरिया) हाल निवासी मुम्बई वर्तमान एवं प्राचीन चित्रकला पद्धतियों के ज्ञाता हैं। आधुनिक कला व सारकला में पारंगत हैं। इनकी अनेक एकल एवं गुप्त चित्र प्रदर्शनियां विभिन्न कलादीर्घाओं में लग चुकी हैं। ये अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किए जा चुके हैं।

श्री अजीत वर्मा (अनावडिया)

अजीत वर्मा ने सन् 1980 में एम.एस. महाविद्यालय से पेंटिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। पद्म विभूषण प्रोफेसर के . जी . सुब्रमण्यम एवं पिताश्री स्व श्री ग्यारसी लाल वर्मा के सानिधय में शिक्षा प्राप्त की और अपनी पारंपारिक कला को आगे बढ़ाने का काम किया। आपने सन् 2004 के दौरान कमर्शियल कला और स्क्रीन प्रिंटिंग में खूब नाम कमाया। सन् 2004 से आपने शुद्ध चित्रकला की सेवा करने का निश्चय किया। आपने देश में 41 समूह प्रदर्शनी में और विदेश में 10 समूह प्रदर्शनी में हिस्सा ले चुके हैं। आप 11 एकल प्रदर्शनियां भारत में कर चुके हैं। सन् 2020 कला जीवन बहु उद्देश्य संस्था अमरावती (महाराष्ट्र) द्वारा 'राष्ट्रीय रत्न अवॉर्ड 2020' से सम्मानित किया गया। म्यूरल कला का भूला बिसरा माध्यम 'सैंड कास्टिंग इन सीमेंट' जिस को जीवंत रखने की कोशिश करते रहे हैं और इस माध्यम का डेमोंसट्रेशंस कला महाविद्यालय तथा कला फाउंडेशन में करते रहे हैं ताकि यह कला जीवंत रहे।

आर्टिस्ट माधव बालोदिया

श्री माधव बालोदिया का जन्म 10 नवम्बर 1952 में माता स्व. श्रीमती फूला देवी पिता स्व. श्री फूल चन्द के परिवार में हुआ। पढ़ाई के साथ-साथ अच्छी ड्राईंग बनाने का शोक व्यवसाय में बदल गया और प्रख्यात आर्टिस्ट बन गये। उस जमाने में फिल्मी होर्डिंग्स बनाकर राजस्थान में नाम कमाया। अब आधुनिक मशीनों द्वारा डिजाइनिंग, फ्लैक्स प्रिंटिंग एवं स्टेज डेकोरेशन का व्यवसाय कर रहे हैं। आपके तीनों पुत्र विजय, अजय तथा संजय आपके इस व्यवसाय में आपकी मदद कर रहे हैं।

रेखा कुमावत ब्यूटीशियन

आप जयपुर में प्रताप नगर की निवासी हैं तथा आप अन्तर्राष्ट्रीय मेकअप आर्टिस्ट हैं। आप वेस्टन लुक मेकअप, लाईट मेकअप, प्रोमिसिंग मेकअप और वाइल्ड मेकअप कैटेगरी की उम्दा आर्टिस्ट हैं। आपने थाईलैण्ड, दुबई आदि देशों में ब्यूटीशियन के रूप में भाग लेकर अनेक खिताब अर्जित किए हैं।

जादूगर परी आंचल कुमावत

23 जुलाई को चन्द्रशेखर आजाद जयंती के उपलक्ष्य पर 'भारत विकास परिषद-आजाद' द्वारा उदयपुर में आयोजित सावन महोत्सव कार्यक्रम में जादूगर आंचल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आंचल अपने छोटे भाई गुरु के साथ तथा अपने माता-पिता के सहयोग से अब तक 16 राज्यों और दुनिया के 7 देशों में 12500 से अधिक शो कर चुकी हैं। 2004 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया। हरिद्वार में 100 ताले और 100 फीट की स्टील चेन का उपयोग करते हुए **'द ग्रेट फायर एसकैप एक्ट'** किया तथा लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हुआ। आप मर्लिन मेडल से सम्मानित है। आंखों पर पट्टी बांधकर कार चलाना, दैनिक भास्टर वूमन ऑफ द ईयर-2017 अवार्ड की विजेता हैं। आपको वंडर किड, जादू की शहजादी, प्रिंसेज ऑफ द मैजिक, कुमावत गौरव, मेवाड़ गौरव आदि अलंकरणों से सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में द बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (USA) ने उदयपुर के सुखाड़िया रंगमंच पर चल रहे हाउसफुल शो में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट श्री जयेश कोठारी ने देकर इन्हें सम्मानित किया।

समाज के खिलाड़ी

जोबनेर की खुशी कुमावत ने स्वर्ण पदक जीता

तीरन्दाजी की राष्ट्रीय खिलाड़ी तथा कई मेडलों व पदकों की विजेता कु. खुशी कुमावत जयपुर के जोबनेर निवासी सांवरमल कुमावत की पुत्री है। महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित चैम्पियनशिप में अण्डर 9 रिकर्व स्पर्धा में भाग लेकर 15 मीटर की दूरी से निशाना साधकर 360 में से 352 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाया। खुशी ने 10 मीटर में 706 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। खुशी कुमावत की स्वर्णिम सफलता पर कुमावत समाज को गर्व है।

आशा कुमावत

कस्बा फुलेरा निवासी आशा कुमावत शायद कुमावत समाज की एकमात्र महिला वेटलिफ्टर है। इन्होंने अनेक प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। उदयपुर स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है।

नेहा कुमावत

कयाकिंग एवं केनोईंग की खिलाड़ी, उदयपुर की कु. नेहा कुमावत ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में टीम का प्रतिनिधित्व करके अनेक पदक जीते हैं। आप अबेकस एवं मेन्टल अर्थमैटिक, हेन्डराइटिंग, तैराकी एवं एथलेटिक्स की जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर पदक जीते हैं। आपकी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने में आपके पिता श्री सुरेश खण्डारिया व माता श्रीमती गोपी कुमावत के अथक प्रयास रहे हैं। आपकी प्रतिभा के कारण आपको सम्भागीय स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोह-2019 तथा महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन द्वारा 2019 में 'महाराणा राजसिंह सम्मान' से नवाजा गया है।

प्रियंका कुमावत बैडमिंटन

जोबनेर हाल निवासी जयपुर की सीनियर खिलाड़ी प्रियंका कुमावत ने बैडमिंटन के क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर गोल्ड मैडल आदि दिलाए हैं। आप सिंगल तथा डबल दोनों में मैडल अर्जित किए हैं।

पवन कुमावत स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग

पवन कुमावत, जयपुर ने स्ट्रेंथ लिफ्टिंग अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 9 गोल्ड व 1 ब्रांज मेडल जीता है, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 72 मेडल तथा अब तक कुल 284 मेडल जीत चुके हैं। आप 76 किलो भार वर्ग के सीनियर खिलाड़ी हैं तथा अभी आपका चयन भारतीय टीम में हुआ है।

अंशिका कुमावत

जयपुर की बैडमिंटन खिलाड़ी अंशिका कुमावत ने राज्य स्तरीय जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में अण्डर 15 सिंगल तथा डबल्स खिताब छोटी उम्र में ही जीतकर कुमावत समाज का नाम बैडमिंटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाया है।

कविता कुमावत, ताइकुड़ो

राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की ताइकुड़ो प्रतियोगिताओं में आप द्वारा गोल्ड मेडल जीते गए हैं। आप हिंगोनिया गांव, किशनगढ़-रेनवाल, जयपुर की हैं।

मुकेश कुमावत स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग

भीलवाड़ा के श्री मुकेश कुमावत स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग के 95 किलो भार वर्ग के खिलाड़ी हैं। ये गरीब परिवार से हैं। इन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 7 गोल्ड मेडल सहित 27 पदक अपने नाम किए हैं।

हनी कुमावत, तीरंदाजी

नौ वर्ष की छोटी सी उम्र में राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिताओं तीरंदाज लिम्बाराम से प्रशिक्षण प्राप्त करके हनी कुमावत पुत्र श्री पवन कुमावत ने अनेक मेडल अपने नाम किए हैं।

अनुराधा कुमावत

जूनियर राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता गाजीपुर उत्तर प्रदेश-2021 में अमरसर की अनुराधा कुमावत ने 43 किलो वर्ग में 4 गोल्ड मेडल जीते हैं।

जयश्री व युक्ता कुमावत

नेशनल ओपन ताईक्वांडो प्रतियोगिता में जयश्री मारवाल व युक्ता मारवाल ने गोल्ड मेडल जीते हैं। इन्होंने इससे पूर्व में अनेक मेडल अर्जित किए हैं।

बरखा कुमावत एवं प्रज्ञा कुमावत

नेशनल हापकीड़ो चेम्पियनशिप, दिल्ली 2021 में बरखा कुमावत ने 55 किलोग्राम समूह में स्वर्ण पदक जीता। वहीं प्रज्ञा कुमावत इंदौर ने कांस्य पदक जीता है।

रोहन कुमावत घुड़सवारी

दिल्ली में दिसम्बर 2020 में राष्ट्रीय जूनियर एण्ड यंग नेशनल इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी) चैम्पियनशिप के यंग राइडर कैटेगरी में जयपुर के रोहन कुमावत तोंदवाल ने उधार के घोड़े से 55 घुड़सवारों को मात देकर एक गोल्ड एवं एक कांस्य पदक जीता है।

मोनिका कुमावत

मोनिका कुमावत ने योग दिवस-2022 पर गरुड़ासन जैसे मुश्किल आसन के दौरान 33 मिनट 12 सेकण्ड तक एक पांव पर खड़े रहकर गिनिज वर्ल्ड बुक में नाम दर्ज कराया है। आप योग दिवस-2021 पर 10 मिनट 58 सेकण्ड में 108 बार सूर्य नमस्कार करके इंटरनेशनल बुक ऑफ अवार्ड में अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं।

समाज के नवीन चयनित चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स

अदिति कुमावत

भूमिका कुमावत

जया कुमावत

योगेश कुमावत

विनोद कुमावत

संजय कुमावत

खेता राम कुमावत

राजेन्द्र कुमावत

प्रमोद कुमार

राकेश कुमावत

सपना कुमावत

डिम्पल चेजारा

हुकमाराम कुमावत (छापोला)

राजेश कुमावत मुकुंदगढ़

मुकेश कुमावत दांतारामगढ़

जितेश कुमावत

पीयूष नागा

समाज के कवि एवं साहित्यकार

स्व. श्री चन्द्र कुमार 'सुकुमार'

इनका जन्म 3 अक्टूबर, 1932 में बाबा हरिश्चन्द्र मार्ग, जयपुर पिता श्री नाथूसिंह (गढ़वाल) के परिवार में हुआ। गुरुजी श्री कमलाकर जी के पटु शिष्य रहते हुए साहित्य सदाव्रत में साहित्य रत्न तक की शिक्षा लेकर वहीं पढ़ाते भी रहे। दूसरी ओर राजकीय सेवा में भी अध्यापन का कार्य करने लगे। जब 1962 में भारत पर चीन का हमला हुआ तो सारे देश में इन्होंने अपने गीत से देशवासियों में देशभक्ति की भावनायें जाग्रत करने में परम आदरणीय स्व. श्री चन्द्र कुमार 'सुकुमार' का बहुत बड़ा योगदान था। उस वक्त हिन्दुस्तान के सभी रेडियो स्टेशनों से सर्वाधिक प्रसारित होने वाला गीत श्री सुकुमार जी का ही था।

भारत के रखवालो जागो, योद्धाओं दिक्पालो जागो,
फिर हथियार संभालो रे, सीमा में घुस आया दुश्मन
बाहर उसे निकालो रे, बाहर उसे निकालो रे।

सन् 2008 में देहावसान तक सुकुमार जी की करीब 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनका जितना मूल्यांकन होना चाहिए था, उतना साहित्यिक समाज में नहीं हुआ। इसका मुझे अफसोस है कि आज भी समाज में बुद्धजीवीयों को वो आदर नहीं मिलता जो अन्य लोगों को मिलता है। इनके पुत्र श्री बनज कुमार 'बनज' आज उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक राष्ट्रीय कवि एवं गीतकार के रूप में पहचान बना चुके हैं।

श्री बनज कुमार 'बनज'

आप स्व. श्री चन्द्रकुमार 'सुकुमार' वरिष्ठ कवि के सुपुत्र हैं। आपने राष्ट्रीय कवि के रूप में अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों में गीत श्रृंगार, दर्शन, आध्यात्म, विरह, सहयोग, व्यंग व त्यौहारों पर अपनी कविताएं/रचनाएं प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध किया है। 'गीतों की छाव', 'अंजुरी भर गीत' तथा 'फैली फैली सी धूप' पुस्तकों का लेखन किया है। आपने 'मन जागे उजयारा' टी.वी. सीरियल के 26 एपिसोड में गीत भी दिये हैं। आप लखनऊ, सफई, दिल्ली आदि कवि सम्मेलनों तथा टी.वी. कार्यक्रमों के जाने-माने कवि हैं।

कवि हेमंत कुमावत

कवि हेमंत कुमावत राजस्थान राज्य के अलवर जिला स्थित गांव सिटाहेड़ा के मूल निवासी हैं। ये वर्तमान में जयपुर रहते हैं। इनके पिता श्री जगदीश प्रसाद जी किसान और माता श्रीमती दुर्गावती जी गृहणी हैं। कवि हेमंत ने इंजीनियरिंग में स्नातक (बी. टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन) आनर्स किया है, वर्तमान में जयपुर मेट्रो रेलवे में स्टेशन नियंत्रक के पद पर कार्यरत हैं।

इसके साथ ही आप कविता लेखन में विशेष रूचि रखते हैं और कवि सम्मेलन मंचों पर ओज कवि के रूप में सक्रिय हैं। देशभर में अनेको जगह कवि सम्मलेनों में काव्य पाठ कर चुके हैं। अनेकों टी वी चैनल पर आपकी कविताओं का प्रसारण होता रहता है। आपकी कविताओं को भिन्न भिन्न मंचों द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका हैं। आपका खंड काव्य 'पन्नाधाय' प्रकाशित होने वाला है ... बहुत ही अल्प समय में आपने साहित्य में नए प्रतिमान स्थापित किए हैं....इंजीनियरिंग क्षेत्र से होते हुए भी आपकी हिन्दी साहित्य पर अच्छी पकड़ है... आपकी रचनाएं मणिकर्णिका, भगवा, अखंड भारत, मुफ्तखोरी श्रोताओं में काफी प्रचलित हैं..... आपके द्वारा रचित कवित्त (छंद) विशेष लोकप्रिय हैं।

समाज के बीच हम कवि हेमन्त कुमावत को पाकर गौरवान्वित हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रहलाद राय कुमावत 'चंचल'

(कवि, साहित्यकार, लोक भजन गायक)

ग्राम जाहोता, जयपुर में 5 जुलाई 1968 जन्में श्री प्रहलाद राय कुमावत 'चंचल' कवि, साहित्यकार, लोक भजन गायक हैं। आप कार्यालय आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान, जयपुर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी हैं।

आपका साहित्यिक सफर वर्ष 1988-89 में हास्य पैरोडी लेखन से शुरू हुआ। पैरोडी भजन/गीत लेखन, लोक गायन वर्ष 2014 से छंद्धोबद्ध काव्य सृजन में सक्रिय हैं।

काव्य विधा दोहा, चौपाई, सोरठा, रोळा, कुंडलियां, घनाक्षरी, सवैया, गीतिका, हरगीतिका, ग़ज़ल एवं विविध छंदों में मुक्तक गीत आदि हिंदी और राजस्थानी (ढूंढाड़ी) में समान रूप से सृजन।

आपका आकाशवाणी जयपुर से काव्य पाठ तथा अनेक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती रहती हैं।

समाज के अधिकारी

श्री रामसहाय वर्मा (लोरवाड़िया)

आपका जन्म श्री माधोपुर जिला सीकर में हुआ था। आपने MA (English) इलाहाबाद विश्वविद्यालय से किया। आपने वर्ष 1964 में प्रथम प्रयास में IAS की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद 1965 में पंजाब प्रांत के अतिरिक्त आयुक्त नियुक्त हुए तथा राज्य विभाजन के बाद हरियाणा में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर रहते हुए मुख्य सचिव के पद पर सेवाएं देकर सेवानिवृत्त हुए। आप समाज के प्रथम IAS अधिकारी रहे।

श्री उदयसिंह कुमावत

आपने वर्ष 1979 में रूड़की से कम्प्यूटर साइंस में बीटेक किया तथा वर्ष 1993 में IAS के पद पर चयनित होकर अपनी सेवाएं दी हैं।

श्री रमेश वर्मा

आपने भीलवाड़ा से एमएससी कर आरटीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर आबकारी निरीक्षक बने। वर्ष 2008 में IAS के पद पर चयनित होकर अनेक प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

धीरेन्द्र खड़गटा

आप जयपुर के बापूनगर के श्री सुरेन्द्र खड़गटा के पुत्र हैं। वर्ष 2012 में IAS के पद पर चयनित हुए तथा हरियाणा में अनेक प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

शंकर लाल कुमावत

आप खाटूश्यामजी जिला सीकर के निवासी हैं। वर्ष 2010 में आपका चयन IAS के पद पर हुआ। आपको तमिलनाडु कैडर मिला है। आपने जयपुर में भी राजस्थान आवासन मण्डल तथा वित्त विभाग के संयुक्त सचिव के पद पर सेवाएं दी है तथा राज्य में जीएसटी लागू करने में आपका बहुत बड़ा योगदान है। अभी आप रामेश्वरम् जिले के जिला कलक्टर के पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

पल्लवी वर्मा

इंदौर निवासी पल्लवी वर्मा ने बीटेक बायोटेक्नोलॉजी VIT यूनिवर्सिटी वैल्लोर, तमिलनाडू से की थी। आप वर्ष 2021 में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा 340वीं रैंक से उत्तीर्ण की है। पल्लवी का कहना है कि अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा करें तथा ईमानदारी से आगे बढ़ने के लिए खूब मेहनत करें एक दिन सफलता आपके कदम जरूर चूमेगी।

महेन्द्र लाल कुमावत, सेवानिवृत IPS

आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से एमएससी बोटनी प्रथम श्रेणी तथा द्वितीय रैंक से उत्तीर्ण की। आपको 1972 में IPS चयनित कर आन्ध्रप्रदेश कैडर दिया गया। आपने राज्य में अनेक पदों पर सेवा की तथा आप बीएसएफ के डीजी, विशेष सचिव, आन्तरिक सुरक्षा गृह मंत्रालय के पद पर भी सेवाएं दी। आप वर्ष 2009 में सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद राजस्थान लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के कुलपति पद पे सेवाएं दी। आप द्वारा राजस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के चयन में सुधार के लिए बनी समिति में भी सदस्य के रूप में अपने सुझाव दिए हैं।

हिम्मत अभिलाष टांक

आपका पाली जिले के सुमेरपुर के गांव खिमाड़ा में जन्म हुआ। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए., एमफिल तथा पीएचडी की। आप पहले राजस्थान लेखा सेवा में चयनित हुए फिर राजस्थान पुलिस सेवा में। 2014 में आप भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नत हुए। आपने राजस्थान पुलिस में अनेक पदों पर रहकर अपनी सेवाएं दी है।

पंकज कुमावत

आप किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर के हैं। आपने वर्ष 2011 में बी.ई. साफ्टवेयर इंजीनियरिंग की है। वर्ष 2013 में आपका चयन आईपीएस के पद पर 22 वर्ष की उम्र में हुआ। आप मध्य प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भाविका कुमावत

वर्ष 2018 में भाविका कुमावत IPS अधिकारी के रूप में चयनित हुई हैं। संभवतय आप कुमावत समाज की ऐसी प्रथम अधिकारी चयनित हुई थी।

प्रियंका कुमावत, RPS

सुश्री प्रियंका का जन्म 3 फरवरी, 1991 में हुआ। आप कुचामनसिटी निवासी स्व. श्री केसाराम जी कुमावत एवं श्रीमती केसर देवी की सुपौत्री एवं श्री राजेन्द्र कुमावत एवं श्रीमती संतोष देवी की सुपुत्री हैं। आपने वनस्थली विद्यापीठ से बी.ए. एवं बी.एड. में डिग्री प्राप्त की और राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए. तक शिक्षा प्राप्त की। आपने NET की परीक्षा में भी सफलता प्राप्त की। आप एम.ए. (इतिहास) में गोल्ड मैडल हैं। आप आर.ए.एस. 2013 में 122वीं रैंक प्राप्त कर RPS की।

मानक मणी (मोनिका) कुमावत

आप इंदौर व देवास जिले में पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रशिक्षण पूर्ण करके वर्ष 2020 में भोपाल में पदस्थापित हुई। कुमावत समाज में एक महिला पुलिस अधिकारी के रूप में पदस्थापित होने वाली आप पहली महिला हैं।

श्री राम करण वर्मा

श्री राम करण वर्मा विदेश मंत्रालय में डायरेक्टर के पद पर कार्यरत रहे हैं, उन्हें कांगो गणराज्य में भारत का राजदूत बनाया गया था। संभवत: आप हमारे समाज से राजदूत बनाने वाले प्रथम व्यक्ति है।

वास्तु एवं ज्योतिषाचार्य

श्री लोकेश कुमावत

आप ज्योतिष, वास्तु, हस्तरेखा, अंक गणित तथा प्रश्न शास्त्र के विशेषज्ञ हैं। आपने ज्योतिष विशारद करने के बाद लगभग 15 वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य कर देश-विदेश में नाम कमाया है। आपके धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए बजरंग ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र, जयपुर की स्थापना की है। आप अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं। आप द्वारा ज्योतिष के क्षेत्र में सटीक गणना करके अनेक लोगों को लाभान्वित किया है।

राजा बाबू जयपुर

आप पत्रकार कॉलोनी मानसरोवर, जयपुर में निवास कर रहे हैं। आप द्वारा वास्तु एवं ज्योतिष के क्षेत्र में सलाह देकर अनेक भवनों के वास्तुदोषों का निवारण करवा कर लोगों को लाभान्वित किया है।

पुष्पेन्द्र कुमावत

ब्यावर के श्री पुष्पेन्द्र कुमावत वास्तुशास्त्र क्षेत्र का जाना-माना चेहरा है। आप द्वारा वास्तु के क्षेत्र में अपनी कंस्लटेन्सी देकर अनेक बेतरतीब भवनों को सही कराने का कार्य किया है। ब्यावर शहर एवं अन्य शहरों के बिगड़ते स्वरूप एवं अनियोजित विस्तार के कारण खुशहाली खोने पर आप द्वारा व्याख्यान दिया गया। ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ एस्ट्रोलोजन सोसायटी के लंदन सम्मेलन 2017 में 7 देशों के वास्तुविद, ज्योतिष एवं आध्यात्म गुरु पहुंचे थे। जिसमें आपने **''वास्तु एवं सुखद जीवन''** विषय पर व्याख्यान दिया था। इस सम्मेलन में आपको स्मृति चिह्न, दुपट्टा एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया था।

राजेन्द्र प्रसाद खोराणिया

आप सचिवालय जयपुर से वरिष्ठ उप शासन सचिव के पद से सेवानिवृत्त हैं। आपकी रुचि ज्योतिष एवं वास्तु में होने के कारण आपने इस क्षेत्र में अध्ययन कर अनेक लोगों को लाभान्वित किया है। अनेक ज्योतिष सम्मेलनों में भाग लिया, आपको ज्योतिष रत्न से सम्मानित किया गया। वर्ष 2021 में आपको अखिल भारतीय ज्योतिष-वास्तु एसोसिएशन मुख्यालय इंदौर द्वारा राजस्थान ज्योतिष ज्योति वास्तु परिषद का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

भरत कुमावत

आपने कार्यस्थली कोटा को बनाई तथा वहां वास्तु के क्षेत्र में अपने ज्ञान से समाज का नाम गौरवान्वित किया है। पिरामिड ऊर्जा पर नई खोज की है। वास्तु प्रज्ञा नामक पुस्तक प्रकाशित की है। सम्पूर्ण भारत में दुकानों, मकानों, कारखानों में स्थित वास्तुदोषों के उपचार एवं निवारण के लिए आपको याद किया जाता है। इनके बताए गए साधारण उपचारों से अनेक लोग लाभान्वित हैं।

समाज के डॉक्टर

डा. महेश कुमावत MD (Dermatology)

डा. महेश कुमावत का ग्राम-गोवटी, तहसील दांतारामगढ़ के निम्न-मध्यम वर्ग के एक किसान/कारीगर परिवार में जन्म हुआ था। आपने बीकानेर से MBBS उत्तीर्ण की तथा परिवार में डाक्टर बनने के सपने को साकार किया। इसके बाद आपने पोस्ट ग्रेजुऐशन अहमदाबाद से चर्म रोग विभाग से की। तत्पश्चात आपने All India Institute of Medical Science, New Delhi से 3 वर्ष सीनियर रेजीडेन्सी प्रोग्राम का जॉब किया। आपको दुबई से जॉब का प्रस्ताव मिलने पर आप दुबई चले गये, वहां 'चर्म रोग एवं बाल प्रत्यारोपण विशेषज्ञ' के रूप में सेवा दे रहे हैं। आप ईमानदार, मेहनती, अनुशासित तथा अपने चिकित्सीय क्षेत्र में विशेष प्रतिभा के धनी है।

डॉ. संजय बिनवाल M.Ch. Urology

आप मोनिलेक हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में यूरोलॉजी तथा किडनी ट्रांसप्लांट के सीनियर कन्सलटेंट एवं सर्जन हैं। आप का निवास 128, नारायण विहार-पी, स्वास्तिक अस्पताल के पास, गोपालपुरा बाईपास पश्चिम, जयपुर पर है।

डॉ. विजय बिनवाल M.D., DM Nephrology

आप मोनिलेक हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में नेफ्रोलॉजी एवं ट्रांसप्लान्ट के हैड हैं। आपकी क्लिनिक पिंकसिटी सुपर स्पेशिलिटी सेन्टर, एस-38, 39, हीरा पथ पेट्रोल पम्प के पास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर पर है।

डॉ. आकाश मरोडिया

आप द्वारा एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस करके अभी जनरल सर्जरी में पीजी कर रहे हैं। आप द्वारा एसएमएस अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ अनेक जटिल ऑपरेशन किए हैं। आप श्रीमती कविता-राजेश कुमावत, मरोड़िया के पुत्र हैं।

डॉ. अजय कुमार MD, FICM FICE

आप कन्सलटेन्ट फिजिशियन इनटेनसिविस्ट हैं तथा स्वास्तिक हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर के निदेशक हैं जो 128-129, पी ब्लॉक, नारायण विहार, जयपुर में है।

डॉ. विकास मारवाल

आप उपमुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं। स्वाधीनता समारोह 2019 के मौके पर आपको विभागीय योजनाओं एवं क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम में निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए जिला कलक्टर की ओरसे सम्मानित किया गया है।

डॉ. सुनीता कुमावत MS (नेत्र रोग)

आप फेको एवं ग्लूकोमा सर्जन हैं। आपके अनेक पेपर अन्तर्राष्ट्रीय मेगजीन्स में प्रकाशित हुए हैं। आपका चोमूं तथा किशनगढ़-रेनवाल में देवी लाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल है। जहां आधुनिक तकनीक व मशीनों से नेत्र रोगियों का इलाज किया जाताहै। आपको मुहिला दिवस पर वुमन ऑफ द इयर अवार्ड से पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने सम्मानित किया था।

डॉ. ओ.पी. बालोदिया

आप शिशु रोग विशेषज्ञ हैं तथा आपकी क्लीनिक बालोदिया चाइल्ड क्लीनिक एवं टीकाकरण सेन्टर, वेद वाटिका, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर है। आप बच्चों के उपचार के साथ उनका कैसे ध्यान रखें इसकी जानकारी भी देते हैं ताकि बच्चे बीमार नहीं होवें।

डॉ. पी.एम. कुमावत

आप उज्जैन मध्य प्रदेश में हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। निर्धन मरीजों का न्यूनतम शुल्क लेकर अथवा नि:शुल्क इलाज करते हैं। आपकी पुत्री पांखुरी बीडीएस व दामाद एमडीएस है। आपका पुत्र प्रमेन्द्र मोहन एमडी शासकीय अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं। आपके पिता स्व. आनन्दीलाल वायुसेना में थे।

देवांशी कुमावत BDS

आपने निम्स विश्व विद्यालय, जयपुर से बीडीएस किया है। आप श्री रूपसिंह कारगवाल, लालकोठी योजना जयपुर की पुत्री हैं।

5 वर्ष में प्रकाशित गतिविधियों का लेखा-जोखा

कुमावत गौरव/प्रतिभा

अगस्त-2017 : ■ एक ही परिवार के तीन भाईयों को चित्रकला का राष्ट्रीय पुरस्कार: श्री बाबुलाल मारोठिया, श्री बद्रीनारायण मारोठिया तथा श्री हरिनारायण मारोठिया

सितम्बर-2017 ■ राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित-श्री बाबुलाल सिरोहिया (पहलवान जी) ■ श्री सुंडाराम वर्मा- प्रगतिशील कृषक, दांता ■ डॉ. कपिल कुमावत- हदय रोग विशेषज्ञ, पुत्र-डा. श्यामा कुमावत एम.एम.बी.एस, एम.एस. एवं डॉ. बी.एल. कुमावत एम.बी.बी.एस, एम.एस (ईएनटी)■श्री ब्रजराज आर्य (राहोरिया)-ब्यावर

अक्टूबर-2017 ■ श्री बनज कुमार 'बनज'- राष्ट्रीय कवि व गीतकार ■ श्रीमति पूनम अजमेरा-महिला उद्यमी ■ श्री गिरधारी लाल कुमावत-हैण्डीक्राफ्ट में राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित

नवम्बर-2017 ■ प्रतिभा-लक्ष्य साधी तो मिली मंजिल-प्रशांत अजमेरा (संगीत प्रतिभा)

दिसम्बर-2017 ■ डॉ. नाथूलाल वर्मा (कैक्टया) चित्रकला ■ श्री शंकर लाल कुमावत, आई.ए.एस. ■ पूजा वर्मा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी (प्रतिभा) ■ प्रियंका कुमावत, आर.पी.एस. (प्रतिभा)

जनवरी-2018 ■ रमेश वर्मा, आई.ए.एस.

फरवरी-2018 ■ मेजर जनरल जे.के. मारवाल, VSM ■ दीपक कुमावत ने 270 सूर्य नमस्कार कर बनाया रिकार्ड (समाज प्रतिभा) ■ श्री धीरेन्द्र खडगटा, आई.ए.एस. ■ डॉ. एन.के. कुमावत

मार्च-2018 ■ श्री शुभ करण किरोडीवाल

अप्रेल-2018 ■ डॉ. (इंजी0) राम प्रसाद राजोरिया

मई-2018 ■ मातुराम वर्मा (कुमावत)- मूर्तिकार

जून-2018 ■ श्री ज्ञानी राम कुमावत (खण्डारिया), आई.आर.एस.ई. ■ श्री मुकेश वर्मा -**राजनैतिक व्यक्तित्व**

जुलाई-2018 ■ श्री महेन्द्र लाल कुमावत, **सेवानिवृत्त आई.पी.एस.** ■ श्री गिरिराज कुमावत- **राजनीतिक व्यक्तित्व**

अगस्त-2018 ■ श्री कैलाश कुमावत, राजनैतिक व्यक्तित्व

सितम्बर-2018 ■ **श्री बाबूलाल मारोठिया** (शिल्पगुरु अवार्ड) ■ **दीपक कुमावत** (योग प्रशिक्षक) गिनीज बुक रिकॉर्ड

दिसम्बर-2018 ■ **अमृत सिरोहिया** (नेशनल अवार्ड जैम स्टोन कार्विंग) ■ **आर्टिस्ट विजय वर्मा** (समाज प्रतिभा)

जनवरी-2019 ■ श्री कृष्ण चन्द कुमावत (महरावंडिया) ■ वर्ल्ड चैम्पियन पवन कुमावत वेटलिफ्टर ■ वास्तुविद पुष्पेन्द्र कुमावत

फरवरी-19 ■ श्री मदन लाल जलान्धरा

मार्च-19 ■ श्री के.एम. कुमावत

अप्रेल-19 ■ श्री पंकज कुमावत व श्री अमित कुमावत (ICS)

मई-19 ■ श्री मुकेश वर्मा (बासनीवाल), मुम्बई

जून-19 ■ डॉ. पवन कुमार बासनीवाल

जुलाई-19 ■ श्री हरिशंकर खण्डारिया ■ श्रीमती प्रिया वर्मा एवं श्रीमती प्रियंका वर्मा (RAS परीक्षा में उत्तीर्ण) प्रतिभाएं

दिसम्बर-2019 ■ श्री गोविन्द सिंह टांक ■ श्री जयकिशन सोकिल - क्रेन व्यवसायी

जनवरी-2020 ■ श्री सूण्डाराम वर्मा प्रगतिशील किसान ■ श्री मोहन कुमार बालोदिया गायक

फरवरी-2020 ■ पवन कुमावत वेट लिफ्टर

जुलाई-2020 ■ श्री अनन्त कुमार

अगस्त-2020 ■ समाज प्रतिभा श्रीमती अनिता कुमावत

सितम्बर-2020 ■ श्री नवरतन राजोरिया, एडवोकेट (पूर्व विधायक फुलेरा)

दिसम्बर-2020 ■ पूज्य संत श्री मुरली मनोहर अकिंचन

जनवरी-2021 ■ श्री राजकुमार फौजी ■ श्री दिलीप चौधरी (कुमावत)

फरवरी-2021 ■ श्री सोहन लाल अजमेरा, सांगानेर

अप्रेल-2021 ■ बाबूलाल मारोठिया "राजस्थान हस्तशिल्प रत्न अवार्ड" ■ डॉ. आर.के. कुमावत फारेंसिंक एवं डी.एन.ए. विशेषज्ञ

जून-2021 ■ प्रो. बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन ■ पद्म श्री स्व. श्री राम प्रकाश गहलोत

जुलाई-2021 ■ डॉ. महेश कुमावत MD (Dermetology)

अगस्त-2021 ■ डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन

सिम्बर-2021 ■ श्री अजीत वर्मा (अनावडिया)

अक्टूबर-2021 ■ कुमावत प्रतिभा पल्लवी वर्मा (ICS)

जनवरी-2022 ■ श्री बाबूलाल ब्याड़वाल

फरवरी-2021 ■ श्री डूंगरराम गैदर, राजस्थान शिल्प एवं माटीकला बोर्ड के उपाध्यक्ष ■ किसानों की रोल मॉडल 70 वर्षीया निरक्षर साइंटिस्ट भगवती देवी कुमावत

मार्च-2022 ■ डॉ. सुनीता कुमावत, नेत्र रोग विशेषज्ञ, आर्टिस्ट हंसराज चित्रभूमि (प्रतिभा)

अप्रेल-2022 ■ श्री युधिष्ठिर कुमावत, श्री चेतन कुमावत

महत्वपूर्ण लेख

अगस्त-2017 ■हस्त कलाकार कहां से कहां आ गये- सी.एम. कुमावत ■ गुरू: साक्षात पर ब्रह्मा, तस्मे श्री गुरूवे नम:-सुरेन्द्र नागा

विशिष्ट संरक्षक

श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर

श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर

श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर

श्री मनोज कुमार सिरसवा जयपुर

श्री शंकर लाल जायलवाल टोंक रोड, जयपुर

श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर

श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर

श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर

श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर

श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर

श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर

श्री पंकज कुमावत (वैरा) झोटवाड़ा, जयपुर

श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर

श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर

श्री दीपक सिरोहिया झोटवाड़ा, जयपुर

श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल जयपुर

श्री योगेश वर्मा, खड़गटा टोंक रोड, जयपुर

श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर

स्व.श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर

श्री ओंकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर

श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर

श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर

श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर

श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर

श्री जयनारायण मारवाल झोटवाड़ा, जयपुर

श्री महेंद्र खरोलिया चांदपोल बाजार, जयपुर

डॉ. सीताराम नागा जोबनेर, जयपुर

श्री शंकरलाल मामोड़िया 22 गोदाम, जयपुर

श्री रामस्वरूप खोराणिया जयपुर

श्री नरेंद्र कुमार आर्य ब्यावर, अजमेर

श्री चैनसुख बड़ीवाल बगरू, जयपुर

श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई

श्री राजसिंह गैदर टोंक रोड, जयपुर

श्री मनोज ब्याडवाल श्रीराम नगर झोटवाड़ा

श्री गोपाल मारवाल श्रीमाधोपुर, सीकर

श्री मनीष मारवाल निवारू रोड, जयपुर

श्रीरूप सिंह कारगवाल जयपुर

श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला जयपुर

श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया इंदौर

श्री राजेंद्र प्रसाद तमिलनाडु

श्री शिव भगवान चेजारा सिरस्वा, सीकर

श्री तेज प्रकाश नागा जोबनेर, जयपुर

श्री पृथ्वीराज जलान्धरा झोटवाड़ा, जयपुर

श्री मोहन कुमार बालोदिया जयपुर

श्री श्रीराम नीमिवाल जयपुर

श्री ललित स्वरूप पोडेला जयपुर

श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया) जयपुर

श्री अरविंद सिरस्वा पचार, सीकर

श्री मूलचंद खोवाल जयपुर

विशिष्ट संरक्षक

श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर

श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर

श्री सतीश चंद खाटूवाल जयपुर

श्री रामस्वरूप कुमावत बड़ीवाल, मुम्बई

श्री संतोष खरनारिया कुमावत अजमेर

श्री प्रमोद अडावलिया छतीसगढ़,

श्री मनोज बड़ीवाल रायपुर, छतीसगढ़

श्री मोहनलाल मामोड़िया जयपुर

श्री भीवाराम दम्बीवाल निर्माण नगर, जयपुर

श्री पन्नालाल सिरस्वा निर्माण नगर, जयपुर

श्री मुकेश कु. कुदीवाल झोटवाड़ा, जयपुर

श्री हेमेंद्र सिंह गैदर टोंक रोड, जयपुर

श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर

श्री गोपाललाल बासनीवाल जयपुर

श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली

श्री रामकुमार बिरथलिया जयपुर

श्री जगदीश कुमावत जयपुर

श्री मेघराज सिरस्वा छतीसगढ़

श्री रोहिताश मोरवाल झोटवाड़ा, जयपुर

श्री शुभकरण किरोड़ीवाल सूरत

श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल जयपुर

श्री हरिशंकर राजौरा जयपुर

श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली

श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर

श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया जयपुर

श्री सूरजमल अनावड़िया लाल कोठी, जयपुर

श्री छीतरमल धुंधारिया निवारू रोड, जयपुर

श्री रामगोपाल खोराणिया सोडाला, जयपुर

श्री माधव दास बालोदिया जयपुर

श्री मोहित धुन्धारिया जयपुर

डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं

श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा) दुर्गापुरा, जयपुर

श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया जयपुर

श्री गोविंद नारायण तांगड़ा जयपुर

श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी बापू नगर, जयपुर

श्री नन्दकिशोर आसीवाल रिंगस, सीकर

श्री बाबूलाल धुन्धारिया वीकेआई, जयपुर

श्री बाबूलाल मंडावरा जयपुर

श्री मदन लाल कुमावत निर्माण नगर, जयपुर

श्री हेमांक खड़गटा मोती डूंगरी, जयपुर

श्री कैलाश जलान्धरा माल की ढाणी, दूदू

श्री लोकेश जंहाजपुरिया नंदपुरी, जयपुर

श्री प्रहलाद नारायण कुमावत जयपुर

श्री सत्यनारायण कुमावत जयपुर

श्री दीपेश टी. मँडावरा जयपुर

श्री रामसिंह बैथाड़िया तुलसी सेन्ट्रल बाजार, सांगानेर

श्री नरेंद्र मामोडिया अशोक नगर, उदयपुर

श्री बाबूलाल कुमावत झोटवाड़ा, जयपुर

श्री रमेश मारवाल खातीपुरा, जयपुर

विशिष्ट संरक्षक

श्री राम प्रसाद छापोला
झोटवाड़ा, जयपुर

श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल
उदयपुर

श्री राकेश कुमावत (धनारिया)
उदयपुर

श्री राकेश कुमावत
(एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर

श्री ओमप्रकाश कुमावत
जयपुर

श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल
नई दिल्ली

डॉ. एन.के. कुमावत
लालकोठी, जयपुर

श्री महेश कुमार कुमावत
किशनगढ़

श्री मुकेश वर्मा
(मरोड़िया), जयपुर

श्री जयकिशन कुमावत
(सोकिल), चौमूं

श्री कन्हैयालाल खण्डारिया
जयपुर

डॉ. महेश कुमार जालवाल,
जयपुर

डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत
उदयपुर

श्री ओम प्रकाश कारगवाल,
ब्यावर

श्री प्रेमचन्द कुमावत
(बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर

श्री योगेश वर्मा
मुम्बई

श्री सुनील तोंदवाल,
वीकेआई, जयपुर

श्री मदनलाल जलान्धरा,
झोटवाड़ा, जयपुर

श्री सुमित कुमार घोड़ेला,
मुंबई

श्री लोकेन्द्र बालोदिया
जयपुर

श्री कुमार गौरव कुमावत
कोटा

श्रीमती मेघना कुमावत
जयपुर

श्री राजेश धूंधारिया
डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर

श्री गजेंद्र मारवाल,
सांगानेर, जयपुर

श्री रामलाल बैथाड़िया

श्री महेन्द्र सिंह
बापूनगर, जयपुर

श्री गोपाल लाल-सीताराम
जयपुर

रुपेश मारोठिया
बरकतनगर, जयपुर

श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल
जयपुर

श्री दामोदर लाल जलान्दरा
जयपुर

डॉ. पी.एम. कुमावत
उज्जैन

श्री विमल कुमावत
जयपुर

श्री संजीव कुमार वर्मा
जयपुर

मुकेश कुमावत
जयपुर

कैलाश खटोड़
जयपुर

श्री घनश्याम देवतवाल
पटेल कॉलोनी, जयपुर

श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा
मुरलीपुरा, जयपुर

श्री प्रहलादराय नोखवाल
किशन मानपुरा, गोविन्दगढ़

श्री घनश्याम खाटूवाल
डोढ़सर

संरक्षक

गौरव अजमेरा
मालवीय नगर, जयपुर

श्रवण कुमावत
जाहोता, जयपुर

मुन्ना लाल कुमावत
कालवाड़ रोड, जयपुर

विनोद अजमेरा (सीए)
लालकोठी, जयपुर

सोहन लाल अजमेरा
सांगानेर, जयपुर

भारती वर्मा

सीमा वर्मा
मलाड़, मुम्बई

संरक्षक

कविता वर्मा
मुम्बई

संजय तूंदवाल

जय सिंह गुड्डीवाल
महेश नगर, जयपुर

डी.एन.कुमावत
जयपुर

मिट्ठन लाल जी
झोटवाड़ा, जयपुर

दीनदयाल कुमावत
जयपुर

छितरमल कुमावत
टोंक रोड, जयपुर

जगदीश कुमावत
बाईस गोदाम, जयपुर

भगवान सहाय कुमावत
जयपुर

राजेंद्र कुमावत
मानसरोवर, जयपुर

त्रिलोक चंद कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

मुन्ना लाल कुमावत
बाईस गोदाम, जयपुर

सुरेश कुमार कुमावत
निर्माण नगर, जयपुर

तारा चंद मारवाल
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

बाबू लाल सिरसवा
सांगानेर, जयपुर

नितेश कुमावत
सांगानेर, जयपुर

राम प्रकाश कुमावत
सूर्य नगर, जयपुर

एन पी वर्मा
दुर्गापुरा, जयपुर

बाबू लाल मामोडिया
श्याम नगर, जयपुर

मुकेश कुमावत
गांधीनगर मोड़, जयपुर

मनोज कुमार कुमावत
टोंक फाटक, जयपुर

जुगल किशोर कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

श्रीमती मंजूबालापारमवाल
किशनगढ़, अजमेर

प्रभु दयाल कुमावत
किशनगढ़, अजमेर

जितेंद्र कुमावत
मालवीय नगर, जयपुर

कमल खडगटा
जयपुर

योगेश जुनवाल
टोंक फाटक, जयपुर

मंजू वर्मा
टोंक रोड, जयपुर

मोहन लाल कुंडलवाला
सीकर रोड, जयपुर

श्रीमती मंजू कुमावत

ओम प्रकाश कुमावत
चौमूं

आशीष कुमावत
आदर्श नगर, जयपुर

बंनज कुमार 'बनज'
लालकोठी योजना, जयपुर

गिरिराज सिंह कुमावत
महेश नगर, जयपुर

दिलीप गहलोत

राजपाल कुमावत
उत्तम नगर, दिल्ली

खजान चंद
त्रिनगर, दिल्ली

चेतन प्रकाश पिपलोदिया
पहाड़ी धीरज, दिल्ली

सुरेंद्र कुमार कैएमटी
झोटवाड़ा जयपुर

प्रेम चंद कुमावत
जोबनेर, जयपुर

हनुमंत कच्छावा
वैशाली नगर, जयपुर

राम सहाय कुमावत बिल्टी
चौमूं, जयपुर

ओम प्रकाश कुमावत
सांगानेर, जयपुर

मीनाक्षी नागा
बापू नगर, जयपुर

अनिल खड़गटा
मोती डूंगरी, जयपुर

धर्मचन्द कुमावत
मुहाना मण्डी, जयपुर

चतुर्भुज कुमावत
सीकर

राधेश्याम कुमावत
सीकर

शिव गोपाल
सीकर

मातु राम कुमावत
लुहारू रोड, पिलानी

संरक्षक

राम गोपाल जी
सीकर

माखन लाल कुमावत

बलवीर सिंह
हिसार, हरियाणा

महेश वर्मा
विले पार्ले, मुम्बई

भंवर लाल कुमावत
जयपुर

शांतनु कुमावत
बरकत नगर, जयपुर

हरि नारायण कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

चेतन बालोदिया
दुर्गापुरा, जयपुर

सतीश कुमावत
टोंक फाटक, जयपुर

रमेश चंद खुरानिया
चांदपोल बाजार, जयपुर

राजेंद्र निमीवाल
आदर्श नगर, जयपुर

डॉक्टर रामपाल कुमावत
खातीपुरा, जयपुर

सुरेश कुमावत
चौमूं, जयपुर

जगदीश प्रसाद कुमावत
चौमूं, जयपुर

राम किशोर घोडेला
अजीतगढ़, सीकर

हरि भगवान कुमावत

बंसीधर मारोठिया
चौमूं

श्रवण कुमार
फरीदाबाद, हरियाणा

शिव कुमार
त्रि-नगर, दिल्ली

श्रीश्रीराम चेजारा
सागरपुर, दिल्ली

मोहन लाल कुमावत
चौमूं, जयपुर

कृष्ण गोपाल मारवाल
बावड़ी, श्री माधोपुर

इंजि. फनीश कुमार
जयपुर

श्रीमती पूनम कुमावत
सांगानेर, जयपुर

अमर चंद दांबीवाल
किशनगढ़, अजमेर

श्रीमती प्रियंका कुमावत
सोडाला, जयपुर

सुरेंद्र जायलवाल
ब्यावर

मनोज कुमार सिंघनवाल
कालवाड़ रोड, जयपुर

नंद किशोर कुदीवाल

सत्य नारायण कुंडलवाल
मानसरोवर, जयपुर

राजेंद्र मारवाल
नानी दमन

प्रेम चंद कुमावत

मदन लाल
गोपालपुरा, जयपुर

प्रशांत अजमेरा
प्रताप नगर, जयपुर

कृष्ण कुमार धुंधारिया
जयपुर

सीता राम कुमावत
गोपालपुरा, जयपुर

अनिल कुमार सिरसवा
जयपुर

राजीव असलीवाली

हेमंत कुमार वर्मा
बापू नगर, जयपुर

कैलाश चंद कुमावत

भानु प्रताप
अजमेर रोड, जयपुर

अमित कुमावत
चौमूं, जयपुर

गोपाल लाल डॉल
जयपुर

राम धन देवतवाल
जयपुर

महवीर प्रसाद खोवाल
बलसाड़, गुजरात

मनोज कुमावत
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

रामेश्वर वकील
अलवर

खेम चंद खडगटा

सत प्रकाश कुमावत
नीमराना, अलवर

ओम प्रकाश कुमावत
चौमूं, जयपुर

राजेंद्र प्रसाद कुमावत
सीकर रोड, जयपुर

राजेंद्र वर्मा
दिल्ली

ओम प्रकाश कुमावत
अलवर

रोहिताश कुमावत
न्यू बस स्टेण्ड, टोंक

राकेश कुमार घोडेला
सीकर रोड, जयपुर

सुरेश वर्मा

संरक्षक

श्री सुरेश वर्मा

(पुत्र श्री बंशीलाल वर्मा (किरोड़ीवाल))
3/729, पदमावती स्ट्रीट, मुगलीराखम, पुरोर, चेन्नई

आप बी.ई. (इलेक्ट्रीकल) उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद से किया है। आप कीमती व अर्द्धकीमती जैम्स स्टोन्स का कारोबार करते हैं। आपकी पत्नी श्रीमती सरोज वर्मा विजयनगर के श्री ओम प्रकाश एवं लीला कुमावत की पुत्री हैं तथा आपके एक पुत्री सुनयना वर्मा तथा पुत्र प्रणव वर्मा है। आपके पिता श्री बंशीलाल जी रेलवे से चीफ कॉमर्शियल मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं तथा टेरीटोरियल आर्मी में कैप्टन के पद पर रह चुके हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके व आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ट संरक्षक

श्री संजीव कुमार वर्मा

(पुत्र श्री भीमसिंह गुड़ीवाल)
405, रॉयल एवेन्यू, मानसरोवर एक्सटेंशन, जयपुर

आप द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय से बी.कॉम. किया है तथा उसके बाद बीजनेस एन्टरप्रेन्योर हैं। आप Airlift elevator, electronic, corporate & fashion shows events, Hotel Industries से जुड़े हुए हैं। साथ ही रियल एस्टेट कारोबार तथा बिजनेस कन्सलटेन्ट के रूप में सेवाएं देते हैं। आपकी पत्नी मनीषा वर्मा कैकटया ने बीएससी तक शिक्षा ली है तथा पुत्री गीतांशी वर्मा व पुत्र वेदांश वर्मा है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके व आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ट संरक्षक

श्री मुकेश कुमावत

(पुत्र श्री नवरत्न कारगवाल)
बी-35, बरकत नगर विस्तार, टोंक फाटक, जयपुर

आप कुमावत क्षत्रिय समिति बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर के संस्थापक सदस्य श्री नवरत्न कारगवाल के पुत्र हैं। आप महान टैन्ट हाउस का अनेक वर्षों से सफलता पूर्वक संचालन कर रहे हैं। आप द्वारा मैरीज एवं बिजनेस इवेंट्स का कार्य भी किया जाता है। आप सौम्य व्यवहार के धनी हैं तथा व्यवसाय में सफलता का राज, अच्छा व्यवहार व ईमानदारी से समय पर कार्य करना मानते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके व आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ट संरक्षक

श्री कैलाश खटोड़

(पुत्र श्री सागरमल)
श्याम सरोवर कॉलोनी, गोपालपुराबाईपास, जयपुर

आप मूलत: सीकर के हैं तथा ब्यावर में अपना कारोबार स्थापित कर नाम कमाया। आपने हाल ही में जयपुर में श्याम सरोवर कॉलोनी, गजसिंह पुरा, गोपालपुरा बाईपास पर के.के. ग्रेनाइट्स के नाम से ग्रेनाइट्स एवं टाइल्स का कार्य प्रारम्भ किया है। अच्छी किस्म तथा ईमानदारी को ध्यान में रखकर ये अपना कारोबार करते हैं। अच्छे स्वभाव के धनी हैं तथा सामाजिक कार्यों में अग्रसर रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके व आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने तथा
स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की **हार्दिक बधाई**

राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)
संपादक कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका
मंत्री कुमावत क्षत्रीय विकास समिति बरकत नगर, टोंक फाटक
मो. 9414074376

Apana Ashiyana (Girla P.G.) | Ashish Consultant
433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

कक्षा 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

97.80
दक्षत कुमावत
जयपुर

96.20
साहित्य खाटूवाल
जयपुर

95.40
जयश्री कुमावत
जयपुर

94.80
यंश कुमावत
कोटा

94.40
खुशी कुमावत
जयपुर

93.60
रवि कुमावत
आसलपुर, जयपुर

93.33
वर्षा कुमावत
अजमेर

93.00
विशाखा
जयपुर

93.00
गुंजन कुमावत
जयपुर

92.60
आरुषी कुमावत
जयपुर

92.20
चैनसुख कुमावत
आसलपुर, जयपुर

90.20
रेखा कुमावत
आसलपुर, जयपुर

92.20
महिमा कुमावत
जयपुर

91.80
रेनू कुमावत
जयपुर

90.60
मानस वर्मा
जयपुर

90.40
योगिता कुमावत
जयपुर

90.20
मुस्कान कुमावत
जयपुर

89.00
प्रणव कुमावत
जयपुर

88.80
सौरभ कुमावत
जयपुर

88.00
राहुल कुमार
जोबनेर, जयपुर

87.60
आकांक्षा कुमावत
इंदौर

86.60
माही कुमावत
जयपुर

86.20
दक्षिता कुमावत
जयपुर

86.00
हिमांशी कुमावत
जयपुर

85.40
काजल कुमावत
जयपुर

85.00
चाहत कुमावत
जयपुर

84.80
सोनू कुमावत
जयपुर

84.00
कार्तिका वर्मा
जयपुर

83.80
गायत्री कुमावत
जयपुर

83.00
विदिषा कुमावत
जयपुर

83.00
यामिनी कुमावत
जयपुर

82.60
देवांग कुमावत
जयपुर

82.60
माही कुमावत
जयपुर

82.40
जितेन्द्र कुमावत
जयपुर

81.00
कार्तिकय कुमावत
जयपुर

कक्षा 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

98.20
मोनाक्षी कुमावत
जयपुर

97.20
यशस्वी कुमावत
अलवर

97.14
राकेश कुमावत
हिंगोनिया, जयपुर

95.00
आशीष कुमावत
जयपुर

93.80
प्रत्युष कुमावत
फुलेरा, जयपुर

93.80
मोसम कुमावत
जयपुर

92.00
वनीस्का कुमावत
जयपुर

91.40
दिविता वर्मा
जयपुर

90.83
ऐश्वर्या कुमावत
जयपुर

90.60
भाव्या कुमावत
जयपुर

90.00
कनीशा कुमावत
जयपुर

84.83
आर्यन कुमावत
जयपुर

82.00
अंशुल बालोदिया
दुर्गापुरा, जयपुर

81.60
लक्ष्य कुमावत
जयपुर

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने की **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

कुमावत इंडिया महिला क्लब

सदस्या श्रीमती अमिता, भारती तोंदवाल, कृष्णा बड़ीवाल, बसंती, रेखा, शोभा, सुलोचना, मंजू, रेनू, पुष्पा, ऋतु एवं अन्य

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के

5 वर्ष पूर्ण होने तथा

76वें स्वतंत्रता दिवस

की **हार्दिक बधाई**

श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट

अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र कुमार नागा	संदीप नागा	चन्द्रजीत कुमावत

डी-114 ए, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर

श्री लालचन्द कुमावत (धुंधारिया)

को

भारतीय जनता पार्टी आदर्श नगर मण्डल में वार्ड 92 का शक्ति केन्द्र प्रभारी एवं '**हर घर तिरंगा**' कार्यक्रम के तहत 75वें **अमृत महोत्सव** के उपलक्ष्य में बूथ का संयोजक बनाने पर **हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।**

शुभेच्छु

अशोक परनामी पूर्व विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष भाजपा, श्याम सुन्दर सैनी पार्षद भाजपा वार्ड 91, राजेश कुमावत पार्षद, नीरज, सुरेश, आदित्य, राहुल धुंधारिया, हेमचंद खड़गटा, सुरेन्द्र नागा, सुरेन्द्र मारोठिया, रामप्रकाश मारवाल, मोहन लाल रेणीवाल, मोहन घोड़ेला, नवीन, पवन, प्रेमनारायण, कुणाल, यशु घोड़ेला, कृष्ण गोपाल, कमल किशोर, रवि रेणीवाल एवं समस्त मित्रगण

बी 37 बी आनन्दपुरी, आदर्श नगर, जयपुर मो. 9413335998

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के

5 वर्ष पूर्ण करने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

लाल चन्द धुंधारिया, सुरेश, आदित्य, राहुल, नीरज, राजेश कुमावत धुंधारिया पार्षद, हेमचन्द खड़गटा, सुरेन्द्र नागा, सुरेन्द्र मारोठिया, चन्द्र मोहन मारोठिया, जगदीश, जीतेन्द्र, महेश कसुम्बीवाल, नवल, रामगोपाल, भगवान सहाय, रामचरण, फूलचन्द बवेरीवाल, मिश्री लाल, बाबूलाल, रामलाल, रमेश, अशोक, राजेन्द्र बालोदिया, राजेन्द्र, प्रीतम दयाल खोरानिया, कन्हैयालाल सिरस्वा एवं समस्त मित्रगण एवं सामाजिक कार्यकर्तागण।

बी 37 बी आनन्दपुरी, आदर्श नगर, जयपुर मो. 9413335998

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के

5 वर्ष पूर्ण होने तथा

76वें स्वतंत्रता दिवस

की **हार्दिक बधाई**

राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया)

एडवोकेट

मो. 9887440666

ग्राम आकेड़ा चौड़, तहसील आमेर, सीकर रोड, जयपुर

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के

5 वर्ष पूर्ण होने तथा

76वें स्वतंत्रता दिवस

की

हार्दिक बधाई

मनोज सिरस्वा

प्रतिष्ठान :

मारुति जैम्स

शाह भवन 1321, किशनपोल बाजार, जयपुर

31, 32, सीताराम कॉलोनी, राम नगर, सोडाला, जयपुर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा

जयसिंह कुमावत

को

जिला मंत्री (ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर)

बनाये जाने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

बाबूलाल कुमावत
(गैदर)

शुभेच्छु :

राकेश कुमावत
एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय
मो. 9829152561

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

Badiwal Tax & Law Practitioner Pvt. Ltd.

- *INCOME TAX*
- *TDS*
- *GST WORKS*

Dahmi Balaji Stand, Dahmi Kalan, Ajmer Road, Bagru, Jaipur
Mob.: 9929012957, 9782292982

जयसिंह कुमावत

जिला मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

बनाने पर शीर्ष नेतृत्व का हार्दिक आभार

चेतन कुमावत

जिला अध्यक्ष
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

Since 40 years a Registered Firm

Ask for all kind of musical events
Specialty:
Old Melodies Film Songs, Gazals, 25th & 50th marriage anniversary and party songs

Mohan Kumar Balodia
(T-Series Singer)

Balodia's DIAMOND Orchestra

बालोदिया हाउस, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-4, मो. 98290-89930

Specialist in :
- 25th & 50th Marriage Anniversary Celebration Songs
- Marriage, Bhat & Mehandi Functions etc. Songs Collection
- Ladies Sangeet with Special Light & Sound Effects, Anchor Male / Fe-male & Choreographer
- Live Orchestra (Small & Large Scale 4 hands to 25 hands) & instrumentals music arrangement
- Versatile Singers Male & Female of Golden Era & Latest Songs
- Specialize in live stage shows with Film Stars & in memories of Play Back Singers / Music Directors of Golden Era
- A Unit of Audio Recording DIAMOND SUPER SOUND STUDIO
- माता जागरण, श्याम जागरण एवं भजन संध्या के लिये भी सम्पर्क करें।

Watch on YOUTUBE type : Balodias Diamond Orchestra or Mohan Kumar Balodia Songs
Web. : www.balodiasdiamondorchestra.com | E-mail: mohankbalodia@gmail.com

भजन "भजले राम राम" व "कृष्णा कृष्णा बोल" YouTube पर देखने के लिए" मोहन कुमार बालोदिया" टाइप करें

Mohan Kumar Balodia
Presents

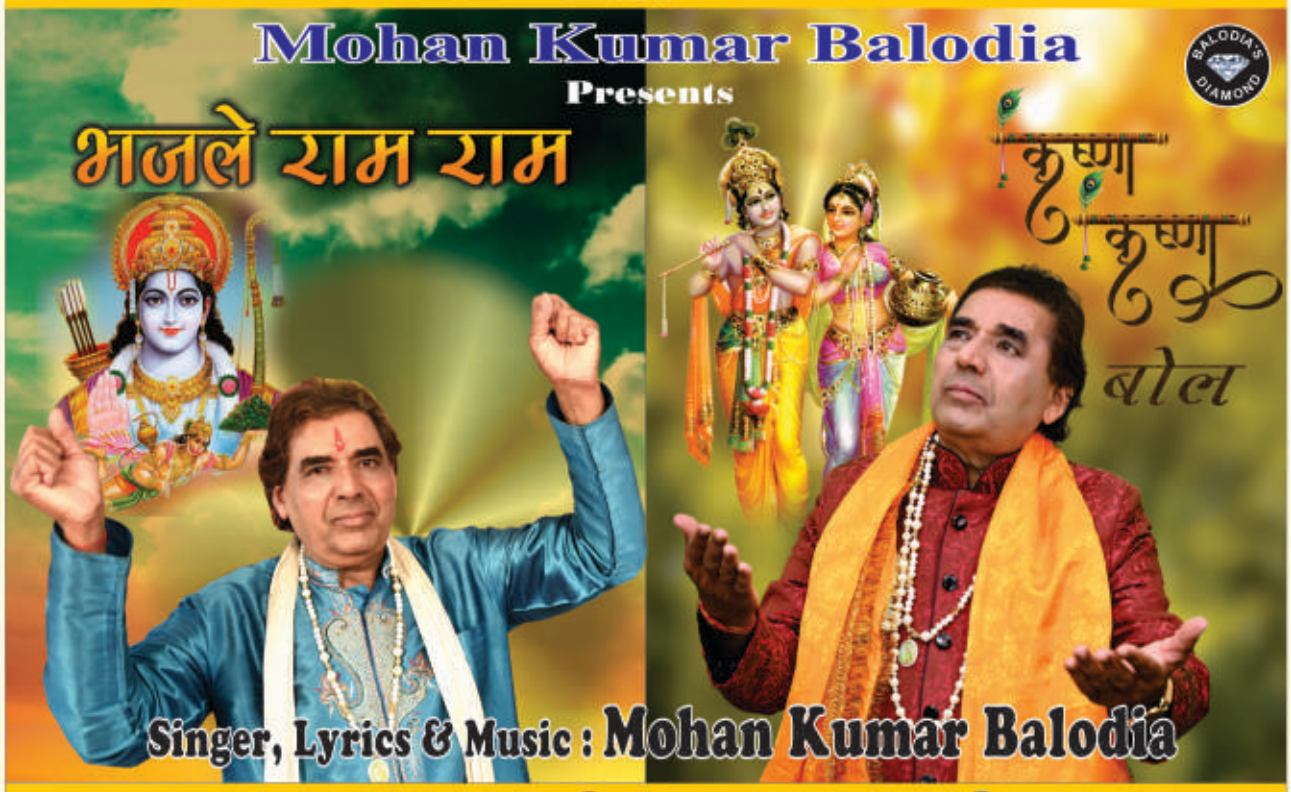

Singer, Lyrics & Music : Mohan Kumar Balodia

Subscribe /MOHANKUMARBALODIA
Follow /MOHANKUMARBALODIA
Follow /MOHANKUMARBALODIA
mohankbalodia@gmail.com
9829089930
9829089930

VISHAL

T | R | A | D | E | R | S

Vijay Varma : +91- 9825792291 Vishal Varma : +91- 9913513500

Bell SANITARY WARES

Jaquar experience bathing

ASTRAL where INNOVATION flows

PRINCE PIPING SYSTEMS

GOLDLINE THE NEW AGE BATH FITTINGS

BLUES The Colour of Water

Sintex

TRUBORE

Jaquel

VISHAL WATER TANK

Sanitary Wares • Pipes & Pipe Fittings • CP Fitting • Tiles • Geyser • Water Tank • Hardware, etc.

Shop No.3, Ravi Chamber, Behind Panchratna, G.I.D.C. Char Rasta, VAPI- 396 195 Gujarat (INDIA)
vishaltraders.vapi@gmail.com

JYOTI WATER TANK

VISHAL BATHWARE

SANITARY WARES, BATHROOM FITTINGS, PIPES AND PIPE FITTINGS, TILES, WATER TANKS, HARDWARE, ETC.

SHOP. NO. 65,36 AMIDHARA COMPLEX N.H. NO. 8, CHAR RASTA, VAPI. GUJARAT (INDIA)

Vijay Varma : +91- 9825792291 E-mail : vishalbathware@gmail.com Vishal Varma : +91- 9913513500

Sanitary Wares • Pipes & Pipe Fittings • CP Fitting • Tiles • Geyser • Water Tank • Hardware, etc.

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

श्रवण कुमावत
मण्डल अध्यक्ष, महेश नगर
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर
बनाने पर शीर्ष नेतृत्व का हार्दिक आभार

चेतन कुमावत
जिला अध्यक्ष
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

कर्मनिष्ठ – स्वाभिमानी

स्व. श्रीमती फूला देवी
स्वर्गवास: 20 मई, 2016

पिताश्री
स्व. श्री फूलचन्द जी बालोदिया
माताश्री स्व. श्रीमती फूलादेवी

की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र माधव बालोदिया (कुमावत) द्वारा

सेवा भारती समिति, आदर्श नगर इकाई
जयपुर के सहयोग से

रविवार दि. 5 जून 2022 को

स्व. श्री फूलचन्द जी बालोदिया
स्वर्गवास: 4 जून, 1990

नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं स्वास्थ्य चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन निवास पर किया गया।

जनरल फिजीशियन, होलिस्टिक हीलर, आहार उपचार, पथरी एवं मूत्र रोग, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, दन्त रोग, फिजियोथैरेपी चिकित्सा शिविर कैम्प

शिविर में डा. के. एल पोकरणा (पूर्व सहायक आचार्य (P.S.M.), S.M.S. सेवा निवृत उपनिदेशक चि. एवं स्वा. सेवायें (राज.) व शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने शिविर में पधारे स्वास्थ्य लाभार्थियों की जाँच की व उचित चिकित्सा परामर्श दिये

शिविर की झलकियां

कुमावत रत्न, श्री माधवजी बालोदिया जयपुर

सामाजिकता के आंगन में कुमावत रत्न **श्री माधवजी बालोदिया** समाजरूपी माला के वह मोती है जिन्होंने मात्र 20 वर्ष की उम्र में गुलाबी नगरी जयपुर में ''**माधव आर्ट्स**'' की स्थापना कर सिनेमा पोस्टर, विज्ञापन लेखन (साइन बोर्ड) कला के क्षेत्र में वर्चस्व प्राप्त किया, गत 8-9 जून को मालवीयनगर जयपुर में नवनिर्मित कुमावत भवन लोकार्पण समारोह में 1 लाख 21 हजार का आर्थिक सहयोग और कुमावत भवन नाम पट्ट का सहयोग करने पर ''**कुमावत रत्न**'' की उपाधि से सम्मानित किया गया, आप माता-पिता की स्मृति में पिछले 6 वर्षों से नि:शुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित कर गरीबों की सेवा कर रहे हैं, आपकी जीवन शैली मानवता के लिए मिसाल बन गई है जो 70 वर्ष की उम्र में भी ऊर्जावान बनकर समाजसेवा के साथ जनसेवा कर रहे हैं। **कुमावत इंडिया पत्रिका** आपके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की दुआओं के साथ शुभकामनाएं प्रदान करती है।

मासिक कुमावत इंडिया

Artist **MADHAV**

Ph. 0141-2618317, 9799398620

Madhav Dass Kumawat

"Balodia House", J-10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

Bansi Lal Kumawat
9414409961

Vishal Kumawat
9351604040

Amit Kumawat
9024263712

- TMT Bar
- M.S. Angle
- M.S. Pipe
- GI Sheets
- Profit Sheets
- Hardware
- M.S. Flat
- M.S. Section
- M.S. Bar
- GI Fittings
- Industrial Tools
- Sanitary Fitting
- Products

KUMAWAT TRADERS

A-26, Opp. Rajat Path, New Sangarer Road,
Mansarover, Jaipur-302020
Email: kumawattraders 1998@gmail.com

सितम्बर-2017 ■ मन को नियंत्रित कैसे करें ■ फार्मेसी के क्षेत्र में अपार संभावनाऐं- डॉ. पवन कुमार बासनीवाल ■ समय प्रबंधन ■ समाज की संस्थानों का उत्तरदायित्व क्या ?

अक्टूबर-2017 ■ शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा आवश्यक-कविता कुमावत (कलर्स इन्टरनेशनल स्कूल) ■ लाभ-शुभ की अवधारणा प्रो0 बी. के. कुमावत (उज्जैन) ■ संक्षिप्त वास्तु तत्व ज्योतिष सार-ओम प्रकाश वाचस्पति ■ मानवता की सेवा- सुरेन्द्र नागा ■ हवामहल के मुख्य शिल्पी कुमावत

नवम्बर-2017 ■ यशोलिप्सा से रहे दूर- प्रो0 बी0 के0 कुमावत (उज्जैन) ■ आस्था की त्रिवेणी देवी उठनी एकादशी का महत्व- हेमचंद खडगटा ■ वैवाहिक खर्ज के जरिये प्रतिष्ठा अर्जित क्या उचित ?

दिसम्बर-2017 ■ बच्चों के चरित्र निर्माण में पिता की भूमिका-कविता कुमावत (दिल्ली पब्लिक स्कूल, बांदीकुई) ■ हमारे शाश्वत जीवन मूल्य-वेद प्रकाश आर्य ■ सेना नायक जब मदन मुरारी हो-सुरेन्द्र नागा

जनवरी-2018 ■ सफलता, संतुष्टि और सुखी जीवन मार्ग व विधि-वेद प्रकाश आर्य ■ मुत्यु भोज ■ बेटी पराई क्यों ? ■ युवा शक्ति के प्रेरणा स्त्रोत युगनायक-स्वामी विवेकानन्द (जीवनी, भारत भ्रमण और शिकागो भाषण)-हेमचन्द खडगटा

फरवरी-2018 ■ मॉ-बच्चे-रेखा बेथाडिया ■ आन्हान-सामुहिक विवाह अपनाये ■ वृद्धजन परिवार की अनदेखी व बेरूखी से अवसाद में ■ अंक बनाम प्रतिभा-चिन्ताजनक होती ■ आधुनिक शिक्षा- मुकेश कुमार कुमावत, बोराज ■ वास्तविक उन्नति का रहस्य-प्रो0 बाल कृष्ण कुमावत, उज्जैन

मार्च-2018 ■ आधुनिक समाज में बढता मानसिक प्रदूषण-मुकेश कुमार, बोराज ■ ग्रीन ग्रोथ की संकल्पना- प्रो0 बी.के. कुमावत, उज्जैन ■ वैवाहिक संबंधो में विचारणीय विषय-मांगलिक दोष व उसका परिहार-आचार्य लोकेश कुमावत-ज्योतिषाचार्य ■ उपभोक्ताओं जागो और ठगी से बचो- कैलाश कुमावत (सी.ए.एन.एस.)

अप्रेल-2018 ■ आखिर कब बंद होगा टांग खिचाई का सिलसिला-मुकेश कुमावत, बोराज ■ क्या हम उरूग्वे से कुछ सीख सकते है ? (जनसंख्या 33 लाख, गायें 1.20 करोड़)

मई-2018 ■ दिमाग के गंदे बीजों को सोशल मीडिया के खेत में न बोए- मुकेश कुमावत, बोराज ■ सूर्यादि ग्रहों के व्रत व उनके लाभ-आचार्य लोकेश कुमावत (ज्योतिष विशारद) ■ वोट बैंक की अक्षुणता का महारोग-प्रो0 बी.के. कुमावत, उज्जैन ■ ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार नौ आदते आपके जीवन मे अवश्य होनी चाहिये-राम प्रकाश मारवाल ■ केदारनाथ को क्यों कहते है, ''जागृतमहादेव'' ■ कुमावत समाज की वर्तमान स्थिति

जून-2018 ■ सामाजिक उत्थान के लिए नैतिकता जरूरी-मुकेश कुमावत, बोराज ■ बुजुर्गो का सम्मान-उर्वशी बालोदिया ■ अंगदान महादान जिससे मिलता है जीवनदान-रामप्रकाश कुमावत, एडवोकेट ■ चुनाव और कुमावत समाज-नारायण लाल सिरोहिया ■ एक प्रयास समाज को एकजुट करने का

जुलाई-2018 ■ श्री अंकिचन जी महाराज के नैतृत्व में कैलाश मानसरोवर यात्रा-वृतान्त ■ हम क्या है व किस तरह सोचते है ? ■ जैसा खाए अन्न-वैसा रहे मन-रामप्रकाश मारवाल ■ ज्योतिर्लिंग ■ शिक्षा:- योग्यता बनाम शिक्षा- मुकेश कुमावत, बोराज ■ वास्तव में महान कौन ?- प्रो0 बी.के.कुमावत, उज्जैन ■ समाज सुधार हेतु कदम उठाये-उर्वशी बालोदिया ■ बुजुर्गो का सम्मान-उर्वशी बालोदिया

अगस्त-2018 ■ वास्तुकार श्री भरत कुमावत, कोटा ■ समाज सुधारक या सोशल मीडिया मास्टर ■ 'मंथन' सामाजिक समरसता व एकता मिशन-2018 पुष्कर ■ आदर्श राजनेताओं के पवित्र जीवन से ले प्रेरणा

सितम्बर-2018 ■ कुमावत समाज और राजनीति - मुकेश कुमावत, मुम्बई ■ क्षत्रिय कुमावत समाज के विकास के जिम्मेदार कौन ? - श्री मनोज सिंह ■ बच्चों के रिश्ते हाथ से क्यों निकल जाते हैं ?- हेमचन्द खड़गटा ■ रोगानुसार गाय के घी का उपयोग ■ धूम्रपान के जाल में वर्तमान युवा- मुकेश बोराज ■ पुत्र-पुत्री दोनों समान

दिसम्बर-2018 ■ पराई बेटी- गणेश कुमावत

जनवरी-2019 ■ ज्वलंत मुद्दा : पाश्चात्य संस्कृति का प्रभावी करण- मुकेश बारोज ■ चेहरा- मुकेश नीमीवाल ■ कृषि पंचांग - भीमाराम कुमावत

फरवरी- 2019 ■ विवाह सम्बन्ध हेतु गोत्र की आवश्यकता कितनी सार्थक ■ वेलन्टाइन डे v/s बसन्तोत्सव- मुकेश बोराज ■ कुम्भ : शाही स्नान क्या है ? ■ जिन्दगी मुम्बई की लोक ट्रेन - मुकेश नीमीवाल

मार्च-2019 ■ समाज में महिलाओं को आगे लाओ व कुरूंतियां मिटावों - सीमा बासनीवाल ■ वरमाला पवित्र कार्य बनता मजाक ■ बहस : समाज सेवा ■ राजनीति की बिसात पर एकसूत्र हो समाज - भारती तोंदवाल ■ असली तरक्की की चाबी महिला - मुकेश बोराज ■ लोकसभा चुनाव ... भय बिन होत न प्रीत

अप्रेल-19 ■ कुमावत करेगा नोटा - नारायण लाल वर्मा ■ अपने जीवन में लाये सकारात्मक सोच - राजेन्द्र जूनवाल ■ बहस : गौत्र एव गणजोपे

मई-19 ■ महिलाओं को बढ़ने के लिए जरूरी है आपकी छोटी सी पहल ■ स्तनपान माँ-बच्चे के लिए श्रेष्ठ ■ ध्यान आकर्षण -बनज कुमार 'बनज' ■ क्यों टूट रहे रिश्ते - उर्वशी बालोदिया

जून-19 ■ शार्ट हैण्ड क्या है ? -जयसिंह गुडीवाल ■ लोकतंत्र के परिणाम और हम - मुकेश कुमावत बोराज

जुलाई- 19 ■ नारी अबला या सबला-रेखा बैथाड़िया ■ जयपुर युनेस्को की विश्व विरासत में शामिल - एम.एल. कुमावत IRS (Reted.)

अक्टूबर-2019 ■ दीपावली पर एक दीप यह भी-नारायण लाल सिरोहिया ■ कुमावत समाज में विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों? -सुनीता मारवाल ■ दीपावली मनायें पर सावधानी से- श्रीमती सोनम कुमावत ■ समृद्धि का प्रतीक दीपावली- डॉ. राजेन्द्र जगन्नाथ्या

नवम्बर-2019 ■ मानव सभ्यता की पहचान है ''संयुक्त परिवार'' - जयसिंह गुड़ीवाल ■ परिवर्तन संसार का नियम - सुनीता मारवाल ■ समाज को कलंकित करता प्री-वेडिंग रूपी प्रदूषण - मुकेश बोराज ■ मोबाइल फोन से बच्चों की आँखें हो रही टेढ़ी ■ यातायात के नियमों का पालन करें और आदर्श नागरिक बनें - उर्वशी बालोदिया

दिसम्बर-2019 ■ दृष्टिकोण हो अपना- बनज कुमार 'बनज' ■ इंटरनेट एक वरदान या अभिशाप - मुकेश नीमिवाल ■ ज्वलंत मुद्दा : बढ़ती भोजन की बर्बादी

अगस्त-सितम्बर-2019 ■ जीवन में सफलता के लिए वाणी मधुर एवं मर्यादित करें-ओमप्रकाश सिरस्वा ■ कैसे छिपाया जाता है ऑनलइन ठगी का जाल -मुकेश बोराज

जनवरी-2020 ■ किसने कहा किसने सुना - बनज कुमार 'बनज' ■ ताकि कोई निभर्या न बने- भारती तोंदवाल ■ भूले हम विरासत को- मुकेश नीमिवाल ■ शौर्य, कला, शिल्प का संगम है राजस्थान ■ आखिर क्यों जरूरी है मतदान -मुकेश बोराज

फरवरी 2020 ■ समाज में महिलाओं की भूमिका - जयसिंह गुड़ीवाल ■ मैंने कही तूने सुनी -बनज कुमार 'बनज' ■ तुष्टीकरण का जहर - मुकेश नीमिवाल

मार्च-मई-2020 ■ सामाजिक संस्थाओं को हानि पहुंचाने वालों से सावधान ■ 8 मार्च- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस ■ पत्नी-वामांगी ■ मेरी बात- बनज कुमार 'बनज' ■ राजनीति को-रोना :-मुकेश बोराज ■ विवाह की उम्र, सोचनीय विषय 5 सुनीता मारवाल ■ भारत में विवाह-एक जानकारी ■ परीक्षा के तनाव से कैसे बचे - मुकेश बोराज ■ बच्चों को अच्छे संस्कार दें

जून-2020 ■ आखिर क्यों पिछड़ा रह गया कुमावत समाज ■ खाना झूंठा नहीं छोड़ें

जुलाई-2020 ■ मृत्युभोज जैसी कुप्रथा पर कानूनी रोक ■ बाबा रामदेव जी- बनज कुमार 'बनज' ■ सामाजिक सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका। ■ कोरोना काल-आर्थिक संकट से बचने का सवाल -मुकेश नीमिवाल

अगस्त-2020 ■ वर्ण व्यवस्था-सोच विचार -बनज कुमार 'बनज' ■ आजादी के सपने का क्या हुआ - रमेश गैदर ■ सामाजिक आर्थिक साक्षरता - मुकेश नीमीवाल

सितम्बर-2020 ■ पंजीकृत संस्था बनाकर ही मंदिर निर्माण करावें - हेमचन्द खड़गटा

अक्टूबर-2020 ■ कोरोनाकाल और पिसता मूक मध्यम वर्ग-मुकेश नीमिवाल ■ राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पिछड़ता कुमावत समाज - रूपेन्द्र कुमावत ■ कुमावत शिल्पियों के बनाये गढ़, महल व ईमारतों में बाल जितना भी दोष नहीं - जितेन्द्र सिंह शेखावत वरिष्ठ पत्रकार

नवम्बर-2020 ■ कर लो दुनिया मुट्ठी में - क्या सही है ? ■ कुमावत समाज के पिछड़ेपन के कारण -सी.एम. कुमावत ■ कुण्डली मिलान व समाज की वेदना ■ कुमावत समाज की देन-8वीं सदी के स्थापत्य, शिल्पकला व मूर्तिकला ■ बहस: दहेज तथा भात प्रथा का औचित्य

दिसम्बर-2020 ■ जयपुर के स्थापना में कुमावत जाति का योगदान ■ सामाजिक संस्थाएं व चुनाव ■ कोविड-19 के हम पर असर और बेअसर -मुकेश नीमिवाल ■ पढ़ाई के साथ हुनरमंद बनिये ■ बड़ा आदमी - उर्वशी बालोदिया

जनवरी-2021 ■ रामायण की प्रासंगिकता - भारती तोंदवाल ■ अपना आर्थिक व्यवहार करें : संग कुमावत परिवार ■ सिन्दूर से बिछिया तक सोलह श्रृंगार का राज - सोनम ■ हमारे आदर्श - उर्वशी बालोदिया

फरवरी-2021 ■ जयपुरनामा -यशपाल कण्डेरीवाल ■ धीरे-धीरे खत्म होता : मातृत्व अंकित कुमावत एक पहचान ■ आधुनिकता या महिला सशक्तिकरण - रवीना तोंदवाल ■ युवा ही समाज का भविष्य, पर संस्कार न भूले ■ भ्रम जो कोरोना ने तोड़े, सबक जो कोरोना ने दिये- जयसिंह गुड़ीवाल

मार्च-2021 ■ मुर्हूत के अनुसार विवाह नहीं करने के परिणाम - लालचंद धुंधारिया ■ महिलाओं को प्रतिदिन व्यवहारिक सम्मान दें - उर्वशी बालोदिया

अप्रेल-2021 ■ कुमावत जन्मजात अभियंता - डॉ. बीएल कुमावत, अचरोल ■ विवाह एवं ज्योतिष एक विश्लेषण - राजेन्द्र प्रसाद खोराणिया ज्योतिर्विद ■ मोबाइल का हमारे जीवन पर प्रभाव - उर्वशी बालोदिया

मई-2021 ■ अपनी बेटियों को आत्मनिर्भर बनायें ■ मनुष्य समाज @ सामाजिक बुराई -मुकेश बोराज ■ कोरोना के दौर में महिलाओं की चुनौतियां- रमेश गैदर ■ क्या है एबीसीडी भक्ति की।

जून-2021 ■ शादी का लड्डू - मुकेश बोराज ■ समाज सेवा : एक अतुल्य सेवा - उर्वशी बालेदिया

जुलाई-2021 ■ आटा-साटा -मुकेश बोराज ■ श्रीमद् भागवत पुराण ■ अश्लीलता का समाज पर दुष्परिणाम ■ बढ़ती उम्र को स्वीकारें-भारती तोंदवाल ■ परिवार क कवच है,इसके अभिन्न अंग बनें।

अगस्त-2021 ■ कलयुग ही नहीं द्वापर युग में भी जीवन रक्षा के लिए किया था लॉकडाउन-जयसिंह गुडीवाल ■ राजस्थान के प्रसिद्ध लोकदेवता रामदेवजी ■ हिन्दी कल, आज और कल-रेणु कुमावत ■ आखिर शिक्षा क्यों जरूरी है ? - मुकेश बोराज ■ कृष्ण, कृष्ण और कृष्ण : श्री कृष्ण के जीवन के अनजाने और रहस्यमयी तथ्य

सितम्बर-21 ■ पितृपक्ष और भारतीय परम्परा ■ देव व दानवों के युद्ध के दौरान देव पत्नियों ने भी किया था करवा चौथ व्रत - सोनम कुमावत ■ वैवाहिक सम्बन्धों में बिखराव - उर्वशी बालोदिया

अक्टूबर-2021 ■ दीपावली और व्यापारिक पुरुषार्थ ■ दीपावली के अवसर पर विभिन्न लेख

नवम्बर-2021 ■ 294 वाँ स्थापना दिवस जयपुर - ओम प्रकाश कण्डेरीवाल ■ शादी के बाद ससुराल में बनाए अपनी खास पहचान - सोनम कुमावत ■ युवा होते बच्चों का परिवेश - रवीना तोंदवाल ■ स्त्रियों के सुन्दरकाल सुन्दरता और सौभाग्य का प्रतीक- मेघना कुमावत

दिसम्बर-2021 ■ ईश्वर की साझेदारी : नववर्ष के संकल्प - मुकेश नीमिवाल ■ ऐसे करें नव वर्ष का स्वागत -जयसिंह गुडीवाल ■ सदियों पुराना है पंतगबाजी का इतिहास

जनवरी-2022 ■ कैसे बनाएं पत्रकारिता में कैरियर-रवि कुमावत

फरवरी-2022 ■ इसके बिना अधूरी है जयपुर की होली ... गुलाल गोटा - जयसिंह गुडीवाल की रिपोर्ट ■ चिताओं की राख से खेलते हैं मणिकर्णिका घाट की होली -जयसिंह गड़ीवाल

मार्च-2022 ■ विश्व जल दिवस : आओ बचाये जल ■ विवाह में केवल गुण या सम्पूर्ण कुण्डली मिलान - डॉ. योगेश ज्योतिषाचार्य ■ शादियों में धन के साथ अन्न का अपव्यय रोकें -रमेश गैदर

अप्रेल-2022 ■ महिला शिक्षा के प्रेरक पुंज ज्योतिराव फुले ■ दक्षिण का वास्तु

मई-2022 ■ योग खुद के लिए खुद के माध्यम से खुद की यात्रा है ■ माता-पिता भगवान का अनमोल आशीर्वाद ■ बाल विवाह एक कड़ी चुनौती, उन्मूलन जरूरी

जून-2022 ■ समान नागरिक संहिता

आपका स्वास्थ

अगस्त-2017 ■ साइनस के मरीज रखे ख्याल- अशोक कुमावत ■ नवजात शिशु की देखभाल कैसे करें-लेखक डॉ. ओ.पी. बालोदिया ■ बारिश के मौसम मे त्वचा की देखभाल-लेखक डॉ. महेश कुमावत

सितम्बर-2017 ■ मधुमेह-नियंत्रण

अक्टूबर-2017 ■ असमय होने वाली जुकाम और कमर दर्द से पीडित रखे कुछ खास बातों का ख्याल- अशोक कुमावत (एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ) ■ चाय-कॉफी के पेपर कप को नकार दे ■ बोतल बंद पानी-स्वास्थ की हानि

नवम्बर-2017 ■ स्थानीय, ताजा व जैविक (ऑर्गेनिक) खाद्य वस्तुऐं खाऐं।

दिसम्बर-2017 ■ प्राकृतिक चिकित्सा की और लौटे-प्रो. बी.के. कुमावत ■ बदलते मौसम मे शिशुओं की देखबाल-डॉ. ओ.पी. बालोदिया

जनवरी-2018 ■ सर्दी, जुकाम सावधानियां व बचाव के उपाय

मार्च-2018 ■ स्वस्थ व निरोग त्वचा-सावधानियां व उपाय ■ पहला दांत निकले तभी से रखे ध्यान-डॉ. संजय कुमावत, बीडीएस

अप्रेल-2018 ■ घी के स्वास्थ लाभ-राजेश प्रसाद कुमावत

मई-2018 ■ मोटापा, कारण और बचाव ■ तीन क्लेशों से मुक्ति (ताप त्रय उन्मूलन)

जून-2018 ■ खुश रहने के नुस्खे-नवीन ■ कभी-कभी होने वाला सिरदर्द भी हो सकता है घातक-डॉ कुणाल राजोरिया, होम्योपेथ विशेषज्ञ

जुलाई-2018 ■ सब्जियों के पोषक तत्व व फायदे ■ स्वास्थ वर्धक है मिटटी के बर्तन का उपयोग ■ ताकि सफर सुहाना रहे-भारती तोंदवाल

दिसम्बर-2018 ■ शारीरिक उन्नति हेतु विशुद्ध आहार - सरोज आर्य

जनवरी-2019 ■ भोजन द्वारा चिकित्सा गुड व तिल अमृत ■ बाजरा खाने से कई फायदे

फरवरी-2019 ■ सर्दी के मौसम में खाने की डाइट प्लान - रेखा बैथाड़िया

मार्च-2019 ■ कैंसर के बारे में बातचीत के महत्वपूर्ण अंश - रघुनाथ कुमावत

अप्रेल-2019 ■ मसाला ही नहीं, औषधि भी है धनिया - सपना कुमावत ■ आँखों के नीचे के काले घेरे -अशोक कुलहरि

जून-2019 ■ सेहत और ब्यूटी का खजाना मेथीदाना

जुलाई-2019 ■ इन चीजों को भिगोकर खाना सेहत के लिए लाभदायक

नवम्बर-2019 ■ ताली बजाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

दिसम्बर-2019 ■ 'दूध+दालचीनी' पीने के फायदे
जनवरी-2020 ■ नींबू-खूबसूरती में लाये निखार ■ स्वास्थ्य दोहावली
फरवरी-2020 ■ स्वास्थ्य व सौन्दर्य का राज: तेल मालिश ■ प्याज खाना क्यों मना ■ सर्दी व बदलते मौसम में ध्यान देने वाली कुछ खास बातें
मार्च-मई-2020 ■ आरोग्य
जून-2020 ■ बारिश के मौसम के लिए सुझाव ■ इस तरह करें बारिश के महीने में स्वास्थ्य की देखभाल
दिसम्बर-2020 ■ ठंड में जरूर खाये ये चीजें ■ आयुर्वेद के दोहे
फरवरी-2021 ■ जो पीये लस्सी वो जीये अस्सी - मेघना कुमावत
मार्च-2021 ■ तुलसी का पौधा-जयसिंह गुडीवाल
अप्रेल-2021 ■ ग्रीष्म ऋतु की बीमारियां
जून-2021 ■ अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा उपहार
जुलाई-2021 ■ भोजन कैसे करें।
अक्टूबर-2021 ■ टीकाकरण एवं स्तनपान बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए जरूरी - डॉ. ओ.पी. बालोदिया
अप्रेल-2022 ■ गर्मियों में बच्चों की देखभाल : डॉ. ओ.पी. बालोदिया

कानूनी जानकारी

अगस्त-2017 ■ आम व्यक्ति के लिए भरण-पोषण के अधिकार- राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया), एडवोकेट
सितम्बर-2017 ■ एक जागरूक उपभोक्ता का कवच-उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986- राम प्रकाश कुमावत, एडवोकेट
अक्टूबर-2017 ■ हमारे अधिकार पुलिस के साथ- राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया), एडवोकेट
नवम्बर-2017 ■ बालकों के कानूनी अधिकार- राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया), एडवोकेट
दिसम्बर-2017 ■ कानून द्वारा समाज में कुरीतियों पर रोक संबंधित प्रावधान- राम प्रकाश मारोठिया, एडवोकेट
जनवरी-2018 ■ मोटर वाहन से संबंधित नियमों की जानकारी- एडवोकेट सुरेश व ममता कुमावत
मार्च-2018 ■ निशुल्क कानूनी एवं प्रतिकर सहायता संबंधित प्रावधान- राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया), एडवोकेट
मई-2018 ■ मध्यस्थता, सर्वोत्तम वैकल्पिक विवाद निस्तारण तकनीक- राम प्रकाश मारोठिया, एडवोकेट
अगस्त-2018 ■ विद्यार्थी रैगिंग एक अपराध - राम प्रकाश कुमावत, एडवोकेट
अप्रेल-2019 ■ वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों का संक्षिप्त विवरण
मई-2019 ■ बंदियों के अधिकार - मनीष कुमावत एडवोकेट
मार्च-मई-2020 ■ महिला अधिकारिता द्वारा क्रियान्वित किये जाने वाले कानून ■ किसी की मानहानि करना कानूनी अपराध
अक्टूबर-2021 ■ प्राइवेट सिक्यूरिटी एजेन्सी ■ पूंजी कैसे बनायें ?

खेल प्रतिभा परिचय

अगस्त-2017 ■ अंशिका कुमावत-बैडमिंटन ■ महत्व कुमावत-रोलर स्केटिंग
सितम्बर-2017 ■ प्रज्ञा कुमावत- राष्ट्रीय कराटे चैम्पियन
अक्टूबर-2017 ■ राज कुमावत, उदयपुर
दिसम्बर-2017 ■ प्रियंका कुमावत, बैडमिंटन
जनवरी-2018 ■ 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने किया खेल प्रतिभाओं व जादूगर आंचल का सम्मान, पवन कुमावत (वेट लिफ्टर), सुरेश कुमावत (वेट लिफ्टर), प्रियंका कुमावत बैडमिंटन, रेणुका कुमावत कराटे, हनी तीरंदाजी, मनीष कुमावत वालीबाल
मार्च-2018 ■ प्रियंका कुमावत (बैडमिंटन) को रू 40 हजार की शटल कॉक सहायता-द्वारा कुमावत इंडिया पत्रिका

स्मृति शेष/ परिचय

अगस्त-2017 ■ **स्व0 जी.बी. नाईक** (बैताडे)-परिचय (आमची जात पुस्तक)
मार्च-2018 ■ **प्रसिद्ध चित्रकार**- स्व0 सीताराम मारवाल, **कुचामन**
जून-2018 ■ **आलोक के प्रेणेता** श्री श्याम लाल कुमावत ■ **दिवगंत विभूति**-प्रो0 बी0एन0 लूनिया
जुलाई-2018 ■ स्व0 श्री राम स्वरूप दोराया
सितम्बर-2018 ■ स्व. श्री अर्जुन किशोर खण्डारिया, ठेकेदार
दिसमबर-2018 ■ श्री बद्रीनारायण वर्मा CA(घोड़ेला)
जनवरी-2019 ■ स्व. श्री कलजी उस्ताद, जयपुर ■ धर्मानुरागी श्री श्योजीराम जी चूनेवाले (घोड़ेला)
फरवरी-2019 ■ स्व. श्री ईश्वर लाल मण्डावरा, समाजसुधारक
अप्रेल-2019 ■ श्रीमती यशोदा खोराणिया
मई-2019 ■ डॉ. हरगोविन्द वर्मा ■ आखिर कब मृत्युभोज की कुप्रथा का अन्त होगा! -मुकेश कुमार बोराज
जुलाई-2019 ■ डॉ. एन.के. कुमावत (घोड़ेला)
अगस्त-सितम्बर-2019 ■ स्व. श्री साधुराम चेजारा
अक्टूबर-2019 ■ श्री श्रीराम वर्मा
जून-2020 ■ शहीद अजय कुमावत ■ स्व. श्री गोपाल सिंह नन्दीवाल ■ स्व. श्री बाबूलाल वर्मा, मुम्बई
जुलाई-2020 ■ स्व. श्री धनपतराम खोराणिया
नवम्बर-2020 ■ अद्भुत कलाकार स्व. श्री लालचन्द मारोठिया
दिसम्बर-2020 ■ एडवोकेट श्री लादूराम कुमावत, ब्यावर
जनवरी-2021 ■ श्री महादेव चौरसिया
मई-2021 ■ श्री विनोद बालोदिया (राजब्लॉक्स) ■ स्व. श्री जगन्नाथ जी अजमेरा ■ स्व. श्री सुरेन्द्र राज (खोवाल)
सितम्बर-2021 ■ स्व. श्री भौंरीलाल वर्मा (मास्टर जी) (108वीं जयंति पर विशेष)
मई-2022 ■ श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा

कुमावत जाति

कुमावत जाति मुख्यत: राजस्थान के मेवाड़, ढूंढाड़, मारवाड़, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, निमाड़, महाराष्ट्र आदि तक विस्तृत है। इनका मुख्य व्यवसाय भवन निर्माण कार्य तथा कृषि कार्य रहा है। भवन निर्माण कार्य के साथ-साथ हस्तशिल्प, चित्रकारी, कांच की जड़ाई संबंधी कार्य में भी कुमावत सिद्धस्थ रहे हैं। राजस्थान में किले, महल, तालाब, बावड़ी तथा इमारतों का निर्माण कुमावत कारीगरों द्वारा किया गया है जो तत्समय के उन्नत वास्तुशिल्प कला को प्रकट करता है। इन्हें आज देश-विदेश के पर्यटक देखकर आश्चर्यचकित हैं। इन इमारतों में बाल बराबर भी कमी देखने को नहीं मिलती है। कैसे उस समय ऊँची पहाड़ियों पर इनका निर्माण किया गया होगा।

कुमावतों का स्थापत्य में योगदान : आमेर के महलों में इमारतों का निर्माण कुमावत कारीगरों द्वारा किया गया। जयपुर का हवामहल लालचन्द उस्ता, अल्बर्ट हॉल के प्रसिद्ध वास्तु शिल्प कुमावत रामबक्श उस्ता थे वहीं इस कलात्मक भवन का सम्पूर्ण निर्माण प्रसिद्ध वास्तुशिल्पी स्व. श्री नारायण मिस्त्री की देखरेख में पूरा हुआ। विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ 'जयपुर-जेम ऑफ इण्डिया' में उल्लेखित है कि जयपुर के कच्छावा रियासत में आगरा के ताजमहल के लिए भूमि दान में दी वहीं इसके निर्माण के लिए जयपुर के कुमावत शिल्पी भेजे गए। चित्तौड़ किले में विजय स्तम्भ आदि अनेक इमारतों का निर्माण तथा उनका पुनरुद्धार कुमावत कारीगरों द्वारा किया जाना वर्णित है। यहां कुमावत जेताराम मिस्त्री, खेताराम, नाथाराम मिस्त्री, मण्डन मिस्त्री के अलावा अन्य कारीगरों का इतिहास में नाम अंकित है। कुम्भलगढ़ के निर्माण में भी कुमावत कारीगरों का योगदान आज भी गढ़ की विशालता की तरह प्रकट होता है।

कुमावतों की उत्पत्ति : विभिन्न इतिहासकारों ने कुमावतों की उत्पत्ति के बारे में अपने भिन्न-भिन्न मत दिए हैं। इनमें से फुलेरा के विद्वान चिंतक छोटेलाल शर्मा की लघु प्रति **राजकुमार वंश निर्णय** वर्ष 1921 में प्रकाशित में बताया गया है कि राजकुमार वंश को चौहानों की एक शाखा माना गया तथा पृथ्वीराज चौहान के पतन के बाद चौहानों की यह शाखा राजकुमार में परिवर्तित हो गई। यह वंश उच्च वर्ग का रहा है। कालान्तर में जब शिल्प जातियां विकसित हुईं तो कुमावत वंश को राजकुमार, कुमार, खेतेड़ कुम्हार, मिस्त्री, चेजारा, कारीगर, राज, उस्ता, गजधर, नायक, सिलावट, शिल्पवत, कड़िया, गवंडी, कुमावत, अटालिकार आदि नामों से जाना गया।

एशियाटिंक रिसर्चेज, वाल्यू. 4 पृष्ठ 340 के अनुसार सन् 1192 के तराईन युद्ध में पराजित होकर चौहान देश के पूर्वी भाग में चले गए और अपने राज्य कायम किए। इनमें से अनेक परिवारों ने अपनी जीविका के लिए राजशिल्पी तथा कृषक कृषि कार्य अपना लिया तथा मुस्लिमों से अस्तित्व की रक्षा के लिए राजकुमार कहलाना प्रारम्भ कर दिया।

'आमची जात' पुस्तक के लेखक श्री जी.बी. नायक ने सन् 1916 में कुमावत जाति का इतिवृत्त लिखा जिसमें उन्होंने कुमावतों को कुम्हार या राजकुमार का प्रतिरूप मानते हुए प्राचीन जातियों में सम्मिलित माना। परवर्ती काल में इनके वंशज खेती तथा अन्य व्यवसाय करने लगे। श्री बैथाड़े जी ने अपने अनुसंधान में कुमावतों को सूर्यवंश की शाखा का क्षत्रिय बताया है।

कुमावत जाति संबंधी ऐतिहासिक पुस्तकें : आमची जात (कुमावत क्षत्रिय जाति का इतिहास) लेखक श्री जी.बी., नाईक (1916), राजकुमारवंश निर्णय लेखक श्री छोटेलाल शर्मा, फुलेरा (1921), कुमावत क्षत्रिय वंश दर्पण लेखक डालचंद घटोला, इन्दौर (2005), सूर्यवंश प्रकाश लेखक श्री रमेश सिंह, गिरधारी लाल, त्रिनगर, दिल्ली (2008), कुमावत जाति का इतिहास लेखक राव हनुमानदान लांगिया, पाली, कुमावत क्षत्रिय इतिहास लेखक ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति, जयपुर (2008) तथा कुमावत क्षत्रिय समाज का संक्षिप्त इतिहास लेखक डॉ. श्याम सुन्दर निगम, उज्जैन (2014)

इन पुस्तकों में वर्णित किया गया है कि रामायण-महाभारत काल से लेकर भारत के अंतिम हिन्दू सम्राट महाराज पृथ्वीराज चौहान तक हमारा समाज प्राचीन क्षत्रियों की धारा में रहा। **राजस्थान का इतिहास** कुशवाहा वंशावली, नाथावतों का इतिहास, जैसलमेर इतिहास व अन्य इतिहासों में वर्णन है कि मुगलों के अत्याचार से जीवनरक्षार्थ बहुत से क्षत्रिय खेतेड़ (कृषक) व शिल्पी बन गए। इतिहासकार राय बहादुर मुंशी, देवी प्रकाश जी मुंशी ने जोधपुर मर्दुमशुमारी राज्य मारवाड़ भाग-3 में ऐसा ही वर्णन किया है। **कुमावत क्षत्रिय समाज का राजपूत जातियों से खान-पान, बेटी व्यवहार आदि का सम्बन्ध कभी नहीं रहा।** महाराणा कुंभा के समय चित्तौड़ में कुमावत समाज बहुतायत में था। ये लोग दुर्ग निर्माण, सुरक्षा संबंधी गतिविधियों तथा कृषि कार्य करते थे। महाराणा कुम्भा के आदेश पर भी कुमावतों ने कुम्भलगढ़, राण, पिलोदा और ब्रह्माजी के मंदिर का निर्माण किया था। इन निर्माणों के सूत्रधारों में लालाजी पीलोदिया, कालू जी नगरीया, भाना जी उदयवाल, हुकमा जी जलांधरा आदि प्रमुख थे। **महाराणा कुम्भा ने क्षत्रिय शिल्पियों को विजय महोत्सव में सम्मान दिया था।**

भोपा लक्ष्मीनारायण कुमावत गाथा गाया करता था, उसे सुनकर रानी लक्ष्मीकुमारी चूड़ावत ने बगड़ावत देवनारायण गाथा पुस्तक लिखी। इस पुस्तक के कई प्रसंगों में बताया गया है कि पिलोदा का सामन्त कुमार राणा के बराबर बैठने का हक रखता था। अनेक जगह कुमार सामंत तथा यौद्धा होना वर्णित है।

कुमावत सन्त श्री कूबाजी महाराज

संत महापुरुषों की अवतारों की कड़ी में राजस्थान प्रांत की पवित्र भूमि पर पाली शहर में भक्त शिरोमणी संत कूबाजी महाराज एक देवीत्यमान नक्षत्र की तरह अवतरित हुए। मथुरा के पास वोरनी ग्राम यमुना नदी के किनारे बसा है। वहां भागवत भक्त पं. राममिश्र जी ब्राह्मण निवास करते थे। उनकी पत्नी का नाम सुखदेवी था। उनके परिवार में वैशाख सुदी संवत् 1500 के दिन एक पुत्र रत्न हुआ, उसका नाम केवलराम रखा। जब केवलराम 4 वर्ष के थे तो उनके पिता का सांप डसने से स्वर्गवास हो गया। पंडिताइन शव के पास बैठकर पुत्र के साथ जोर-जोर से रो रही थी। ईश्वर की कृपा से उस समय ग्राम खीराबड़ी तहसील जैतारण (राज.) के गोपाल कुमावत पुत्र विहीन के कारण द्वारका दर्शन कर पत्नी सहित लौट रहे थे। उन्होंने सारा घटनाक्रम देखकर पंडिताइन को सांत्वना देकर ढाढ़स बंधाया। मृत्यु के कटु सत्य को जानकार अपने पुत्र केवलराम को गोपाल कुमावत को सौंपकर पति के साथ स्वर्ग सिधार गई।

गांव में आकर गोपाल कुमावत ने जाति के लोगों को अपने साथ जो घटनाक्रम हुआ उसे बताया। केवलराम को विद्या अध्ययन के लिये पण्डित शंकरलाल जी शास्त्री जैतारण वालों के यहां ले गये। अल्प समय में धर्मशास्त्र, वेदपुराण, भाषा दर्शन, व्याकरण आदि में पारंगत होकर वापस ग्राम खीरावड़ी लौट आये और उनकी शादी करा दी। कुछ समय बाद उनके पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई किन्तु छोटी उम्र में ही उसकी मृत्यु हो गई। पुत्र मोह का वियोग सहन न होने पर आत्महत्या के लिए तालाब के किनारे जाकर बैठ गये। उत्तराखण्ड से पधारे महात्मा नरहरीदास जी दु:ख का कारण जानकर जन्म मृत्यु को अकाट्य सत्य बताते हुए धर्मोपदेश दिया।

केवलराम को गुरु दीक्षा देकर भजन कीर्तन के प्रति समर्पित कर दिया। सतगुरु का सानिध्य एवं परमात्मा का अनुग्रह प्राप्त कर केवलदासजी चारों तरफ विख्यात हो गये।

एक बार सत्संग मंडली केवलदासजी का नाम सुनकर खीरावड़ी गांव में सत्संग हेतु पधारी। गरीबी एवं पैसे के अभाव में केवलदास ने एक बनिये से कुआं खोदने की शर्त पर खाद्य सामग्री लाये एवं "अतिथि देवो भव" ध्यान में रखकर सन्तों का आतिथ्य सत्कार किया। संतों के प्रस्थान के बाद केवल दासजी उस सेठ का कुआं खोदने लगे किन्तु दो दिन बाद जब वे गहराई में कुआं खोद रहे थे तो अचानक कुआं ढह गया, जिसके कारण केवलदास जी अन्दर दब गये। ग्राम वासी व्याकुल हो उठे होनी को बलवान मानते हुए उसी कुएं को समाधी मान ली किन्तु भगवान की कृपा से लगभग 6 महीने बाद उसी स्थान पर कुछ सन्तों की भजन मंडली ने रातभर भजन कीर्तन किया, प्रात:काल आरती की। अचानक उस स्थान पर भजन कीर्तन की आवाज आई, जिससे सभी स्तम्भ रह गये। विचार विमर्श कर ग्रामवासियों ने कुएं की मिट्टी हटाई तो देखा कि केवलदास जी पदमासन लगाकर भजन कीर्तन कर रहे थे। ग्रामवासियों ने केवलदासजी को बाहर निकालकर जयकारें किए। छह महीने तक कुएं में रहने से उनकी कमर टेढी हो गई इसी के कारण आप कुबाजी के नाम से वन्दनीय होकर भारतवर्ष में विख्यात हो गये।

उनकी प्रसिद्धी देखकर जोधपुर की महारानी भी दर्शन हेतु पधारी एवं उनकी कृपा से कृतार्थ हुई। इन्होंने जगनाथपुरी के सागर में डूबे संत सागरदास जी को कई दिनों बाद निकालकर मृत से पुन: जीवित कर दिया। कहा जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम, जानकी सहित भक्तदास जी का रूप धारण करके झीतड़ा गांव पधारे एवं दास एवं दासी की भांति रहकर कुबाजी महाराज की सेवा की। द्वारकाधीश के दर्शन के लिए मध्यरात्रि को तीर्थराज के लिए निकले श्री कूबाजी ने बीच में कुछ समय विश्राम किया। विश्राम बेला में सपने में भगवान द्वारकाधीश ने दिव्य दर्शन दिये। कूबाजी 84 के चक्कर से मुक्त होने तथा परमात्मा के चरणों में लीन होने की प्रार्थना की। भगवान ने मनोकामना पूर्ण करते हुए आपका नाम अमर-अजर एवं अटल रहने का आशीर्वाद दिया।

जीवनकाल के अन्तिम पड़ाव में इन्होंने महापरायण की पूर्व घोषणा कर 80 वर्ष की आयु में संवत 1680 वैशाख शुक्ला एकादशी के दिन झीतड़ा गांव के तालाब के किनारे हजारों नर-नारियों की जय-जयकार के साथ देह सहित भगवान के विमान में विराजमान होकर दिव्य लोक को प्रस्थान कर गये।

नि:सन्देह कूबाजी महाराज आदर्श भक्त थे। कुमावत समाज के समर्पित महापुरुषों ने कूबाजी को समाज का कुल गुरु मानकर वैभवशाली मन्दिर निमाज (जैतारण-पाली) का निर्माण कराया। जहां प्रतिवर्ष मेला आयोजित होता है तथा लाखों कुमावत बंधु दर्शन करने आते हैं।

कुमावत विद्यालय, सोडाला, जयपुर

(भारत में कुमावत समाज द्वारा संचालित एक मात्र विद्यालय का संक्षिप्त परिचय)

भारत के गुलाबी नगरी जयपुर में सभी समाजों के कई स्कूल होने का दर्द समाज सेवी स्व. श्री सेडूराम वर्मा (मामोडिया) (स्प्रे पेन्ट स्टोर, एम आई रोड वाले) के मन में कचोटता था। उन्होंने समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों से विचार-विमर्श किया और स्कूल के लिये उचित स्थान की तलाश शुरू की। सोड़ाला में समाज के नवयुवक एक मैदान में बालीबाल खेलते थे। इन नवयुवकों ने सुझाव दिया कि समाज का स्कूल बनाना चाहो तो इस जगह बना सकते हों। हम भी तन-मन-धन से सहयोग करेंगे। वहां के स्थानीय समाज बन्धुओं के साथ अन्य समाज बन्धुओं से स्कूल के बारे में विचार-विमर्श कर इस स्थान का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

स्व. श्री सेडूराम जी वर्मा, माली राम वर्मा (बड़ीवाल) सीए., अर्जुन किशोर ठेकेदार, लक्ष्मी नारायण दिल्लीवाल (फोरमैन), बालचन्द भोंरीलाल ठेकेदार, लक्ष्मीनारायण राहोरिया, मास्टर नाथूलाल खोवाल, लक्ष्मीनारायण मामोड़िया, नारायण लाल सिरोहिया, सुरेन्द्र कुमार राज (खोवाल), भौंरीलाल अनावड़िया, रामचरण अनावड़िया, चतुरभुज मारवाल (ठेकेदार), नानगराम बैरा आदि समाज बन्धुओं के सहयोग एवं समर्थन से दिनांक 1.7.1965 को 2 कमरों के निर्माण से प्राइमरी स्कूल प्रारम्भ किया गया। धीरे-धीरे पांच-छह कमरों का निर्माण हुआ। उस समय की एक मात्र महासभा अखिल भारतवर्षीय क्षत्रिय महासभा का गठन 1946 में हो चुका था। उसके पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग एवं प्रेरणा से स्कूल संचालन के लिये श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति का गठन किया गया। संस्थापक संरक्षक श्री मालीराम वर्मा सीए, अध्यक्ष शिक्षाविद् श्री राम सहाय नीमीवाल, उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण दिल्लीवाल, मंत्री, श्री सेडूराम वर्मा, उपमंत्री श्री सूरजमल बालोदिया, कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण राहोरिया एवं 11 सदस्य मनोनीत किये गये।

महासभा की गतिविधियों का स्थान स्कूल होने के कारण उस समय के अध्यक्ष श्री चुन्नीलाल जी नेहरा, उपाध्यक्ष श्री मालीराम जी वर्मा, महामंत्री प्रोफेसर बी.एन. लूनिया एवं कार्यकारिणी तथा स्कूल कार्यकारिणी की मिटिंग में स्कूल का नाम श्री कुमावत क्षत्रिय प्राथमिक विद्यालय रखा गया। स्कूल में पढ़ाने की स्वैच्छिक सेवा देने का बीड़ा श्री घासीराम जालवाल मान्यावास ने लिया वे इसके प्रथम प्रधानाध्यापक बने।

स्कूल के कमरों का निर्माण होने पर अलग-अलग नाम से पट्टिका लगाई गई सो कुछ नाम इस प्रकार से हैं- श्री मंगलराम कनीराम घोड़ेला नवलगढ़, श्री सूरज मल बालोदिया, ठेकेदार श्री कल्याण जी दिल्लीवाल, निर्माण सामग्री एवं नकद रुपयों में सहायता देने में सर्व श्री अर्जुन किशोर ठेकेदार, मालीराम वर्मा, चतुर्भुज मारवाल, सेडूराम वर्मा, नानगराम बैरा, छोगालाल राणोलिया, घनश्याम मामोड़िया। स्कूल की सीमा सड़क से करीब 25 फिट पीछे थी जिसको अन्य भवनों की लाईन में लाने में श्री नवरत्न कुमावत (खोवाल) जयपुर नगर पालिका में सेवारत के सहयोग को भी भुलाया नहीं का सकता है।

प्रारम्भ में 15-20 वर्षों में मतदान द्वारा चुनाव नहीं होते थे जो भी समाजबन्धु सहयोग एवं सेवा देना चाहता था, यों कहें स्कूल हित में अध्यक्ष एवं मंत्री बनाने की परम्परा थी। इसी क्रम में अध्यक्ष श्री चतुरभुज मारवाल, मंत्री नाथूलाल खोवाल (मास्टर जी), फिर अध्यक्ष श्री अर्जुन किशोर ठेकेदार तथा मंत्री नाथूलाल जी ही रहे। इन दोनों कार्यकाल में स्कूल में कमरों का निर्माण हुआ। श्री मालीराम जी अध्यक्ष तथा श्री सत्यनारायण खोरानिया (एडवोकेट) मंत्री रहे। इनके बाद श्री सेडूराम अध्यक्ष तथा श्री सुरेन्द्र कुमार राज (खोवाल) मंत्री बने। इस कार्यकाल में सरकार से प्राप्त अनुदान 65 हजार रुपए से बढ़कर 4 लाख 50 हजार रुपए तक हो गया। इसी कार्यसत्र में एक स्मारिका का प्रकाशन हुआ। विद्यार्थियों की यूनिफार्म पर विशेष ध्यान दिया गया। विद्यालय में 1100 रुपए लेकर आजीवन सदस्य बनाये गये इससे चेतना जागृत आई।

मार्च, 1993 में श्री नाथूलाल खोवाल (मास्टरजी) ने चुनाव द्वारा अध्यक्ष श्री अर्जुन किशोर ठेकेदार, मंत्री सेडूराम वर्मा, उपमंत्री हेमचन्द खड़गटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण मामोडिया तथा 11 सदस्य बनाये। अब तक स्कूल 10वीं तक ही था, वर्ष 1993-94 में हायर सैकेण्डरी हुआ। पार्टटाईम अध्यापकों की सेवाएं लेने का प्रयास किया जिससे प्रथम बार सन् 1995-96 में 12वीं का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा।

सन् 1995-96 चुनावों में अर्जुन किशोर जी ठेकेदार अध्यक्ष मंत्री श्री सेडूराम वर्मा बने इस तीन वर्ष के दौरान स्कूल मैदान को दो भागों में बांटकर बीच में कमरों का निर्माण कराया गया।

सन् 1998 में चुनावों में श्री पूरणचन्द अनावड़िया अध्यक्ष तथा श्री रामेश्वर बम्बोरिया मंत्री चुने गये जो बिना चुनाव के 7 वर्ष तक बने रहे। आखिर सन् 2008 में स्कूल इतिहास में प्रथम बार ऐतिहासिक चुनाव हुए। श्री पन्नालाल ठेकेदार (सिरसवा) की टीम जीत गई। इस 16 सदस्यों की टीम में ज्यादातर ठेकेदार व व्यापारी हैं। सर्वश्री श्रीराम नीमीवाल, श्रवण बिवाल, छोटूराम बड़ीवाल, मोहन लाल अनावड़िया आदि ने मिलकर स्कूल में कुछ कमरों को तोड़कर करोड़ों रुपयों का सहयोग कर नया भवन तैयार करा दिया। इंग्लिश मिडियम स्कूल जो प्रारम्भ किया, शिक्षा के स्तर में भी काफी सुधार किया। इसके फलस्वरूप रिजल्ट 100 प्रतिशत लगभग रहने लगा।

दादू सम्प्रदाय स्थल

नरैना धाम

दादू सम्प्रदाय के प्रधान एवं मुख्य श्री दादू दयाल जी महाराज की मुख्य पीठ दादू द्वारा नरैना (फुलेरा से 10 किमी दूर) जिला जयपुर है। यह स्थान 101 बीघा जमीन में बसा हुआ है, पानी के तालाब के किनारे खेजड़े के पेड़ के नीचे दादू जी महाराज ने ध्यान लगाया, उपदेश दिये आज वहां भव्य मन्दिर बना हुआ है।

श्रावण कृष्ण एकादशी सं. 2058 वि. तद्नुसार 17 जुलाई सन् 2001 को 19वें पीठाधीश्वर श्री हरिराम जी महाराज के परब्रह्म (स्वर्गवास) के बाद 20वें पीठाधीश्वर श्री गोपाल दास जी महाराज विराजमान थे।

संत दादूदयाल जी महाराज ने अपने जीवन काल में 5 जगह भक्ति की, एक सांभर झील परीक्षा, दादूधाम आमेर जयपुर, साधना धाम करडाला जी, मुक्तिधाम मेराना जी (दादूपालका) सभी जगह भव्य मन्दिर दादूद्वारा बने हुये हैं आज भी साधु संत रहते हैं एवं उत्सव होते रहते हैं।

अन्तिम समय में दादूदयाल जी महाराज ने अपने शिष्यों को नरैना धाम से 15 किमी. दूर बिचून के पहाड़ों के पास भयंकर जंगल में जमीन से 40-50' नीचे खोल में एक पेड़ के नीचे अपने पार्थिक शरीर को रख देने के लिये कह दिया था और यह भी कहा पीछे मुड़ कर मत देखना। शिष्यों ने उनकी अन्तिम इच्छा अनुसार ऐसा ही किया किन्तु कुछ शिष्यों ने मुड़कर देखा तो आश्चर्य हो गया कि दादूजी महाराज पहाड़ के ऊपर गुफा में प्रवेश कर रहे हैं। कुछ समय बाद कुछ शिष्य गुफा में प्रवेश किया जो लौटकर नहीं आये उसके उपरांत गुफा के मुख को शिला से बंद कर दिया गया। दादू दयाल जी महाराज की इच्छा थी कि मेरे शरीर को जंगली जानवर, पक्षी आदि खाकर अपनी भूख शान्त करें। जिसे आज हवा दाग कहते हें और आज भी दादू सम्प्रदाय में इसे मान्यता है।

भैराणा धाम (बिचून)

जयपुर से अजमेर रोड पर बिचून मोड़ से भैराणाधाम जयपुर से 55-56 किमी पहाड़ के पास भयंकर जंगल के बीच बसा हुआ है। 70-80 वर्ष पूर्व दादू जी का छोटा सा मंदिर तथा खोल में एक छोटा सा चबूतरा बना हुआ था जहां दादू जी का पार्थिव शरीर रखा

गया था। 30-40 वर्षों में भव्य मन्दिर, 50-60 कमरों की दो मंजिल की धर्मशाला, भोजनशाला, गोशाला खोल में भव्य चबूतरा आदि का निर्माण देश विदेश के भक्तों द्वारा किया गया। इस निर्माण में कुमावत समाज का काफी योगदान है। हिरनोदाग्राम के किरोड़ीवाल व मोरवाल गोत्र के सैंकड़ों संत हुये हैं तथा गद्दी पर बैठे हैं और आज भी हिरनोदा के 92-93 वर्ष के किरोड़ीवाल जी मुख्य गद्दी पर विराजमान हैं। हर पूर्णिमा को काफी तादाद में भक्तजन आते हैं। रोजाना दोनों समय भोजन प्रसादी बनती है। सभी दर्शनार्थी एवं भक्त जन नि:शुल्क प्रसादी ग्रहण करते हैं।

फुलेरा, नरैना, सांभर, हिरनोदा, आसलपुर, जोबनेर आदि गांवों-ढाणियों के कुमावत समाज बन्धुओं के आस्था का मुख्य केन्द्र है। सैकड़ों वर्षों से यह प्रथा रही है कि किरोड़ीवाल व मोरवाल परिवार का पहला लड़का दादूजी की सेवा में भेंट किया जाता था इस कारण ज्यादा संत कुमावत हैं। स्थान में पढ़-लिख कर आचार्य, वैद्य आदि बने हैं।

हम किसी से कम नहीं

हाल ही में राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा स्टेनोग्राफर परीक्षा परिणामों में टॉप 2 अभ्यर्थी सूरज कुमावत, जोबनेर तथा कानाराम कुमावत, काचरोदा, फुलेरा के कुमावत समाज से चयनित हुए हैं। हम अपनी मेहनत व योग्यता से शीर्ष पर पहुंच सकने में काबिल है, यह इन अभ्यर्थियों ने प्रमाणित कर दिया है।

आमची जात पुस्तक

आमची जात पुस्तक के लेखक एवं प्रकाशक गणपत राव भिवाजी बैथाड़े (जी.बी. नाईक) ने अपनी स्वयं की कार से कोटा बड़ौदा, इंदौर, रतलाम, दिल्ली, राजस्थान के सभी शहर जैसे बूंदी, कोटा, जयपुर, फुलेरा, किशनगढ़, ब्यावर, उदयपुर आदि का भ्रमण कर समाज उपयोगी सामग्री संग्रहित कर तथा स्थानीय लोगों के ग्रुप फोटो खेंचकर उन्हें पुस्तक आमची जात में प्रकाशित किए। इस पुस्तक में बहुत कुछ छपा है जो आज कोई छाप नहीं सकता। इसे समाज का पहला इतिहास होने का गौरव प्राप्त है। इस इतिहास के एक पन्ने में लगभग 110 वर्ष पूर्व हमारी जाति की जनगणना इस प्रकार प्रकाशित की गई हैं:-

राजपूताना	मेवाड़	मध्यप्रांत
जयपुर शहर-4000	उदयपुर-1400	नागपुर जिला-600
जयपुर	चित्तौड़गढ़-125	**वरहाडप्रांत**
जवलील } 8000	जोधपुर-125	अकोला जिला-750
खेड्या	श्रीनाथद्वारा-120	अमरावती जिला-700
पंजाब		बुलढाना जिला-700
सांगोनेर-400	दिन्ली-600	इलिचिपुर जिला-250
फुलेरा-125	हिसार-800	हेदराबाद डेक्कन-200
ब्यावर-400	भिवानी-600	औरंगाबाद-500
भरतपूर-350		जालना वगैरे-200

मध्यभारत		मुंबई ईलाका
अलवर-300	रतलाम-600	मुम्बई व कोकणपट्टी ई.-500
टांक-250	बड़नगर-400	पुना शहर-900
बुंदी संस्थान-250	मालवा प्रांत-6000	पुना जिला-500
श्रीनगर-200	जुनी इन्दौर-300	खानदेश जिले गांव व खेड़ी-4000
जोहवाड़ा-200	जावद-125	नगर जिला-500
जोबनेर-200	नीमच-75	सोलापुर जिला-500
उद्यनस-200	**संयुक्त प्रांत**	कोल्हापुर संस्थान-100
मोरंडी-200	बिन्द्रावन-80	सतारा जिला-75
काचरोदा-200	मथुरा-60	बेलगाँव जिला-50
सवाई जयपुर-200	आगरा-25	धारवाड़ जिला-25
किसनगढ-200	काशी-25	सुरत
निंबाहेरा-100		बड़ोदा } 50
		अहमदाबाद

इस ग्रंथ को 1916 में प्रकाशित किया। इसमें श्री शिल्पावत जात्युन्नती सभा सवाई जयपुर का 16.4.1915 का धन्यवाद पत्र भी छपा हुआ है।

इन दिनों मराठी में छपी इस पुस्तक का हिन्दी अनुवाद करने का कार्य प्रगति पर है।

कबीर सम्प्रदाय और कुमावत समाज

कबीर सम्प्रदाय को मानने वाले कुमावत समाज के सैंकड़ों परिवार हैं। जयपुर शहर में इसके चार प्रमुख सबसे पुराने करीब 300 वर्ष पुराने स्थान हैं। प्रथम मोती डूंगरी गणेश जी मंदिर के पास गली में कबीर भवन है, इस समय गद्दी पर महन्त परशुराम स्वामी (जलान्धरा) हैं। उनके पिता श्री राम सहाय जलान्धरा जो इनके बचपन में बैकुण्ठबास हो गया था। पूर्व महन्त स्व. श्री रघुनाथ जी स्वामी ने इनका पालन पोषण किया। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से संस्कृत में प्रथम श्रेणी से M.A. की डिग्री प्राप्त की। (2) दूसरा स्थान जगरामदास जी की बगीची, इन्द्रा बाजार, कल्याण जी का रास्ता (स्व. श्री ओम प्रकाश जी कण्डेरीवाल के मकान के पीछे), जयपुर है। यहां गद्दी पर महन्त श्री पूरणदास जी (बासनीवाल) हैं। (3) तीसरा स्थान पुरानी बस्ती, चांदपोल बाजार, जयपुर है यहां गद्दी पर महन्त श्री बालकदास जी हैं। (4) यह आमेर पहाड़ की तलहटी में है जहां 50 वर्ष पूर्व स्व. श्री श्योजीराम जी घोड़ेला की बहिन (स्व. निर्भय राम व स्व. रामेश्वर लाल की बुआजी) गद्दी पर थी। परन्तु समाज के कुछ परिवारों की फूट तथा स्वार्थ के कारण अन्य प्रदेश के गैर कुमावत को गद्दी पर बैठा दिया। यहां आज भी करोड़ों की सम्पत्ति है।

उपरोक्त सभी स्थानों पर प्रति वर्ष कबीर जयन्ती, शरद पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा आदि उत्सव होते रहते हैं तथा पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाता है। **- हेमचन्द खड़गटा**

होनहार प्रतिभाओं का सम्मान

रामपुरा जयपुर स्थित चमत्कारेश्वर शिव मंदिर के पास 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में अव्वल रहे सर्वसमाज के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह श्री राम प्रकाश एडवोकेट के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस सचिव ललित तूनवाल तथा अध्यक्षता उप जिला प्रमुख मनोहर डागर ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री सेड़ूराम मारोठिया, लालाराम मारोठिया, दीनदयाल आदि थे। इस अवसर पर सर्वश्री विमल वर्मा एडवोकेट, सोनू चौपड़ा, महेन्द्र मारोठिया एडवोकेट, सुदीप कुमावत आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अमृत महोत्सव पर राजा हिंदुस्तानी का अनूठा प्रचार

राजा हिंदुस्तानी अडानिया कुमावत निवासी रणसी, बिलाडा, जोधपुर हाल निवासी सांगानेर, जयपुर आजादी के 75वें साल पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव पर इन दिनों अपने ई रिक्शा पर तिरंगा व देश भक्ति के श्लोगन लिखे फोटों लगा कर जयपुर की सडकों पर घूम रहे है। इनके जज्बे को सलाम।

''सौ बार जन्म लेंगे'' म्यूजिकल नाइट का आयोजन

31 जुलाई, 2022 को जयपुर के बी.एम. बिड़ला सभागार में मोहम्मद रफी की 42वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि गीतों का गुलदस्ता ''सौ बार जन्म लेंगे'' का आयोजन प्रसिद्ध सदाबहार गायक मोहन बालोदिया, रश्मि बालोदिया व टीम द्वारा किया गया। इसमें स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर, संगीतकार बप्पी लहरी तथा गायक भूपेन्द्र सिंह के गीत गाकर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश मोदी (ओ.के. प्लस) तथा अध्यक्षता श्री दिनेश गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि व प्रायोजकों में समाज से श्री चेतन कुमावत (भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ जयपुर शहर अध्यक्ष), श्री भागचन्द बेरा (समाजसेवी), श्री मनोज कुमावत (ग्लोबल अर्थ इंजीनियरिंग सर्विसेज प्रा.लि.), श्री सी.एम. कुमावत (CMT Arts) श्री चेतन बालोदिया (राज ब्लॉक्स), श्री माधव बालोदिया (माधव मंच सज्जा) भी थे। मंच संचालन अरुण किम्मतकर ने किया।

कार्यक्रम में सर्वसमाज के विशिष्ट जनों के साथ 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के रमेश गैदर, भारती तोंदवाल, टीम चेतन धुंधारिया के जयसिंह गुडीवाल व खेमचन्द खड़गटा आदि गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर सदाबहार बॉलीवुड गानों का आनन्द लिया। कुमावत इंडिया पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने सोशल मीडिया पर पूरे कार्यक्रम को लाईव दिखाया।

रक्तदान शिविरों का आयोजन

1. स्वामिनी सेवा संस्था

स्वामिनी सेवा संस्था की ओर से सोडाला, जयपुर में छठाँ। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने रक्तदान किया। अनेक सामाजिक संस्थाओं ने भाग लिया, यह संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया। मंत्री गोविन्द वर्मा ने बताया कि लोगों में काफी उत्साह था तथा शिविर में 84 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।

रक्तदाताओं को चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा प्रशस्ति पत्र व कैंपर देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, राकेश कुमावत एजी आफिस, जयसिंह कुमावत भाजपा अध्यक्ष वार्ड 141, राकेश कुमावत एडवोकेट, खेमचंद खडगटा, गुरूदयाल वर्मा, महेन्द्र कुमावत, नरेंद्र कुमावत, हेमन्त गुप्ता, विजय कुमावत, अकिंत काला,रमेश कुमावत, चंद्रप्रकाश कुमावत, राहुल कुमावत आदि मौजूद रहे।

स्वामिनी सेवा संस्था प्रति अमावस्या को सवाईमानसिंह अस्पताल की बांगड़ इकाई में लगभग 1500 से 2000 जरूरतमंदों को भोजन की व्यवस्था भी नि:शुल्क करती है। हाल ही में राजस्थान विकलांग सोसायटी के साथ मिलकर इस संस्था ने म्यूजिक नाइट का चैरेटी शो किया जिससे प्राप्त होने वाली राशि विकलांगों की सहायता के लिए दी जाएगी।

2. श्रीमती भंवरीदेवी कुमावत चैरिटेबल सोसायटी

श्रीमती भंवरी देवी कुमावत चैरिटेबल सोसायटी जयपुर द्वारा 24 जुलाई 2022 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर व सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व कार्यक्रम की अध्यक्षता चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने की। मुख्य अतिथि ने बताया कि रक्तदान महान कार्य है और रक्तदान का अधिकार केवल मानव के पास ही है। चेतन कुमावत ने कहा कि रक्त के अभाव में जूझ रहे लोगों की मदद के लिए रक्तदान कर उनके प्राण बचाए जा सकें।

सोसायटी के संरक्षक भंवरलाल कुमावत ने अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष राजेश कुमावत ने बताया कि रक्तदान शिविर में 217 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। 200 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में वैक्सीनेशन भी किया गया जिसमें 12+आयुवर्ग के लिए कोविड-19 वैक्सीन की पहली, दूसरी व बूस्टर डोज लगाई गई साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समाज के 10वीं तथा 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत व अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले होनहारों का सम्मान किया गया।

जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) भाजपा ओबीसी मोर्चा के जयपुर जिला मंत्री नियुक्त

जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ने जयपुर जिला मंत्री नियुक्त किया है। गुडीवाल द्वारा पंच, सरपंच, उप सरपंच तथा नगर निगम चुनावों में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में दिन रात मेहनत कर प्रत्याशियों की जीत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा कोरोनाकाल की विषम परिस्थितियों में अपनी जान परवाह न करते हुए जयपुर शहर में अपनी सेवायें दी थी।

आप सामाजिक कार्यकर्ता, सरल स्वभाव, कर्मठ, जुझारू, युवा व ऊर्जावान व्यक्ति है। वर्तमान में आप भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा लाल कोठी क्षेत्र उत्तरी पूर्वी जोन से जोन प्रतिनिधि, टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, वार्ड 141 के भाजपा अध्यक्ष हैं। आप सदैव सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं।

आपकी उत्कृष्ट लेखनशैली, लगन व कार्य के प्रति जज्बे से प्रभावित होकर आपको 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का सह सम्पादक मनोनीत किया गया। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका में सह सम्पादक की भूमिका में आपने अपनी कलम से अनेक आर्टिकल्स लिखकर लेखनी का परिचय दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर मनोनीत कर आपको बड़ी जिम्मेदारी दी है। जो गौरव की बात है। इससे समाजजनों में खुशी की लहर है। श्री जयसिंह गुडीवाल को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार बधाई देती है तथा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है। - **भारती तोंदवाल**

प्रशासनिक सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों का डॉ. ललित जालवाल द्वारा स्वागत

डॉ. ललित जालवाल राजसमंद विधानसभा क्षेत्र द्वारा होटल शकुन सी-स्कीम, जयपुर में समाज एवं अन्य आर ए एस एवं आई ए एस सम्मान समारोह में पवन कुमावत आई.ए.एस., अनुज डाल आर.पी.एस., कृष्ण कुमार आर.पी.एस., मनीष खुड़िया आर.ए.एस., अनिल आर.ए.एस., रोहित कुमावत आर.ए.एस., हिना वर्मा आर.ए.एस., आयुषी कुमावत आर.ए.एस., मुकेश सिरोहिया आर.ए.एस., राजेंद्र लकेशर एस.डी.एम., महेश जाजिया एस.डी.एम., विकास एस.डी.एम., राजेंद्र कुमार एस.डी.एम., रवि नंदीवाल एस.डी.एम. तथा उपस्थित गणमान्य अतिथियों को सम्मानित किया।

वैष्णो देवी की 32वीं पदयात्रा रवाना

वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति टोंक फाटक जयपुर के तत्वावधान में वैष्णो देवी के लिए 32वीं पदयात्रा माता के जयघोष के साथ 9 जुलाई को रवाना हुई। यात्रा को समाज कल्याण बोर्ड राजस्थान की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना शर्मा, नगर निगम वार्ड 135 के पार्षद श्री राजेश बालोदिया तथा वार्ड 130 की पार्षद श्रीमती राजूला सिंह द्वारा विधिवत पूजन के बाद ध्वज देकर रवाना किया। इसमें लगभग 100 पदयात्री रवाना हुए हैं तथा 151 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली है। यह यात्रा शाहपुरा, शाहजहांपुर, हरियाणा, पंजाब होते हुए 27 दिनों में में कटरा, जम्मू स्थित माँ वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचेगी।

कैलाश घोड़ावड़ को समाज रत्न से नवाजा

भाजपा गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल सदस्य तथा भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा गुजरात के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री कैलाश घोड़ावड़ को उनके जन्मदिन 14 जुलाई, 2022 को 'समाज रत्न' सम्मान से नवाजा गया। भामाशाह श्री घोड़ावड़ अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर महासभा के ओम प्रकाश बरमुड़ा, रविन्द्र देवतवाल, शिवजी सिमार, पुखराज कुमावत आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कैंसर रोग कार्यशाला का आयोजन

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा एवं एच.सी.जी. अस्पताल, मानसरोवर, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में कैंसर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें कुमावत समाज के लोगों को डॉ. अभिषेक पारीक, कैंसर विशेषज्ञ ने कैंसर संबंधित विभिन्न बीमारियों के बारे में जागरूक रहने व समय पर इलाज कराने को कहा। मुख्य अतिथि सांगानेर से विधायक अशोक लाहोटी

कुमावत व जय नारायण जूनवाल ने प्लास्टिक उपयोग को जीवन में कम से कम करने व साधारण खानपान का उपयोग करने को कहा। सेमिनार में समाज के प्रबुद्धजन संस्था के अध्यक्ष रामेश्वर बंबोरिया, मुख्य सलाहकार विमल कुमावत, राष्ट्रीय महामंत्री रूप सिंह आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम के जयकारों से माहौल भक्तिमय हुआ

श्री हनुमत चरित्र की 108 कथाओं की शृंखला में तीन दिवसीय 65वीं कथा का आयोजन लालबहादुर नगर, दुर्गापुरा, जयपुर में हुआ। जिसमें व्यासपीठ से श्री अकिंचन जी महाराज ने श्री हनुमान चालीसा की चौपाइयों की विस्तार से सारगर्भित व्याख्या की। श्रोताओं ने श्री हनुमान चालिसा की व्याख्या को सुनकर बताया कि वे हनुमान चालीसा तो रोज पढ़ते हैं पर जो व्याख्या महाराज जी ने की है उसे सुनकर वे सभी मंत्रमुग्ध हैं। महाराज ने कहा कि हनुमान जी जीव मात्र को ईश्वर से मिलाते हैं। गीता के अनुसार ईश्वर तो जड़-चेतन सभी में विराजमान है। वह सर्वव्यापी है परन्तु मनुष्य उन्हें नहीं पहचान पाता। सर्वव्यापी ईश्वर की पहचान गुरुदेव ही करा सकते हैं। तुलसीदास जी ने हनुमान जी को गुरुदेव के रूप में ही देखा है तथा उनके माध्यम से ही उन्हें प्रभु श्रीराम के दर्शन हुए हैं। इस कारण हनुमान चालीसा की शुरुआत उन्होंने "**श्री गुरुचरण सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार**" से की है। **हरिनाम संकीर्तन परिवार के प्रवक्ता श्री कृष्ण स्वरूप बूब ने बताया कि महाराज अकिंचन जी ने अब तक 66 श्री हनुमत चरित्र कथा, 20 नानी बाई का मायरा, 50 राम कथा तथा 468 भागवत कथाएं की है।**

जेईई मुख्य परीक्षा-2022 में समाज का परचम

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) व ज्वाइंट एन्ट्रेन्स एग्जाम जेईई मुख्य परीक्षा-2022 में ग्राम काई, महु, मध्य प्रदेश के **गौरव** पुत्र श्री ओम प्रकाश ने 99.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। टोंक जिले के निवाई के **कल्पित कुमावत** ने इस परीक्षा में 99.28 प्रतिशत अंक अर्जित करके राजस्थान में प्रथम स्थान दर्ज किया है।

पलक कुमावत, चौमूं को राज्य स्तरीय सम्मान

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत पलक कुमावत निवासी चौमूं को राज्य सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर निदेशक जनस्वास्थ्य द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। पलक राजकीय कार्य सम्पादन के अतिरिक्त महिलाओं के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका निभाती रही है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से पलक कुमावत को हार्दिक बधाई।

सांवेर, इंदौर में आयोजित की गई कलश यात्रा

मध्यप्रदेश में कुमावत समाज की राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले सांवेर में रविवार 31 जुलाई 2022 को अलखधाम वह बिल्केश्वर महादेव मंदिर से उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर तक कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा में समाज के धर्म प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ट्रैक्टर, कार व बस आदि की नि:शुल्क व्यवस्था की गई साथ ही यात्रा समापन पर 1500 से 2000 समाजजनों के भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई। कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई।

कंप्यूटर ज्ञान, Rs - cit कोर्स मे अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रथम रैंक से और बेस्ट मोटीवेटर अवार्ड से सम्मानित

Rkcl, के सर्विस प्रोवाइडर द्वारा, RS -CIT कोर्स में बेहतर कार्य करने के लिए, अपने ज्ञान केंद्रों का अवार्ड कार्यक्रम आयोजित किया। प्रोग्राम में बेहतर कार्य करने, सबसे ज्यादा एडमिशन करने के लिए और गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण देने के लिए कंप्यूटर ज्ञान को फर्स्ट स्थान आने के आधार पर टॉपर अवार्ड (ट्रॉफी) और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पूरी नेटवर्क में अच्छे व्यवहार सकारात्मक सोच और सब को गाइड करने के साथ मोटिवेशन करने के लिए सर्वोच्च अवार्ड बेस्ट मोटीवेटर कंप्यूटर ज्ञान के निदेशक मनोज कुमार कुमावत को RKCL के एमडी रविंद्र शुक्ला तथा एमजी टेक्नोसेवी के एमडी कुलदीप आदि द्वारा दिया गया।

मनोज कुमार कुमावत वर्ष 2009 से कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। समय-समय पर कंप्यूटर सिखाने के लिए नि:शुल्क शिविर आयोजित करते रहते हैं।

शिक्षा नगरी कुचामन सिटी हरित नगर खारिया के गोपाल गौशाला कार्यक्रम में मुकेश वर्मा प्रदेश कांग्रेस सचिव भी पहुंचे, समाजबंधुओं ने उनका शानदार स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होने एक पौधा भी लगाया।

संदीप कुमावत बने ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिला कार्यकारिणी सदस्य

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने संदीप कुमावत (कुण्डलवाल) को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है। कुमावत वर्तमान में वार्ड 145 से वार्ड महामंत्री हैं तथा कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर की कर्यकारिणी के सदस्य भी हैं। पार्टी ने इन्हें कार्यकुशलता, सादगी और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने पर यह जिम्मेदारी सौंपी है। आप ऊर्जावान, परिश्रमी व युवा कार्यकर्ता हैं।

संदीप चंगेड़िया नगर परिषद अध्यक्ष बने

सांवेर (म.प्र.) में नगर परिषद के वार्ड नं. 1 से भाजपा प्रत्याशी संदीप चंगेडिया तथा सूर्य कुमार ओसतवाल विजयी हुए। बाद में श्री संदीप चंगेड़िया को नगर परिषद अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बधाई

पर्यावरण सेवा कार्य

सेल्फी विद माय प्लांट-2022

अपना समाज 2018 कुचामन नावा सोशल ग्रुप की पहल में 28 जुलाई 2022 हरियाळी अमावस्या को शिक्षण संस्थाओं सामाजिक कार्यकर्ताओं समाज बंधुओं ने हजारों की तादाद में पेड़ लगाएं प्रवासी समाज बन्धुओं ने भी मुहिम को कामयाब बनाने के लिए तरह-तरह के पेड़ लगाकर महापर्व मनाया आज इस अभियान में नए मित्रों ने विभिन्न जगहों से 1422+900 पौधे लगाकर इस मुहिम से जुड़े एक संकल्प लेकर '**सेल्फी विद माय प्लांट**' अपना समाज 2018 सोशल मीडिया ग्रुप के तहत इस मुहिम से जुड़ कर प्राकृतिक संरक्षण एवं खुशहाल जीवन का कार्य मैं सहयोग दिया।

पूनम सारड़ीवाल को गोल्ड मैडल

पूनम सारड़ीवाल पुत्री स्व. श्री किशन लाल सारड़ीवाल ने जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर M.A. इतिहास में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान अर्जित किया तथा इन्हें गोल्ड मैडल व प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इनके नाना श्री सीताराम तुनगरिया राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक तथा समाजसेवी हैं। इनकी माता श्रीमती रेखा देवी ने आर्थिक स्थिति अनुकूल न होते हुए भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाई, इनका एक पुत्र राजकीय मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा दूसरा पुत्र कॉलेज व्याख्याता तथा एक पुत्र जलदाय विभाग में नियुक्त है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से पूनम सारड़ीवाल को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

अध्यक्ष की कलम से

'कुमावत इंडिया' पत्रिका का शुभारम्भ 20 अगस्त, 2017 के प्रथम अंक के लोकार्पण के साथ अक्षयपात्र स्कॉन मंदिर जयपुर में समाजजनों की गरिमापूर्ण उपस्थिति में हुआ था। प्रथम अंक को देखकर सभी ने इस नवीन पत्रिका को आत्मीयता से स्वीकार किया था। प्रारम्भ से प्रतिमाह प्रकाशित होने वाली समाज की यह पहली बहुरंगी पत्रिका है। इसके इन पांच वर्षों के दौरान अनेक चुनौतियाँ आई परन्तु सभी के सहयोग से यह पत्रिका निरन्तर आप तक पहुंचती रही तथा कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन के दौर में भी 'कुमावत इंडिया' पत्रिका वाट्सएप के माध्यम से पाठकों तक पहुंचाई जाती रही। शायद कुमावत समाज की ऐसी प्रथम पत्रिका है जो तब से डिजिटल माध्यम से भी समाजजनों को उपलब्ध कराई जा रही है।

पत्रिका में सामाजिक गतिविधियों की खबरों के साथ जनापयोगी लेख, विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी, कानूनी जानकारी तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रकाशित होती है। इनका अनेक पाठकों ने लाभ उठाया है। समाजजन अब फोन तथा मैसेज करके इस पत्रिका से स्वयं जुड़ रहे हैं। यह पत्रिका की स्वीकार्यता का प्रयाास है। पत्रिका ने इन पांच वर्षों में हर क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन सुधार किया है तथा यह क्रम निरन्तर जारी रहेगा।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के साथ सम्पादक मण्डल, व्यवस्थापक मण्डल, पत्रिका सहयोगी की टीम आप तक सामाजिक जानकारियों को पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है, वह भी सबसे पहले व सबसे तेज। समाजजनों की विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों का प्रकाशन करके हमने विशेषकर युवाओं को प्रेरित एवं जागरूक करने का प्रयास किया है। सामाजिक बुराइयों का त्यागकर विकास पथ पर लक्ष्य साधने का प्रयास पत्रिका कर रही है।

आशा है 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपको पसन्द आ रही है। हो सकता है आपके दिल में कुछ नवाचार करने के लिए सुझाव हो, कृपया इन्हें हम तक भिजवाएं। उसका सदैव स्वागत है। हमारा अनुरोध है कि आप अधिक से अधिक सदस्य बनें तथा अपने जानकारों को भी सदस्य बनाने को प्रेरित करें।

- रमेश गैदर, अध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट

राजस्थान कुमावत क्लब का स्नेह मिलन आयोजित

जयपुर, 10 जुलाई को राजस्थान कुमावत क्लब द्वारा संचालित कुमावत वेलफेयर सोसायटी का स्नेह मिलन होटल आपणो राजस्थान सीकर रोड, जयपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री के.सी. कुमावत शासन उप सचिव (कार्मिक विभाग) तथा अतिथि श्री दामोदर कुमावत उपायुक्त (JDA) थे।

भारी बरसात के बावजूद कार्यक्रम में 57 अधिकारी व प्रोफेशनल्स मय परिवार पधारे। वाटरपार्क एवं फन किंगडम, स्नेक्स एवं चाय, गेम्स गायन व डांस, कुर्सी दौड़, दौड़ (पुरुष-महिलाएं, बच्चे) का भरपूर मनोरंजन के साथ आयोजन हुआ तथा विजयी रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अधिकारियों का परिवारजनों के साथ परिचय हुआ जिन्होंने अपने विचार भी व्यक्त किए। कार्यक्रम डिनर के साथ सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के आयोजनकर्ताओं में श्री बाबूलाल कुमावत चीफ मैनेजर IFFCO, डॉ. आर.पी. कुमावत, श्री गौरी शंकर, धनश्री सीसी सोसायटी, श्री सुरेश CA, डॉ. एम.के. कुमावत तथा डॉ. किशन लाल नागा थे। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश कुमावत ने किया व सी.पी.डी. कुमावत, राज्य उद्घोषक ने भी एक्टिविटीज का संचालन किया।

'कुमावत समाज भवन', मालवीय नगर, जयपुर का लोकार्पण हुआ

8-9 जुलाई, 2022 को कुमावत समाज भवन मालवीय नगर, जयपुर के लोकार्पण कुमावत क्षत्रिय भवन संचालन समिति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलश यात्रा, 5 कुण्डीय यज्ञ, गणेश स्थापना तथा लोकार्पण कार्यक्रम हुआ।

समारोह में अतिथियों में माननीय कालीचरण सर्राफ विधायक, विशिष्ठ अतिथि श्री मुकेश वर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव, ठेकेदार श्री भींवाराम-पन्नालाल, श्री संतसरण खोवाल, श्री एस.एन. कुमावत, श्री दीपक कुमावत आर्किटेक्ट इत्यादि की उपस्थिति में श्रीमती परमेश्वरी देवी पारमवाल पत्नी श्री हरीश जी ने लोकार्पण किया। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीय नगर, जयपुर के अध्यक्ष श्री रमेश गैदर एव सचिव श्री गौरव अजमेरा भी उपस्थित थे। समारोह में समाज भवन के निर्माण में योगदान करने वाले भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में पधारे हुए समाजजनों को स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसमें स्थानीय मालवीय नगर क्षेत्र के अधिकांश लोगों एवं अनेक भामाशाहों को आमंत्रण नहीं होने की जानकारी मिली है जिससे वो कार्यक्रम में आने से वंचित हो गये।

द्रोपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला 15वीं राष्ट्रपति बन इतिहास रचा

25 जुलाई, 2022। रायरंगपुर से रायसीना का सफर तय कर इतिहास रचने वाली आदिवासी महिला द्रोपदी मुर्मू को भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री एन.वी. रमन्ना ने शपथ दिलाई। द्रोपदी मुर्मू की यह डगर आसान नहीं रही। यह सबसे युवा राष्ट्रपति हैं इनकी उम्र 64 साल 1 माह है। इन्हें 676803 (64.03%) वोट तथा यशवंत सिन्हा को 380177 (35.97%) वोट मिले।

आपने ओडिसा में क्लर्क की नौकरी से कैरियर शुरू किया फिर रायरंगपुर में मानद शिक्षक के रूप में पढ़ाया। वर्ष 1997 में आप पार्षद बनी फिर वर्ष 2002 व 2004 में ओडिसा में विधायक निर्वाचित होकर मंत्री बनी। 18 मई 2015 को आप झारखण्ड राज्य की पहली महिला राज्यपाल बनी व कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया।

21 जुलाई को राष्ट्रपति निर्वाचित होते ही तथा 25 जुलाई को शपथ के बाद ओडिसा में विशेषकर आदिवासी इलाकों में उत्सव का माहोल था, लोगों ने घरों को फलों से सजाया व दीप जलाकर जश्न मनाया। वहीं संथाली नृत्य कलाकार झूम उठे। आपका उपरबेड़ा गांव कुसुमुई ब्लॉक के अन्तर्गत आता है जो रायरंगपुर से 15 कि.मी. दूर है। इनके बचपन का नाम पूती था, टीचर ने इनका नाम बदलकर द्रोपदी रखा। गांव में जश्न का माहौल था कि गांव की बेटी भारत के शीर्ष पद पर पदासीन हुई है।

इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति श्री वैंकेया नायडू, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व उनकी मंत्री परिषद के सदस्य, तीनों सेनाओं के प्रमुख तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अपने प्रथम सम्बोधन में माननीया द्रोपदी मुर्मू ने सबका जोहार (अभिवादन) करते हुए कहा कि इस देश के लोकतंत्र की महानता है कि गरीब भी सर्वोच्च पद तक पहुंचने के सपने देख सकता है। वे उस गांव से हैं जहां प्रारम्भिक शिक्षा भी एक सपना होता है। वे गांव की पहली ऐसी लड़की हैं जो कॉलेज जा सकीं। उनका राष्ट्रपति बनना भारत के हर गरीब की उपलब्धि है। वे आजाद भारत में जन्मी हैं तथा बिरसा मुण्डा से उन्हें प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि, अमृत काल की सिद्धि का रास्ता दो पटरियों पर बढ़ेगा : **'सबका प्रयास और सबका कर्तव्य'** एक भारत श्रेष्ठ भारत होगा। जब 130 करोड़ भारतीय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तब पूर्वी भारत के सुदूर गांव की आदिवासी महिला व योग्य प्रशासक द्रोपदी मुर्मू का राष्ट्रपति चुना जाना खास महत्व रखता है। ये भारत के राष्ट्रपति के रूप में सफलता का परचम लहरायेगी ऐसी सभी को आशा है।

वो योगा ही तो था ?

इन्सान के स्वस्थ एवं निरोग रहने के लिए अपनी दैनिक दिचर्या को नियमित रखना अति आवश्यक है। यदि व्यक्ति परिश्रमी है तो वह ना तो थकेगा ना ही बीमार होगा। यह प्रकृति का नियम है। भगवान ने इन्सान को खाने, पीने, परिश्रम करने एवं अपनी आजीविका के लिए योग्यता अनुसार सारे प्रबन्ध किए हैं। सोचने समझने की शक्ति दी है। इस सम्बन्ध में आगे विचार करना उचित होगा।

वर्तमान में शरीर के निरोग रखने के लिए बड़े-बड़े सन्तों एवं योग गुरुओं ने योग सिखाना आरम्भ कर दिया है। योग करने से लोगों को अनेक साधारण एवं गम्भीर रोगों से आशातीत लाभ हुआ है। कई बीमारियों एवं समस्याओं से छुटकारा मिला है। यह सर्वविदित है।

हाल ही में 21.6.2022 को विश्व योग दिवस मनाया गया है जिसमें स्त्री-पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया था इसमें ऐसे लोगों ने भाग लिया था जिन्होंने कभी योगा नहीं किया। आज जिसको योग के नाम से जाना जा रहा है, इसे तो पूर्वकाल में बुजुर्गों ने अपनी दैनिक दिनचर्या मनाते थे : पहले व्यक्ति प्रात: 4 बजे उठना 1-2 मील लोटा डोर लेकर शौच पर जाना, प्राकृतिक वृक्ष नीम-बबूल की टहनी से दांत साफ करना, कुएं से पानी खींचकर नहाना, कपड़े धोना व मन्दिरों में पूजा-पाठ करना घंटा घड़ियाल हाथों से बजाना, जोर-जोर से भजन कीर्तन मधुर आवाज में करना, हल चलाना, मिट्टी खोदना, नाव-चड़स चलाना, पशुओं के लिए चारा उगाना, काटना व खिलाना, सूखे चारे में चूरी चपड़ा, खली, ग्वार पकाकर अपने दोनों हाथों से अच्छी तरह मिलाना, महिलाएं चारा खोदना, चक्की पीसना, दूध दुहना, गर्म करना, जमाना, छाछ बिलोना, पशुओं को पानी पिलाना, नहलाना, घर-आंगन की सफाई करना, झाड़ू लगाना इत्यादि कार्य करना वह 'योगा ही तो था'।

वर्तमान युग मशीनी युग है नागरिकों को कोई भी काम हाथ से नहीं बल्कि मशीनों से करना होता है। बस बटन दबाते ही नलों में, खेत-खलीयान में पानी आना। पैदल के बजाए कार/ स्कूटर/ बस/ टैम्पू/ मैट्रो इत्यादि से आना जाना। रसोई, भवन निर्माण, खेतों का कार्य लगभग मशीनों से ही हो रहा है। शौच के लिए बहुत दूर नहीं बेडरूम से अटैच टॉयलेट की व्यवस्था है। इस पूर्वकालीन दैनिक दिनचर्या को वर्तमान में योगा के रूप में जाना जाता है। इस मशीनरी युग में समय व मेहनत की बचत होती है पर क्या मालूम अनेकानेक रोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। जिनका नाम नहीं सुनते थे वह आज हमारे सामने हैं।

-लालचन्द धुंधारिया कुमावत

प्रेरक जीवनी:- श्री मंगल चंद कुमावत 'मुंशी जी'

श्री मंगल चंद जी कुमावत 'मुंशीजी' का जन्म एक साधारण कृषक परिवार में सन् 1894 ई.में सीकर जिले के श्रीमाधोपुर कस्बे में हुआ। पिता श्री रामजीलाल व माता श्रीमती आशा देवी के घर जन्मे मंगल चंद जी जन्म से ही पोलियो से ग्रस्त थे।

पोलियो ग्रस्त होते हुए भी बालक मंगलचंद बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं परिश्रमी थे। उस जमाने में सन् 1911 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। मैट्रिक परीक्षा के दौरान निरीक्षण करते समय एक अंग्रेज अधिकारी उनके सुंदर हस्तलिपि को देखकर बहुत प्रभावित हुए तथा कहा कि जब भी आपका परीक्षा परिणाम आये उसे अवगत करायें, मैं आपको राजकीय सेवा में नियुक्त करना चाहता हूँ। परीक्षा परिणाम आते ही श्री मंगल चंद की 18 वर्ष की आयु में नियुक्ति श्रीमाधोपुर की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापक पद पर हो गई। उस जमाने में इतनी कम उम्र में तथा पोलियो ग्रस्त होते हुए सरकारी सेवा में नियुक्त होना कुमावत समाज के लिए गौरव की बात थी।

बहुभाषाविद् मंगल चंद जी का हिंदी, अंग्रेजी एवं उर्दू पर पूर्ण अधिकार था। उनकी धाराप्रवाह अंग्रेजी भाषा को सुनकर सभी लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। एक बार विद्यालय निरीक्षण पर आए जिला शिक्षा अधिकारी महोदय ने उनकी विद्वता से प्रभावित होकर तथा उनके भाषाई ज्ञान को देखकर उनको प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की एवं शीघ्र ही वे प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नत हो गए।

महान् शिक्षक मंगलचंद जी उत्तम शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक होने के साथ साथ सभी विद्यार्थियों से उनका गहरा लगाव था। यदि कोई विद्यार्थी विद्यालय नहीं आता था तो मुंशी जी अपने शिष्यों को भेजकर उसे घर से बुलाते थे तथा अपनी वाणी से उस विद्यार्थी को नियमित विद्यालय आने के लिए संतुष्ट करते थे।

मुंशी जी हिंदू, मुस्लिम, ब्राह्मण, महाजन, क्षत्रिय, कुमावत आदि की सभी समान रूप से शिक्षा देते थे। वे हमेशा शिक्षा और मेहनत को ही सर्वोपरि मानते थे।

उनकी कुशल लेखन शैली, सुंदर हस्त-लेख, मेहनत, लगन, योग्यता, कुशलता एवं कर्तव्य निष्ठा को देखकर विद्यालय स्टाफ ने उनको 'मुंशी जी' की उपाधि से सम्मानित किया। जिसका अर्थ ही होता है कुशल हस्त-लेखक अथवा सचिव।

'मुंशी जी' बहुत ही परिश्रमी एवं न्यायप्रिय शिक्षक थे। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाला यह कोई साधारण नहीं बल्कि एक जुझारू व्यक्तित्व था। उन्होंने कभी भी धन को महत्व नहीं दिया। अर्थार्जन करना उनके जीवन का लक्ष्य नहीं था। मात्र 25-30 रुपए मासिक वेतन पाकर ही वह अपना और अपने परिवार का गुजारा करते थे। सन् 1950 में सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उनके घर पर विद्या अध्ययन करने आते थे। मुंशी जी अपने विद्यार्थियों से सवा रुपया व नारियल के अलावा कोई गुरु दक्षिणा नहीं लेते थे।

उनके द्वारा दिए गए उच्च संस्कार एवं सुशिक्षा को पाकर श्रीमाधोपुर कस्बे एवं समाज के बहुत से लोग न केवल सरकारी व उच्च पदों पर नियुक्त हुए बल्कि उच्च कोटि के व्यवसायी भी बने। जिनमें प्रमुख श्री रामसहाय वर्मा भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (IAS) बने। श्रीनारायण जी कृषि अधिकारी, श्री रघुनाथ प्रसाद जी मारवाल प्रधानाध्यापक, श्री रामपाल जी अध्यापक, श्री शिव भगवान जी मारवाल नगर पालिका सचिव, श्री हरि किशन जी मारवाल भारतीय सीमा सुरक्षा बल में सैनिक, उनके सुपुत्र श्री शिवदयाल जी मारवाल प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी तथा कस्बे के अनेक महाजन उनके शिष्य मुंबई, कोलकाता, सूरत, अहमदाबाद आदि नगरों में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों का संचालन कर श्रीमाधोपुर कस्बे का नाम रोशन कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री एवं राजस्थान विधानसभा में पांच बार विधायक रह चुके महादेव सिंह 'खंडेला' भी उनके शिष्य रह चुके हैं।

मुंशी जी द्वारा दिए गए संस्कार एवं शिक्षा की ही देन है कि उनके पुत्र एवं पौत्र श्री रूपनारायण, जगदीश प्रसाद, कृष्ण गोपाल, राजेंद्र कुमार एवं रोशन आदि कुशल बिजनेसमैन बनकर आज उनकी प्रतिष्ठा में चार चांद लगा रहे हैं। श्री सीताराम, राधेश्याम, रामेश्वर लाल, रामावतार (बैंक अधिकारी) डॉ सुरेश कुमार वर्मा, डॉ प्रदीप कुमार उन्हीं के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर सरकारी सेवाओं में कुशलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सन् 1959 ई.में हृदय गति रुकने से मुंशी मंगल चंद जी कुमावत का स्वर्गवास हो गया। कस्बे एवं समाज का शिक्षा के क्षेत्र में चमकता हुआ सितारा सदा सर्वदा के लिए अस्त हो गया। इस अपूरणीय क्षति को कभी पूरा नहीं किया जा सकता है।

मुंशी जी से शिक्षार्जन करने वाले शिष्यों के परिवार उनके द्वारा दिखाए गए आदर्श मार्ग पर चलकर संपन्नता के शिखर पर हैं। मुंशी जी के परिवार (बावड़ी वाले) के सभी सदस्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न राजकीय सेवाओं में तथा व्यावसायिक क्रियाकलापों द्वारा संपन्नता पूर्वक अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

यह एक विचारणीय विषय है कि आज से एक शताब्दी पूर्व एक अपाहिज व्यक्तित्व ने किस तरह शिक्षा के माध्यम से समाज की दिशा और दशा को बदल दिया। कुमावत समाज के लिए यह एक गौरवान्वित करने वाला अनुकरणीय उदाहरण है। ऐसी महान विभूतियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

- कृष्ण गोपाल कुमावत
बावड़ी, श्रीमाधोपुर

आजादी का 75वां वर्ष-अमृत महोत्सव पर्व

15 अगस्त 2022 को भारत की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष पूरा हो गया। पूरे देश में आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मनाया गया। आजादी के इस अमृत महोत्सव को मनाए जाने के कुछ कारण है। पहला यह कि भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी। दूसरा यह कि देश को स्वतंत्र करने के लिए जिन राष्ट्र सुपूतों ने बलिदान दिया और बहुत कष्ट सहे उन्हें याद करने का यह दिन है। तीसरा यह कि आजादी के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। इन कारणों से आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम उन सभी लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र के सही मायने बताने बहुत आवश्यक है साथ ही यह बताना भी जरूरी है कि इन 75 वर्षों में भारत ने क्या उपलब्धियां प्राप्त की हैं। वर्तमान में जो युवा पीढ़ी है वह आजादी के संघर्ष और लोकतंत्र के महत्व को बेहतर ढंग से नहीं जानती हैं। यह पीढ़ी अनेक विचारधाराओं में बंटकर एक गुमराही चौराहे पर खड़ी है। ऐसे में उसे अपने देश के इतिहास और वर्तमान से जोड़ना जरूरी है।

आजादी का महोत्सव किसी विशेष जाति, धर्म अथवा राज्य का नहीं बल्कि संपूर्ण भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इस राष्ट्रीय महोत्सव के दौरान सभी सरकारी भवन और घरों पर तिरंगा फहराया गया और अनेक स्थानों पर तिरंगा रैलियां निकाली गई ताकि इसका महत्व लोगों तक पहुंचया जा सके। बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी कला के माध्यम से आजादी का महोत्सव का संदेश लोगों तक पहुंचाया।

भारत को आजाद कराने के लिए किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और क्या-क्या कुर्बानियां भारत को देनी पड़ी यह आज की युवा पीढ़ी को जानना बहुत जरूरी है। साथ ही यह भी कि आने वाले समय में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

भारत को विश्व अर्थव्यस्था में एक शक्ति माना जाता है। भारत में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है जो अपनी काबिलियत से लगातार उन्नति और सफलता के परचम लहरा रही है और देश के विकास में सहयोग कर रही है। आजादी के बाद भारत को बंटवारा झेलना पड़ा, और भारत को पहले पाकिस्तान फिर चीन और फिर पाकिस्तान के साथ युद्ध लडना पड़ा। उस समय के बाद भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से टूट चुकी थी लेकिन फिर भी लगातार प्रयास के बाद और देश प्रेम के दम पर भारत आज एक बड़ी अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में विकास करने वाला देश बन गया है।

आज भारत एक परमाणु शक्ति होने के साथ ही बड़ी सैन्य शक्ति भी है। यही नहीं चांद और मंगल पर मानव रहित मिशन भेजने वाले 5 देशों की सूची में भारत का भी नाम शामिल है जो कि हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है। साथ ही भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने बहुत कम खर्चों में मंगल मिशन को पहली बार में ही सफल बनाया। उत्पादन के मामले में भी भारत ने कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। इससे वर्तमान भारत की तस्वीर बदल गई है। आज भारत को दुनिया सम्मान और आशा भरी नजरों से देख रही है। इन सभी बातों पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि जब हम इन सभी बातों पर ध्यान देंगे तो हमें गर्व महसूस होगा कि हम भारतवासी हैं और हमने भारत जैसे देश में जन्म लिया।

तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हम गर्व से कह सकते हैं कि यह देश कल भी सुनहरा था, इस देश का आज भी चमकीला है और आने वाला कल भी उजालों से रोशन होगा। हम सब अपने प्रयासों से इसे खूबसूरत और प्रगतिशील बनाएंगे। हमने सपने बहुत देखे हैं अब हमें सपनों को पूरा करना है। हमें अपने गांवों को उन्नत बनाने के प्रयासों में तेजी लानी होगी हमें अपने युवाओं के हाथों में रोजगार देने होंगे अगर संभव नहीं है तो स्वरोजगार की ललक पैदा करनी होगी।

- जयसिंह कुमावत
सह-सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

''गीतोक्त शान्ति की प्राप्ति'' पुस्तक श्रीमदभगवद्गीता के विचारों को पहुँचाने का एक सेतु

उज्जैन के **प्रोफेसर श्री बालकृष्ण कुमावत** ने ''गीतोक्त शांति की प्राप्ति'' पुस्तक का लेखन करते हुए श्रीमद्भगवतद्गीता के 10 श्लोकों के आधार पर 10 अध्याय में शांति की प्राप्ति के उपायों का वर्णन करते हुए अन्य आध्यात्मिक ग्रन्थों का उद्धरण देकर अपने विचारों को पुष्ट किया है।

गीता में श्रीकृष्ण के उपदेशों एवं अर्जुन की शंकाओं का समाधान है, जो आज के युग में भी सटीक बैठते हैं। श्रीमद्भगवतद्गीता के श्लोकों पर आधारित प्रो. श्री बाल कृष्ण कुमावत ने अपनी पुस्तक में मानव को किस प्रकार इस युग में शांति मिले, यह मार्मिक ढंग से श्लोकों को विद्धवता से सरल भाषा में समझाया है। इसके लिए प्रो. कुमावत को बधाई। निश्चित ही यह पुस्तक हम सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। यद्यपि इस पुस्तक का मूल्य 200 रुपये है किन्तु आदरणीय प्रो. श्री बालकृष्ण कुमावत ने इसे 100 रुपये में उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसके लिए प्रोफेसर कुमावत का धन्यवाद।

- कुमावत इंडिया पत्रिका

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका से अपेक्षाएं

यह एक सुखद संयोग एवं परम सौभाग्य की बात है कि 15 अगस्त, 2022 को हमारा राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है, जो वर्ष भर चलेगा। यह और भी हर्ष का विषय है कि इस दिव्य एवं भव्य अनुष्ठान का आयोजन देश के यशस्वी, राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पित निष्काम कर्मयोगी, अदम्य एवं अनवद्य व्यक्तित्व के धनी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के मंगल नेतृत्व में हो रहा है। दैवी गुणों की साक्षात् मूर्ति माननीय नरेन्द्र मोदी जी को किसी दिव्य शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त है, जो हमारे राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सन्नद्ध एवं कटिबद्ध है। ऐसा प्रधानमंत्री पाकर भारत देश धन्य हो गया है। शीघ्र भारत दुनिया में सिरमौर होगा, विश्व गुरु होगा और एक विलक्षण अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था लागू करने में सफल होगा। 'राजाकालस्य कारणं' वाली महाभारत में भीष्म पितामह द्वारा कही गई उक्ति मूर्त रूप लेगी।

इस शुभ प्रसंग के साथ एक और घटना जुड़ी है कुमावत समाज द्वारा प्रकाशित **'कुमावत इण्डिया'** पत्रिका अपने **पांच वर्ष पूर्ण कर रही है।** इसका प्रकाशन राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर से होता है तथा समूचा भारत इसका कार्यक्षेत्र है। यह देश के कोने-कोने में समाजबन्धुओं को भेजी जाती है।

उल्लेखनीय है कुमावत क्षत्रिय समाज देश के उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम के अधिकांश महानगरों, नगरों, कस्बों तथा गांवों में साथ ही विश्व के अनेक देशों में भी बसा हुआ है। यह समाज बहु-आयामी प्रतिभाओं का धनी है। निर्माण-कार्य, हस्तकला, चित्रकारी, कृषि कार्य, व्यवसाय, विशिष्ट पेशे एवं विविध कलाओं में पुरातन काल से आज तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। राजा-महाराजाओं के शासन काल में भी अपनी विशिष्ट पहचान के लिए इतिहास में इस समाज की प्रतिभाओं की गौरव गाथाओं के वर्णन मिलते हैं। युद्ध का मैदान हो, सुरक्षा की बात हो, गोपनीयता की बात हो या राष्ट्रभक्ति की बात हो, समाज के लोगों ने पूर्ण निष्ठा, वफादारी, बहादुरी, विश्वसनीयता, त्याग, बलिदान, उत्सर्ग के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। जयपुर की कला के भारत ही नहीं पूरे विश्व में दर्शन होते हैं। दिल्ली का विज्ञान भवन तैयार करने में समाज के लब्ध प्रतिष्ठ चीफ आर्कीटेक्ट आदरणीय रामप्रकाश जी गहलोत का नाम इतिहास में सदैव अंकित रहेगा। **इसके लिये तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में उन्हें पद्मश्री के सम्मान से अलंकृत किया गया था।** ऐसी अनेक प्रतिभाएं भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में सम्मान प्राप्त करती रही हैं।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका में इन प्रतिभाओं के कृतित्तव एवं व्यक्तित्व पर आलेख प्रकाशित होते रहे हैं। इस पत्रिका में समाज की प्रगति, उल्लेखनीय उपलब्धियों, प्रतिभा-विकास, खेल-कूद क्षेत्र में सम्मान, नवीन आविष्कार में योगदान आदि के संबंध में समाचार एवं प्रगति-रिपोर्ट प्रकाशित की जाती हैं। यह एक प्रशंसनीय बात है। समाज की उन्नति एवं सुधार हेतु सकारात्मक रुख के प्रसारण और रुढ़िवादी दृष्टिकोण के स्थान पर सर्व हितकारी एवं कल्याणकारी दृष्टिकोण को प्राथमिकता देने पर भी पहल की जा रही है, जो सराहनीय है। समय-समय पर विभिन्न विषयों पर गंभीर आलेख प्रकाशित करने के प्रति भी जागरूकता का परिचय दिया जाना एक अच्छी बात है।

-प्रो. बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन (म.प्र.)

टोंक जिले में प्रथम रही ध्वनि कुमावत

ध्वनि कुमावत पुत्री डॉ जगदीश कुमावत (घोडेला), शिशु रोग विशेषज्ञ राजकीय चिकित्सालय देवली, टोंक ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा आयोजित सत्र-2021-22 में कक्षा दसवीं में 97.8% अंक प्राप्त कर टोंक जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बरखा आई (गीत)

मेघों नें सरगम छेड़ी तरु,
पल्लव नें पुरवा गाई।
घूंघट पट घनप्रिया चंचला,
सँवर सँवर बरखा आई।।

पावस ने पग धरा धरा पर,
धरा खुशी से चहक गई।
भीगी भीगी प्रेम पगी सी,
सोंधी मिट्टी महक गई।

आल्हादित हो अभिनंदन में,
चूनर धानी लहराई।
घूंघट पट घनप्रिया चंचला,
सँवर सँवर बरखा आई।।

घनी घनी ये कुंतलवर्णी,
आज गगन में घिरी घटा।
पर्ण परिंदे पेड़ पुष्प पर,
पल में पसरी पूर्ण छटा।

सूखे सूखे मन उपवन में,
सुप्त कामना सरसाई।
घूंघट पट घनप्रिया चंचला,
सँवर सँवर बरखा आई।।

मधुकर ने मधुवन गुंजाया,
घूंघट खोला कलियों नें।
फूल बिछाए स्वागत पथ में,
आंगन धोया गलियों नें।

मौलसिरी की डार मयूरा,
कोयल कूके अमराई।
घूंघट पट घनप्रिया चंचला,
सँवर सँवर बरखा आई।।

-प्रहलाद कुमावत 'चंचल'

5 साल बेमिसाल

सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल की कलम से

समाज में जो कुछ घटित हो रहा है, जो होगा अथवा जो हो चुका है, इन सभी का ब्यौरा सामाजिक पत्रिकाओं में अंकित होता है। इस महत्वपूर्ण कार्य को करने का पूरा श्रेय पत्रकार को जाता है। इस प्रकार पत्रकारिता के माध्यम से समाज के प्रतिबिम्ब को देखा जा सकता है। समाज को प्रभावित करने की जो क्षमता सामाजिक पत्रिकाओं में है, उसके मूल में भी पत्रकार ही है। पत्रकार को समाज के सजग प्रहरी के रूप में देखा जाता है। एक पत्रकार सामाजिक परिवर्तन के लिए जो त्याग करता है उसका वह त्याग ही समाज को गति प्रदान करता है। समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज पत्रकार होता है।

पत्र-पत्रिकायें हमारे दैनिक दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है प्रात:काल से हर किसी को पत्र-पत्रिकाओं का इंतजार रहता है या यूं कहें कि उनकी दिनचर्या ही पत्र-पत्रिकाओं से शुरू होती है हमारे समाज, आस-पास व देश-विदेश की घटनाओं की जानकारी हमें पत्र-पत्रिकाओं से ही प्राप्त होती है हमें हर तरह की जानकारी इनसे मिलती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जिस समाज में रहता है, उसके साथ उसकी अन्त:क्रिया का होना स्वाभाविक है। पत्रकारिता की कल्पना समाज से अलग करके नहीं की जा सकती है। पत्रकारिता ही है जिसके माध्यम से समाज में नवसंचार, जागरण, सजीवता तथा नवस्फूर्ति का संचार होता है। पत्रकारिता की उपयोगिता को स्पष्ट करते हुए महादेवी वर्मा ने कहा है कि, ''पत्रकारिता एक रचनाशील विधा है। इसके बगैर समाज को बदलना असम्भव है अत: पत्रकारों को अपने दायित्व और कर्तव्योंर का निर्वाह निष्ठापूर्वक करना चाहिए, क्योंकि उन्हीं के पैरों के छालों से इतिहास लिखा जाएगा।''

कुमावत इंडिया पत्रिका समसामयिक संदेश, प्रतिभाओं को आगे लाना और समाज की गतिविधियों का संकलन कर समाज के लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बने इस उद्देश्य से शुरु की गई थी। कुमावत इंडिया पत्रिका ने कम समय में समाज में अच्छी लोकप्रियता प्राप्त की है जिसका मुख्य कारण समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन है। पत्रिका समाज की प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए प्रयासरत रही है। मेरा मानना है कि सामाजिक पत्रकारिता चुनौतियों से भरी होती है लेकिन सामाजिक चेतना के लिए इन चुनौतियों को स्वीकार करना भी आनंददायक होता है। पत्र-पत्रिकाएं समाज के लिए आईने का काम करती है। किसी भी मुद्दे पर पत्रिका ने सच और सही खबरों को प्रकाशित किया है। कुमावत इंडिया पत्रिका एक जागरूक सामाजिक पत्रिका है, जिसने अल्प समय में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पत्रिका ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर कार्य किया है। वहीं, देश में कोरोना महामारी के समय जब पूरा विश्व घरों में कैद था चारों ओर हाहाकार मचा था ऐसे समय भी कुमावत इंडिया पत्रिका ने अपने अंकों का प्रकाशन नियमित रूप से कर समाज को सामाजिक खबरों से रू-ब-रू करवाया। पत्रिका सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक क्षेत्रों की जानकारी देकर सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

कुमावत इंडिया पत्रिका ने समाज के विकास में अनूठे आयाम दिए हैं। पत्रिका ने हर मुद्दे पर निष्पक्ष और निडर पत्रकारिता की है। चाहे वह राजनीतिक हो, सामाजिक हो या प्रशासनिक। सबसे पहले, सबसे तेज खबरें समाज के कोने-कोने में पहुंचा रही है। सामाजिक सरोकारों सहित अन्य सभी पहलुओं पर पत्रिका ने अपना अलग मुकाम बनाया है। पत्रिका और अधिक ऊंचाईयों पर पहुंचे इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है, ताकि कुमावत इंडिया पत्रिका देश में एक अलग पहचान, मुकाम पा सके।

-जयसिंह कुमावत
सह सम्पादक, कुमावत इंडिया पत्रिका

स्मृति शेष : भौंरीलाल (भंवरलाल कुमावत) गैदर (स्वर्गवास दिनांक 3.7.22)

श्री भौंरीलाल (भंवरलाल) गैदर का जन्म 1945 में स्व. श्रीमान सुखदेव जी गैदर व स्व. श्रीमती नाथी देवी जी के घर हुआ। आपका प्रथम विवाह श्री कलजी सिरस्वा निवासी कुतरो की ढाणी, सांगानेर की पुत्री स्व. श्रीमती भंवरी देवी जी से हुआ तथा दूसरा विवाह श्री धनजी बारावाल निवसी चौमूं की पुत्री स्व. श्रीमती भंवरी देवी जी से हुआ। आप चार भाई-बहिन हैं। आपके चार पुत्रियां एवं दो पुत्र हैं।

आप भवन निर्माण कार्य के उम्दा कारीगर थे। ये श्री रामदेव बाबा के बड़े भक्त रहे। आपके द्वारा आपका स्वयं का प्लाट संख्या 7 साईज 60'×35.5' = 236.66 वर्ग गज विनोबा बस्ती बरकत नगर टोंक फाटक जयपुर में था, को 23.5.2018 को कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर को गिफ्ट कर पुण्य कार्य किया है। इस पुण्य कार्य के लिए समिति के समस्त कार्यकारिणी कुमावत समाज बन्धुगण आभार प्रकट करते हैं। ऐसी पुण्यात्मा को कोटि-कोटि नमन।

- राम प्रकाश मारवाल (मंत्री)

विशिष्ट संरक्षक

वि/1 श्री ... चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, बैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बैरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याड़वाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जुनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छतीसगढ़
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, खड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मंडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, ढूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, किशन मानपुरा, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढ़सर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर विस्तार, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा मानसरोवर, जयपुर

"कुमावत इंडिया" पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

5 जुलाई श्री भवानी शंकर खोवाल, लालकोठी योजना, जयपुर
6 जुलाई श्री मदनलाल माचीवाल, कृष्णा कॉलोनी, ब्यावर, अजमेर
6 जुलाई श्रीमती सावित्री देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सुवालाल होदकास्या, जयपुर
7 जुलाई श्रीमती केसरदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री बोदूराम बासनीवाल, जोबनेर
7 जुलाई श्री प्रभाती लाल खोरानिया (ठेकेदार), माचेड़ा, जयपुर
11 जुलाई श्री मोती राम बड़ीवाल, बड़ीवालों की ढाणी, मण्डा भीम सिंह, जयपुर
11 जुलाई श्रीमती पिंकी कुमावत पुत्री श्री बजरंग लाल खोरानिया, आदर्श नगर, जयपुर
12 जुलाई श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ताराचन्द तुनवाल, सीकर
13 जुलाई श्री मोहरी लाल सिरस्वा, शास्त्री नगर, जयपुर
13 जुलाई श्रीमती सुशीला देवी धर्मपत्नी श्री विष्णु कुदाल, बनीपार्क, जयपुर
16 जुलाई श्री लेखराज कारगवाल, नन्दपुरी, सोडाला, जयपुर
16 जुलाई, श्री बाल मुकुन्द मारवाल, काचरोदा, जयपुर
18 जुलाई श्री जगदीश प्रसाद घोड़ेला, किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर
21 जुलाई श्रीमती लीला देवी धर्मपत्नी टोडरमल घोड़ेला, हरिभाऊ योजना, अजमेर
23 जुलाई श्री राम सहाय बधानिया ढाणी कुमावतान, सांगानेर, जयपुर
25 जुलाई श्री गोपाल नागा, ढाणी नागान, जोबनेर, जयपुर
27 जुलाई श्री चिरंजीलाल सिरस्वा, कुमावत मोहल्ला, कुचामनसिटी, नागौर
27 जुलाई श्रीमती सोनी बाई धर्मपत्नी स्व. श्री दलपत राम कुमावत महावीर नगर, पाली
27 जुलाई श्रीमती चुन्नी देवी धर्मपत्नी श्री बुधाराम एकलिया, निम्बाहेड़ा, पाली
27 जुलाई श्री रूप चन्द रतिवाल, मदार गेट, अजमेर
29 जुलाई श्री नागर मल भगवान दास मोरवाल, झुंझुनूं
30 जुलाई श्री चुन्नीलाल छापोला, बीराज, जयपुर
31 जुलाई श्रीमती कमला देवी धर्म पत्नी श्री हीरालाल कुदाल, सिलोरा वाले
2 अगस्त श्री मनोहर वर्मा किरोड़ीवाल, खाती वाला टैंक, इन्दौर
6 अगस्त श्री कन्हैयालाल किरोड़ीवाल, कासोव दरवाजा निम्बाहेड़ा
8 अगस्त श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी स्व. शंकरलाल कुकड़वाल, अजमेर
9 अगस्त श्री डालचन्द नाहर, कुमावत मोहल्ला, चित्तौड़गढ़
10 अगस्त श्रीमती केशर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचन्द नेमीवाल पचार, सीकर
16 अगस्त श्री आदित्य कुमावत पुत्र श्री संजय भोड्या, इंदिरा कॉलोनी, चौमूं

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
विशाल	BBA	Business (Hotel)	31.5.97	5'7''	मोरवाल	सुखाड़िया	छापरवाल	अडानिया	7023746797	चित्तौड़गढ़
गजेन्द्र	M.Com.	Business	6.2.89	5'6''	अनावडिया	सांखला	अडानिया	देवतवाल	9460814992	जोधपुर
सचिन	B.Tech.	Software Engi.	26.5.92	5'10''	मारवाल	देवतवाल	तूनवाल	गैदर	9351935363	जयपुर
सुनील	M.A.	Pvt. Job (10,000P.M)	20.9.95	5'6''	जलिन्द्रा	कुकड़वाल	आसीवाल	कुंडलवाल	7425928924	श्री माधोपुर
पवन	M.Com.	Accountant	17.3.95	5'8''	खोरानिया	खटोड़	जलिंधरा	किरोड़वील	9829528566	किशनगढ़
शुभम	M.Com.	-	1.11.98	5'8''	अजमेरा	भूरंडिया	किरोड़ीवाल	राजोरिया	9828816266	अजमेर
पवनप्रकाश	M.Sc.,B.Ed.	Govt School Lecturar	31.5.88	5'7''	नागा	सिंघनवाल	राजोरा	दम्बीवाल	9982316851	किशनगढ़
हर्षित	B.Tech. (Civil)	Conector	26.11.91	5'6''	सुखाडिया	नेहरा	अडानिया	धनेरिया	9414170661	नाथद्वारा
अतुल	B.Com.,Event.	Workshop & Event man.	3.9.96	5'10''	जलान्दरा	नागा	आसीवाल	दम्बीवाल	9414056410	सांगानेर
मोहित	B.A.	Pvt. Ltd.	13.4.95	5'7''	ब्याडवाल	अनावडिया	राजोरी	कंडेरीवाल	9351258443	जयपुर
नवीन	B.A.	Vidio & Photography	15.12.95	5'8''	मियाणीया	बालोदिया	देवतवाल	कुदीवाल	97828024061	जयपुर
मेघराज	12th.	Bike motor garaj(3.5lack)	10.8.95	5'7''	भोरोदिया	मारवाल	राजोरिया	बबेरवाल	9782599018	जयपुर
गिरधारी(Handicap)	M.Com.	Govt. Service	6.7.88	-	मारोठिया	कारगवाल	नोखलवा	-	9784820418	कुचामन
राजेश	B.Com.	Accountant	18.6.89	5'8''	बावरिया	खोवाल	होदकास्या	थवालिया	9351233451	जयपुर
सुशील	B.Tech (CIvil)	Site Engi.	25.5.92	6'0''	राहोरिया	निरानिया	बारावाल	पीपलोदा	9929927537	जयपुर
शुभम	B.Tech. (E.E.)	LDC (Govt Deptt.)	15.3.94	5'6.5''	उदयवाल	सिरस्वा	देवतवाल	बड़ीवाल	9460634791	जयपुर
अनिल	M.Tech.	Junior Sere Assistant	3.10.92	5'7''	खरनारिया	जूनवाल	मारोठिया	दौराया	9414644833	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
सरोज	BBA	Study MBA	1997 (23)	5'3''	खोवाल	भाटीवाल	मारोठिया	भोबेरिया	8905598988	-
मोनिका	B.E (E.TC)	Soct. Engi.	26.11.93	4'5''	किरोड़ीवाल	केलूगरिया	मारोठिया	घोड़ीवाल	7798764761	नासिक
स्नेहा	B.Com.	Accountant	4.2.95	5'0''	किरोड़ीवाल	केलूगरिया	मारोठिया	घोड़ीवाल	7798764761	नासिक
सुरभि	M.A., DCA	Boutique	15.10.93	5'3''	सिरसीवाल	रतीवाल	अनावड़िया	देवतवाल	9680518970	अजमेर
स्वाती	B.E. (E.C.)	-	13.10.95	5'1''	खनाडिया	सिंदर	धनेरिया	जालवाल	9226881590	उज्जैन
ज्योति	M.Sc., B.Ed.	-	15.12.94	5'3''	माचीवाल	घोड़ेला	मारवाल	तुंदवाल	9415028022	कुचामन
मोनिका (मांगलिक)	M.Com. CA.	IT Firm	21.1.92	-	मामोडिया	घोड़ेला	बालोदिया	कैकटिया	9636777927	जयपुर
निहारिका	M.A., NTT	-	18.3.90	5'3''	अडानिया	देवतवाल	मानिया	नागा	9314883733	जयपुर
विनिता	MBA	-	26.8.90	5'2''	केडवाल	सर्वा	मावर	सिंधड	9981535548	देवास
अभिलाषा	BVA,MVA.	Graphic Designer	20.12.91	5'2''	खरनारिया	धमेरिया	धमुनिया	किरोड़ीवाल	9414041838	जयपुर
निकिता	M.Com.,(IT)	-	1.6.96	5'3''	देवतवाल	मामोडिया	अनावडिया	मरोडिया	9828407048	जयपुर
रश्मि	M.Com., B.Ed.	-	19.3.91	5'4''	अडानिया	देवतवाल	मालिया	नागा	9314883733	जयपुर
कुसुमलता	M.Com., PGDCA	Tax Consaltant	25.10.94	5'2''	हटवा	मोरवाल	खनेरिया	छापरवाल	6376987950	निम्बाहेड़ा
नीलम	M.A.	Dress Desiginor	23.5.92	5'4''	मारोठिया	जलान्दरा	दम्बीवाल	घोड़ेला	9166631001	किश. रेनवाल
डॉ. सुमन	M.B.B.S.	Medical officer	29.1.94	5'4''	मालिया	बासनीवाल	जायलवाल	जलान्दरा	9252604074	अजमेर
आयुषी	M. Com.	Jr. Accountant inJVVNL	18.2.94	5'4''	निमीवाल	संघेटिया	अजमेरा	केलगुरिया	8209064149	जयपुर
विजयलक्ष्मी	M. A.(Hindi)	Assi. Proffesor	5.2.93	5'1''	मारोठिया	दम्बीवाल	राहोरिया	किरोड़ीवाल	9829721729	अजमेर
चांदनी	B.PharmaMBA	System Analyst Banglore	25.9.91	5'2''	खरनारिया	मारवाल	रेनीवाल	होदकास्या	9214535336	भीलवाड़ा

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Ashok Kumawat
Rajender Kumawat

- Books
- Magazines
- Leaflets
- Posters
- Catalogues
- Certificates
- Calenders
- Carry Bags
- Pamplates
- Flyers

Shree Printing Center

• Multi Colour Offset Printing • Techno Thermal CTP Machine

F-109,Kartarpura, Industrial Area, Road No. 5,22, Godown Jaipur
Email: shreeprintingcenter@gmail.com Mobile: 9928499142, 9928499143

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई

Yogendra Kumawat

Jagatpati

UV PRINTING ON ALL GIFTTING ITEMS

जय

Vinayak Plotting Studio

- A4 to A0 Size Color Print, Scan, Copy
- Ammonia & blue Print
- Cloth Binding of Maps
- Lamination
- Spiral Binding
- CAD Work
- Khasra Map & Planning
- Digitization of Maps
- 3D Modeling
- Laser Cutting
- मकानों के नक्शे
- जमीनों का सर्वे

In Front of Laxmi Mandir Cinema, Near Raghukul Pan Bhandar, Tonk Road, Jaipur.

E-mail : plottingvinayak@gmail.com | Mob.: 9251752703, 9461973096

Technomed Govind

TRANSFUSION & TRANSPLANTATION

Channel Partners For

FRESENIUS KABI
caring for life

IMMUCOR
Transfuse Transplant Transform a life

Roche

zybio

smiths medical
bringing technology to life

BD
Helping all people live healthy lives

3M + KCI

AESCULAP
B|BRAUN

A – 64, Lane No. 04, Ashokpura K.B., Metro Pillar No. 125, New Sanganer Road,
Sodala, Jaipur-302019 Mobile : 09828211102, 09351159244
Email: technomed.govind@gmail.com

स्व. 15-07-1972

50 वीं पुण्यतिथि पर विशेष

दिव्य ज्योति पुंज, ध्येय निष्ठ, महान कर्मठ अपने नाना जी

स्व. श्री रामसहाय जी देवत (इंदौर)

को उनकी 50 वीं पुण्यतिथि पर मैं उनका दौहित्र

विजय वर्मा (सपरिवार) श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ ।

भगवान श्री रामचंद्र जी को हमने देखा नहीं है परंतु उनके उच्च आदर्शों की पूजा करते हैं, उसी प्रकार अपने नानाजी को मैंने देखा नहीं है किंतु उनके उच्च जीवन चरित्र को चरण बद्धता से अपने जीवन में उतारने में प्रयासरत रहा हूँ ।

विजय वर्मा - मनीषा वर्मा
(दौहित्र - दौहित्रवधू)

विमल वर्मा - बाबूलाल वर्मा (मुंबई)
(सुपुत्री - जवाई)

चन्द्रा रामसहाय देवत (मुंबई)
(सुपुत्री)

इंद्रा वर्मा - शशिकुमार वर्मा (इंदौर)
(सुपुत्री - जवाई)

अंजू वर्मा - नवीन वर्मा (इंदौर)
(दौहित्री - जवाई)

अर्चना वर्मा - योगेश वर्मा (मुंबई)
(दौहित्री - जवाई)

रचना वर्मा
(दौहित्री)

कविता वर्मा
(दौहित्री)

जय, आदित्य, आरव, ईशान
(पर दौहित्र)

अवनी, आंचल, आर्निका
(पर दौहित्री)

35 वीं पुण्यतिथि (स्व. 09.07.1987)

दादा जी
स्व. श्री रामसहाय जी वर्मा
(मुंबई)

32 वीं पुण्यतिथि (स्व. 21.6.1990)

दादी जी
स्व. श्रीमती दुर्गा देवी वर्मा
(मुंबई)

15 वीं पुण्यतिथि (स्व. 23.06.2007)

नानी जी (अम्मा)
स्व. श्रीमती संज्या देवी देवत
(इंदौर)

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने,

श्री जयसिंह कुमावत (गुड़ीवाल)

के भाजपा जयपुर शहर

ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री बनने तथा

76वें स्वतंत्रता दिवस

की **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

रमेश तोंदवाल **भारती तोंदवाल**

उपाध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

60, जय जवान कॉलोनी द्वितीय, टोंक रोड,
जयपुर, मो. 9414810584

कुमावत इंडिया पत्रिका

के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने,

श्री जयसिंह कुमावत (गुड़ीवाल)

के भाजपा जयपुर शहर

ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री बनने तथा

76वें स्वतंत्रता दिवस

की **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छुः

राजेश कुमावत (धुंधारिया)

पार्षद वार्ड नं. 48, हेरिटेज नगर निगम, जयपुर
मो. : 9314506330, 9314606330

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के 5 वर्ष पूर्ण होने पर

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

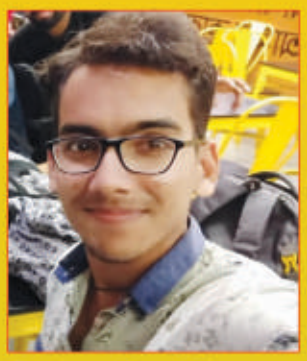

वि. क्षितिज (सन्नी) कुमावत
पुत्र श्री शंकर भौरोदिया
सुपौत्र स्व. रामदयाल फोरमैन, झोटवाड़ा
5Yr. Dual degree
B Teck+M.Tech (Khadgpur)

साहित्य कुमावत
पुत्र श्रीमती साधना एवं श्री सतीशचंद्र खादुवाल
होटल थीम, जयपुर
96.20 प्रतिशत CBSE 12th
100 प्रतिशत लेखाशास्त्र विषय में

डॉ. मेधिर कुमावत
पुत्र श्री रामकुमार बिरथलिया
सुपुत्र महेन्द्र कुमावत C.A.,C.S.
एडिलेड आस्ट्रेलिया
अन्तिम वर्ष

कु. साक्षी कुमावत
98.4% 12th CBSE

कु. स्नेहा कुमावत
97% 12th CBSE
पुत्री श्री मुकेश पारमवाल
सुपौत्री श्री गुलाबी देवी-स्व. श्री रामगापोल जी पारवाल,
रवासा, जिला सीकर

कु. दिविता सिंह
सुपुत्री रेखा-विक्रय सिंह बैथाड़िया
पत्रकारिता में PG
राजस्थान पत्रिका में सलेक्शन पर

कु. प्रियंका कुमावत
(बैडमिंटन परी) पुत्री श्री राम निवास जी
स्टेट अवार्ड मिलने पर
AG ऑफिस प्रयागराज (इलाहाबाद)
की सर्विस लगने पर

एवं समाज प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाए

शुभेच्छु : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा अध्यक्ष
चेतन कुमावत (धुंधारिया) उपाध्यक्ष
कस्तूरमल कुमावत सचिव
लालचन्द धुंधारिया कोषाध्यक्ष
एवं समस्त ट्रस्टीगण

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

कुमावत इंडिया पत्रिका के प्रकाशन के **5 वर्ष** पूर्ण होने
तथा **76वें स्वतंत्रता दिवस** पर हार्दिक बधाई

स्व. श्री बृजराज जी आर्य (राहोरिया) के आशीर्वाद से
श्री नरेन्द्र आर्य एवं विरल विरोश आर्य ब्यावर के प्रतिष्ठान

विरल पेट्रोलियम

नयारा (एस.आर. पम्प)
कॉलेज रोड, पानी की टंकी के पास, ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान)

सम्बन्धित फर्म

- विरल बृज लीला गार्डन
- स्काई डांस एकेडमी
- जिम एवं योगा क्लासेज

मो. 8107944493 नरेन्द्र, 9352411106 विरल

JYOTI EDUCATIONAL INSTITUTE

FATEHPURA,UDAIPUR

SINCE 1972

The future begins here...

INSTITUTIONS

1. JYOTI SR. SEC. SCHOOL,FATEHPURA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

2. JYOTI PUBLIC SCHOOL,FATEHPURA,UDAIPUR [English Medium]

3. JYOTI SECONDARY SCHOOL,BEDLA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

4. JYOTI SECONDARY SCHOOL,BHUWANA,UDAIPUR [English & Hindi Medium]

5. JYOTI JUNIOR'S ,FATEHPURA, UDAIPUR [PLAYGROUP]

Glorious 50 Year Golden Jubilee

G.L.KUMAWAT
CHAIRMAN

MADHU KUMAWAT
CO-FOUNDER

Dr.RAJNISH KUMAWAT
DIRECTOR

Dr.ARTI KUMAWAT
PRINCIPAL

MANISH KUMAWAT
ADMINISTRATOR

SHILPI KUMAWAT
PRINCIPAL

Congratulations

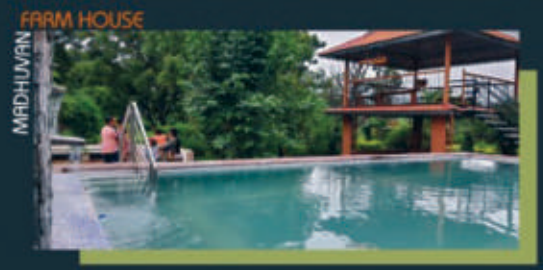

CONTACT US AT : 1, NEW AHINSAPURI, FATEHPURA, UDAIPUR [RAJ.]

" Congratulations & best wishes to "Kumawat India" on competing 5 years publications"

HONDA

Teri har udaan hamari shaan hai

Jaipur Honda

SALES & SERVICE

Model Town, Malviya Nagar | Nayla Road, Kanota

Mukesh Verma
(Kumawat)

B.L. Verma
(Kumawat)

Prince Kumawat

Route Map

Jaipur Honda

Showroom/Workshop : Model Town, Malviya Nagar | Nayla Road, Kanota

● 0141-2751880, 9057090909 ● 9352267500

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018